ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शिक्षा से ही आत्मसम्मान का विकास हो सकता है और लोग मानव बन सकते हैं @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 08 जुलाई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-187

ब्रिक्स देशों का आतंकवाद पर सख्त रुख

पहलगाम आतंकी हमले की समूह-निंदा

रियो डी जेनेरियो/नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए सभी तरह के आतंकवाद से सख्ती से निपटने की प्रतिबद्धता जतायी है और संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों तथा आतंकवादी गुटों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आह्वान किया है।

ब्रिक्स देशों के 17 वें शिखर सम्मेलन में रविवार देर रात यहां जारी संयुक्त घोषणा पत्र में सभी सदस्य देशों ने आतंकवादी कृत्यों की जोरदार शब्दों में कड़ी निंदा की और वैश्विक संस्थाओं को समय की जरूरत के अनुसार अधिक समावेशी बनाने पर जोर देते हुए सतत शासन के लिए ग्लोबल साउथ सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया।

घोषणा पत्र में सदस्य देशों की ओर से कहा गया है, हम आपसी सम्मान और समझ, संप्रभु समानता, एकजुटता, लोकतंत्र, खुलेपन, समावेशिता, सहयोग और आम सहमति की ब्रिक्स भावना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हम राजनीतिक और सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय, सांस्कृतिक और लोगों के बीच सहयोग के तीन स्तंभों के तहत विस्तारित ब्रिक्स में सहयोग को मजबूत करने और शांति, अधिक प्रतिनिधित्व, निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, एक पुनर्जीवित और सुधार पर आधारित बहुपक्षीय प्रणाली, सतत विकास और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के माध्यम से लोगों के लाभ के लिए रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करते हैं।

उन्होंने वर्ष 2026 में भारत को ब्रिक्स की अध्यक्षता सौंपे जाने और भारत में 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन भी दिया।

सदस्य देशों ने आतंकवाद को कतई न बर्दाश्त करने और आतंकवाद से निपटने में दोहरे मानदंडों को खारिज करते हुए कहा दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए मिलकर काम करने की वचनबद्धता प्रकट की।

उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा , हम आतंकवाद के किसी भी कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं, चाहे वह किसी भी उद्देश्य से किया गया हो, जब भी, जहाँ भी और किसी के द्वारा भी किया गया हो। हम 22 अप्रैल 2025 को जम्मू और कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए। हम आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही, आतंकवाद के वित्तपोषण और सुरक्षित पनाहगाहों सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

ब्रिक्स देशों ने आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने वाले देशों को कड़ा संदेश देते हुए कहा , हम दोहराते हैं कि आतंकवाद को किसी भी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह से नहीं जोड़ा जाना चाहिए और आतंकवादी गतिविधियों और उनके समर्थन में शामिल सभी लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और प्रासंगिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। हम आतंकवाद के लिए शून्य सहिष्णुता सुनिश्चित करने और आतंकवाद का मुकाबला करने में दोहरे मानदंडों को अस्वीकार करने का आग्रह करते हैं। ▶10पर

मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में क्यूबा, मलेशिया वियतनाम व अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं

रियो डि जनेरियो/नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान क्यूबा, मलेशिया और वियतनाम के नेताओं के साथ अलग-अलग 'अच्छी बैठकें' कीं उनसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत के सहयोग पर चर्चा की। श्री मोदी ने इन बैठकों की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। प्रधानमंत्री ने क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल बरमूडेज़ से मुलाकात के बाद कहा कि मुलाकात अच्छी रही। उन्होंने कहा, इस बातचीत में हमने कई विषयों पर चर्चा की। आने वाले समय में हमारे देशों के बीच आर्थिक संबंधों में बहुत वृद्धि की संभावना है। प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे क्षेत्र भी उतने ही आशाजनक हैं। प्रधानमंत्री ने इससे पहले 2023 में जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति डियाज-कैनेल से मुलाकात की थी, जहाँ क्यूबा विशेष आमंत्रित था। दोनों नेताओं ने आर्थिक सहयोग, विकास साझेदारी, फिनटेक, क्षमता निर्माण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, ▶10पर

राजनाथ सिंह की रक्षा अधिकारियों को नसीहत

शांति बस एक भ्रम, हर वक्त युद्ध के लिए तैयार रहें

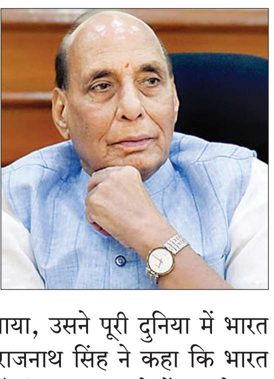

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देशवासियों को एक बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने साफ कहा कि शांति का समय सिर्फ दिखावटी होता है, असल में कभी भी हालात बदल सकते हैं। इसलिए देश को हर वक्त सतर्क और तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि भारत की सेनाओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में जो साहस दिखाया, उसने पूरी दुनिया में भारत के रक्षा क्षेत्र की साख बढ़ा दी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत में अब ज्यादातर रक्षा उपकरण देश में ही बनाए जा रहे हैं। पहले हम कई जरूरी हथियार और उपकरण विदेश से मंगवाते थे, लेकिन अब देश में ही आधुनिक हथियार बनने लगे हैं। इससे न सिर्फ हमारी सेना मजबूत हो रही है, बल्कि दुनियाभर में भारत के रक्षा उत्पादों की मांग भी बढ़ रही है।

रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने जो साहस और रणनीति दिखाई, उसने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींचा। देश में बने हथियारों और मंचो की मजबूती देखकर कई देशों ने भारत के रक्षा उत्पाद खरीदने में रुचि दिखाई है। यह हमारी आत्मनिर्भरता का बड़ा उदाहरण है। राजनाथ सिंह ने कहा कि चाहे माहौल कितना भी शांत क्यों न लगे, लेकिन हमें हमेशा तैयार रहना चाहिए। कोई भी अप्रत्याशित घटना कभी भी हो सकती है। इसलिए सेना से लेकर रक्षा मंत्रालय तक, सभी को अपने आर्थिक और सैन्य ढांचे को ऐसा बनाना होगा कि कभी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई हो सके।

रक्षा मंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि रक्षा खर्च को सिर्फ खर्च न समझा जाए, बल्कि इसे देश के विकास का एक बड़ा निवेश माना जाए। उन्होंने कहा कि दुनिया में सैन्य खर्च 2.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। ऐसे में भारत में रक्षा उद्योग के लिए बड़े मौके हैं। यह क्षेत्र अब देश की अर्थव्यवस्था को भी गति दे रहा है।

रक्षा मंत्री ने रक्षा लेखा विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे खुद को सिर्फ 'नियंत्रक' न समझें, बल्कि 'सहायक' की भूमिका निभाएं। निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के साथ उन्हें और अधिक लचीला और तेज बनना होगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ बाहरी जांच पर निर्भर न रहें, बल्कि खुद की आंतरिक समीक्षा करें, तभी रक्षा मंत्रालय और देश की सुरक्षा प्रणाली और मजबूत हो सकेगी।

आरएसएस के 100 साल

मंडलों और बस्तियों में हिंदू सम्मेलन का होगा आयोजन

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक में संघ के कार्य विस्तार, शताब्दी वर्ष की तैयारी और विभिन्न प्रांतों में संघ कार्य स्थिति जैसे तीन प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में अन्य राष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

इसमें मणिपुर में संघ की ओर से मैतई और कुकी समुदाय के बीच शांति बहाली के लिए किए जा रहे प्रयास भी शामिल हैं। बैठक में संघ स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर हिंदू समाज के जागरण एवं सद्भाव की कार्य दिशा भी तय की गई।

संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने सोमवार को केशव कुंज कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह बैठक कोई प्रस्ताव या निर्णय लेने के लिए नहीं थी, बल्कि संघ कार्य की दिशा तय करने पर केंद्रित थी। इस दौरान देश के विभिन्न प्रांतों, विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रहे संघ के सांगठनिक कार्यों की समीक्षा की गई। मणिपुर की स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि संघ दोनों समुदायों के साथ संवाद को आगे बढ़ा रहा है और कई सकारात्मक संकेत सामने आए हैं। संघ का प्रयास शांति और सामाजिक समरसता के लिए है। आंबेकर ने पिछले दिनों आयोजित प्रशिक्षण वर्गों (संघ शिक्षा वर्गों) के आंकड़ों को साझा करते हुए बताया कि इस वर्ष कुल 21,879 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिनमें 40 वर्ष से कम आयु के 17,609 और 40 वर्ष से ऊपर के 4,270 स्वयंसेवक शामिल हैं। देशभर के 8,812 स्थानों से इन वर्गों में भागीदारी हुई। केरल, तमिलनाडु, कश्मीर और वनवासी क्षेत्रों से भी उत्साहजनक भागीदारी देखी गई। ▶10पर

टर्किश कंपनी भारत में एयरपोर्ट पर सर्विस नहीं दे सकेगी

सुरक्षा कारणों से रोक को हाईकोर्ट ने सही माना

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को तुर्की की कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की याचिका खारिज कर दी, जिसमें सरकार द्वारा उसकी सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के फैसले को चुनौती दी गई थी। न्यायालय ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के कदम का समर्थन करते हुए कहा कि यह निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में लिया गया है। मई के महीने में सेलेबी एविएशन सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने दिल्ली उच्च न्यायालय में दलील दी कि हम एक भारतीय कंपनी हैं। हमारे कर्मचारी भारतीय हैं। कंपनी ने नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) द्वारा इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में इसकी सुरक्षा मंजूरी रद्द करने ▶10पर

मराठी भाषा विवाद में बीजेपी सांसद ने दी चुनौती

इतने बड़े बॉस हो तो आओ बिहार-यूपी, तुमको पटक पटकर...

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने महाराष्ट्र में हिंदी भाषी लोगों पर हाल ही में हुए हिंसक हमलों के लिए महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे और उनके चचेरे भाई तथा शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर सोमवार को तीखा हमला बोला और उन्हें चुनौती दी कि वे उत्तर प्रदेश, बिहार या तमिलनाडु में जाकर वहां भी ऐसा करने की कोशिश करें। ठाकरे बंधुओं द्वारा महाराष्ट्र में काम करने वाले उत्तर भारतीय लोगों के खिलाफ किए गए हमले का जिक्र करते हुए दुबे ने कहा कि आप उत्तर प्रदेश, बिहार या तमिलनाडु में आ जाइए। लोग आपको पटक-पटक कर मारेंगे।

निशिकांत दुबे ने कहा कि आप लोग हमारे पैसे से जी रहे हैं। आपके पास किस तरह के उद्योग हैं? अगर आप इतने साहसी हैं और हिंदी बोलने वालों को पीटते हैं, तो आपको उर्दू, तमिल और तेलुगु बोलने वालों को भी पीटना चाहिए। अगर आप इतने बड़े 'बॉस' हैं, तो महाराष्ट्र से बाहर आएँ, बिहार, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु में आएँ - 'तुमको पटक पटक के मारेंगे'। उन्होंने कहा कि हम सभी मराठी और महाराष्ट्र के लोगों का सम्मान करते हैं, जिन्होंने भारत की आज़ादी के लिए लड़ाई लड़ी। भाजपा सांसद ने साफ तौर पर कहा कि बीएमसी चुनाव होने वाले हैं, और इसलिए, राज और उद्धव सस्ती राजनीति कर रहे हैं। अगर उनमें हिम्मत है - तो उन्हें माहिम जाना चाहिए और माहिम दरगाह के सामने किसी भी हिंदी या उर्दू बोलने वाले को पीटना चाहिए। ▶10पर

न्यायाधीश के आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलना आपराधिक कृत्य, कार्रवाई जरूरी : धनखड़

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के घर से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं किये जाने का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि किसी न्यायाधीश के विरूद्ध संवैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है लेकिन इसे समाधान नहीं कहा जा सकता।

उन्होंने कहा है कि यह आपराधिक कृत्य है और इस तरह के मामलों में कार्रवाई किया जाना जरूरी है। श्री धनखड़ ने सोमवार को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, कोच्चि में छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ संवाद के दौरान कहा,संवैधानिक प्रावधानों के तहत किसी न्यायाधीश के विरुद्ध कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है,लेकिन यह समाधान नहीं है। हम लोकतंत्र होने का दावा करते हैं और वास्तव में हैं भी। दुनिया हमें एक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में देखती है,जहाँ कानून का शासन और कानून के समक्ष समानता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इसका तात्पर्य यह है कि हर अपराध की जांच होनी चाहिए। उन्होंने इस मामले से संबंधित न्यायाधीश का नाम लिए बिना कहा कि यदि धनराशि इतनी अधिक है तो कई सवाल उठते हैं जिनका पता लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह जानना आवश्यक है कि क्या यह काला धन है? इसका स्रोत क्या है? यह किसी न्यायाधीश के सरकारी आवास में कैसे पहुंचा? यह धन किसका है?इस घटनाक्रम में कई दंडात्मक प्रावधानों के उल्लंघन का उल्लेख करते हुए उन्होंने उम्मीद जतायी कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की जायेगी। उन्होंने कहा, मुझे आशा है कि एफआईआर दर्ज की जाएगी। हमें इस मुद्दे की जड़ तक जाना होगा, क्योंकि लोकतंत्र में यह महत्वपूर्ण है। हमारी न्यायपालिका, जिस पर लोगों का विश्वास अडिग है, आज इस घटना के कारण उसकी नींव डगमगा गई है। यह गढ़ हिल गया है।

उप राष्ट्रपति ने शेक्सपियर के प्रसिद्ध नाटक 'जूलियस सीज़र' का उल्लेख करते हुए कहा, कैसे एक ज्योतिषी ने सीज़र को उनकी मृत्यु के प्रति चेताया था। जब सीज़र ने कहा 'आइड्स ऑफ मार्च' यानी 15 मार्च आ गया है तो ज्योतिषी ने उत्तर दिया 'हां, लेकिन गया नहीं' और उसी दिन सीज़र की हत्या हो गई। इसी तरह हमारी न्यायपालिका के लिए 14-15 मार्च की रात एक दुर्भाग्यपूर्ण समय रहा। उन्होंने कहा कि एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के आधिकारिक आवास से भारी मात्रा में नकदी मिली। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 99,820/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,10,480/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 21^0

पश्चिम बंगाल में मेडिकल कालेजों में एनआरआई कोटे की सीटों पर घोटाला

विदेश मंत्रालय ने जालसाजी का पर्दाफाश किया, सरकार के रवैये पर सवाल

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), कोलकाता जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत पश्चिम बंगाल के एक निजी मेडिकल कॉलेज की 6.42 करोड़ रुपये की सावधि जमा को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। ईडी ने पश्चिम बंगाल और ओड़ीशा के निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस/ एमडी/ एमएस पाठ्यक्रमों में एनआरआई कोटे के तहत अयोग्य उम्मीदवारों के प्रवेश के मामले में जांच शुरू की थी। मेडिकल कालेजों में एनआरआई कोटे की सीटों पर घोटाला किया गया। एनआरआई कोटे की सीटें, भारी कमीशन लेकर अयोग्य उम्मीदवारों के लिए सुरक्षित की गई। विदेश मंत्रालय ने इस मामले में कुछ जालसाजों की जानकारी राज्य सरकार को दी थी, लेकिन अधिकारी मौन रहे। ईडी ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा के विभिन्न निजी मेडिकल कॉलेजों, एजेंटों और अन्य लोगों के ठिकानों पर तलाशी ली गई। इस मामले में विभिन्न आपत्तिजनक सबूत जब्त किए गए हैं। संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज किए गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा निर्देश, एनआरआई श्रेणी के तहत उम्मीदवारों के प्रायोजकों के लिए पात्रता मानदंड को स्पष्ट करते हैं। ▶10पर

जीएसटी घोटाले के लिए बनाई 135 फर्जी कंपनियां

5000 करोड़ के नकली चालान तो 734 करोड़ की फर्जी आईटीसी बनाई

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), रांची जोनल कार्यालय ने पांच जुलाई को विशेष न्यायालय (पीएमएलए), रांची के समक्ष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत एक अभियोजन शिकायत (पीसी) दायर की है। यह मामला एक बड़े जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी सिंडिकेट से जुड़ा है। इस सिंडिकेट के चार मास्टरमाइंड शिव कुमार देवड़ा, मोहित देवड़ा, अमित कुमार गुप्ता और अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया हैं। इन्हीं के खिलाफ पीसी दायर की गई है। आरोप है कि इन चारों व्यक्तियों ने जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट घोटाला करने के लिए 135 फर्जी कंपनियां बनाई थीं। लगभग 5000 करोड़ रुपये के फर्जी चालान जनरेट किए गए और 734 करोड़ रुपये की फर्जी आईटीसी तैयार की गई। ईडी ने जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई), ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

जीतो बेंगलूरु साउथ यूथ ने सफलतापूर्वक आयोजित किया पिकलफेस्ट 1.0 टूर्नामेंट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु साउथ यूथ ने पिकल फेस्ट 1.0 टूर्नामेंट का आयोजन किया। खेल हर व्यक्ति के जीवन का एक अभिन्न अंग है, जो व्यक्तियों को अपने जीवन में ध्यान केंद्रित करने और तेजी लाने में मदद करता है, साथ ही साथ उनकी जीवनशैली में भी सुधार करता है। जीतो यूथ विंग बेंगलूरु साउथ ने जीतो कम्युनिटीज के तहत पिकलफेस्ट 1.0 नामक एक विद्युत आयोजन की मेजबानी की, जो 6 जुलाई को बैकयार्ड स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित किया गया था। इस टूर्नामेंट में 40 से अधिक उत्साही टीमों ने भाग लिया, जिनमें बिगिनर डबल्स, मिक्स्ड डबल्स, और इंटरमीडिएट से एडवांस्ड डबल्स शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिभागियों द्वारा नवकार मंत्र के जाप करने के साथ हुई, जिसके बाद यूथ विंग के मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा ने गर्मजोशी से स्वागत किया। बैकयार्ड स्पोर्ट्स क्लब के तनुज जैन ने टूर्नामेंट के नियमों और प्रारूप के बारे में बताया।

लीग प्रारूप ने गैर-रोक कार्रवाई, अधिकतम खेल समय और एक माहौल बनाया जो जयकारों, सौहार्द और प्रतिस्पर्धा से भरा था। टूर्नामेंट में कुछ रोमांचक मैच देखे गए, जिसमें निम्नलिखित टीम विजेता और उपविजेता के रूप में उभरी, जिसमें ओपन डबल्स - बिगिनर, ध्रुव मेहता और कुणाल (विजेता), शौर्य और अनिरुद्ध (उपविजेता), मिक्स्ड डबल्स मनोज भंडारी और सुनीधी (विजेता), आदित्य और रैना (उपविजेता) ओपन डबल्स - इंटरमीडिएट कृष और विशाल (विजेता), समित और मीत (उपविजेता) शामिल थी। मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा, प्रबंध समिति के सदस्यों कुणाल राठौर और कृष मेहता के साथ, सभी प्रतिभागियों को उनकी ऊर्जा, उत्साह और खेल भावना के लिए धन्यवाद दिया, जिसने पिकलफेस्ट 1.0 को एक बड़ी सफलता बनाई।

उन्होंने बैकयार्ड स्पोर्ट्स क्लब की भी सराहना की जिन्होंने जीतो यूथ विंग बेंगलूरु साउथ के लिए विशेष रूप से इस टूर्नामेंट का आयोजन किया और एक विश्व स्तरीय खेल अनुभव प्रदान किया। उन्होंने प्रतिभागियों से सक्रिय रहने और गति बनाने के लिए नियमित मैच और अभ्यास सत्र खेलने का आग्रह किया। पिकलफेस्ट 2.0 की योजना पहले से ही चल रही है, जिसमें प्रतिभागियों को एक और बड़ा, साहसिक और अधिक प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट की उम्मीद कर सकते हैं।

रोटरी बेंगलूरु जंक्शन द्वारा भव्य कव्वाली संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रोटरी क्लब ऑफ बेंगलूरु जंक्शन द्वारा एक भव्य और संगीतमय कव्वाली संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें शहर भर से सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति, सदस्यगण और कला प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह आयोजन एक चैरिटेबल उद्देश्य के लिए किया गया था, जिसमें कुल 35 लाख की धनराशि एकत्र की गई। कार्यक्रम का आयोजन चौड़ैयाह हॉल में किया गया, जहाँ सूफियाना अंदाज में कव्वाली की प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुप्रसिद्ध कलाकार मुश्तबा अजीज नाजा ने अपनी शानदार प्रस्तुति से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटरी क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन कमल कर्णानी ने की। कार्यक्रम के चेयरमैन रोटेरियन विजय सराफ और कोऑर्डिनेटर रोटेरियन बी. जी. राज ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोटरी क्लब की ओर से यह संकल्प लिया गया कि इस कार्यक्रम से प्राप्त आय को विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक परियोजनाओं में लगाया जाएगा, विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में। रोटेरियन विजय सराफ ने इस अवसर पर कहा, इस आयोजन का उद्देश्य केवल संगीत का आनंद लेना नहीं था, बल्कि समाज के लिए कुछ सकारात्मक करना था। इतने बड़े स्तर पर सहयोग और भागीदारी देखकर मन गर्व से भर जाता है। कार्यक्रम में शामिल सभी मेहमानों और स्पॉन्सर्स का धन्यवाद व्यक्त किया गया, जिनके सहयोग से यह आयोजन ऐतिहासिक और सफल बन सका।

जीवन विकास की यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका सत्संग की: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि जीवन विकास की यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका सत्संग की है।

सत्संग पारसमणि से भी अधिक शक्तिशाली है। पारसमणि में लोहे को सोने में बदलने की शक्ति होती है, लेकिन वह लोहे को पारसमणि में नहीं बदल सकती, जबकि हत्यारा अंगुलिमाल सत्संग के कारण संत बन गया। भयंकर क्रोधी चंडकौशिक सांप भी शांत हो गया। मनुष्य को हजारों काम छोड़कर सत्संग करना चाहिए। सत्संग करणस्थ नहीं, हृदयस्थ करना चाहिए।

तुलसीदासजी भी कहते हैं कि छह मिनट का सत्संग करोड़ों जन्मों के पापों को धोने में सक्षम है। शरीर का टॉनिक भोजन और पानी है। आत्मा का टॉनिक सत्संग है।

हजारों समस्याओं की एक दवा है तो वह सत्संग है। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि शरीर आराम की तलाश में है, हालात पैसों की तलाश में, मन शांति की तलाश में और दिल अपनों की तलाश में है। एक मिलता तो दूसरा छूट जाता है। सबका संतुलन बना के सबके मजे लेने वाले को मुकद्दर का सिकंदर कहते हैं। बहुत सारी समस्याएं सिर्फ दूसरों के नजरिये को समझ लेने भर से हल हो जाती हैं। एक दूसरे को नीचा दिखाने की और शो-ऑफ की होड सी लगी है। इस अवसर पर मांगीलाल जैन, पुनमचंद सोलंकी, अंबालाल शाह, महेंद्र जैन, राजेंद्र पोरवाल, राजु भंडारी, संतोष जैन, सुरेश जैन, भारती पोरवाल आदि उपस्थित रहे।

जिनदत्त सूरीश्वर जी महाराजा की 871वीं पुण्यतिथि मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में पूज्य मलयप्रभ सागर जी और साध्वी जी हर्षपूर्णा श्री जी की निश्रा में जिनशासन के प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरीश्वर जी महाराजा की 871 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। आराधना भवन में आयोजित गुरु गुणानुवाद सभा में दादावाडी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी का भावभीना स्वागत किया और कहा कि आज 871 वर्षों के बाद भी दादा गुरुदेव के उपदेश प्रासंगिक हैं। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि आराधना भवन में गुरुवर्या श्री जी का प्रतिदिन प्रवचन प्रातः 9.30 बजे से रखा गया है और प्रति रविवार विभिन्न विषयों पर विशेष शिविरों का भी आयोजन किया जाएगा। पूज्य मलयप्रभ सागर जी ने जिनदत्त सूरीश्वर जी के जीवन के अनेक अनछुए पहलुओं के सारे में बताया। युगप्रधान दादा श्री जिन

दत्त सूरी जैन आचार्यो की महान परंपरा के ज्वाज्वल्यमान नक्षत्र हैं। जिनशासन की एक महान परंपरा खरतरगच्छ के आप युगपुरुष हैं। जिनेश्वर सूरी से प्रारम्भ हुई इस परंपरा में नवांगी टीकाकार आचार्य अभय देव सूरी के पट्टधर शिष्य वल्लभ सूरी आपके गुरु थे। संवत 1132 में आपका जन्म हुआ एवं 9 वर्ष की अल्प आयु में ही आपने दीक्षा ग्रहण कर वैराग्य का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। आप चमत्कारिक बुद्धि के धनी थे एवं अपनी प्रतिभा से सबको चमत्कृत करते हुए अल्प समय में ही समस्त शास्त्रों में पारंगत बने। आपकी प्रतिभा, शास्त्र अभ्यास, प्रवचन कला एवं सर्वोपरि वैराग्य व जिन शासन निष्ठा को देखते हुए अनेक वरिष्ठ साधुओं के रहते हुए भी आपको आचार्य पद प्रदान कर श्री जिन वल्लभ सूरी का पट्टधर नियुक्त किया गया। आपने शासन प्रभावना के अनगिनत कार्य किये एवं अपनी तपसाधना से जिन शासन का विस्तार किया। 130,000 (एक लाख तीस हजार) लोगों को प्रतिबुद्ध कर उन्हें जिन धर्म का अनुयायी बनाया एवं अनेक नवीन गोत्रों की स्थापना की। श्री नेमिनाथ स्वामी की अधिष्ठायीका अम्बिका देवी ने आपको युगप्रधान पद से अलंकृत किया। आप अपभ्रंश भाषा के महान कवि थे एवं चर्चरी प्रकरण, चैत्यवंदन कुलक आदि अनेक विशिष्ट ग्रंथों की रचना की। जिन शासन को आपके महान योगदान के कारण आप प्रथम दादा गुरुदेव के नाम से विश्व विख्यात हैं एवं हजारों दादावाडीयां आपकी यशोगाथा का गान आज भी गा रही है। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि संवत 1211, आषाढ़ सुदी इग्यारस को आज ही दिन अजमेर में आपका स्वर्गवास हुआ, मणिधारी जिन चन्द्र सूरी को आपने अपना पट्टधर नियुक्त किया जो कि कालान्तर में द्वितीय दादागुरु के नाम से प्रसिद्ध हुए। इस अवसर पर दादागुरु की पूजा अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद के द्वारा भीकमचंद, प्रकाशचंद बरलोटा परिवार हैदराबाद निवासी की तरफ पढाई गई। साध्वी जी हर्षपूर्णा श्री जी ने कहा कि आध्यात्मिक व्यक्तित्व के द्वारा चमत्कार किए नहीं जाते वरना उनकी साधना के बल पर चमत्कार आपने आप घटित हो जाते हैं। इस अवसर पर अखिल भारतीय खरतरगच्छ संघ और युवा परिषद् के द्वारा आयोजित सद्गुरु शरणम् यात्रा संघ के फार्म भी वितरित किए गए। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। शुभ मंगल दिवस बाड़मेर नगरी में आचार्य भगवन्त श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी महाराजा का भव्य चातुर्मास प्रवेश हुआ, जिसमें पूरे भारतवर्ष से अनेक श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति प्रदान की।

प्रवीण तुलस्यान अध्यक्ष व मोहित तुलस्यान सचिव नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक मारवाड़ी समाज की वार्षिक सभा आयोजित की गई, जिसमें वर्ष 2025 - 2027 के लिए नई कार्यकारिणी का चयन हुआ। कर्नाटक मारवाड़ी के निवर्तमान अध्यक्ष विकाश बलोडिया ने स्वागत भाषण के द्वारा वर्ष 2024-25 की उपलब्धियों की जानकारी दी। सभा का संचालन प्रभात यादुका

ने किया। वित्तीय विवरण तरुण चांडगोटिया द्वारा प्रस्तुत किया

गया। सभा के दौरान चुनाव अधिकारी सितेश जलान ने वर्ष 2025-27 के लिए 15 सदस्यों की कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए सर्वसम्मति से प्रवीण तुलस्यान को अध्यक्ष, मोहित तुलस्यान को सचिव, राकेश जिंदल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया। कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष विकास बलोडिया ने नए अध्यक्ष का स्वागत किया। नवगठित टीम को शुभकामनाएं दीं। महिला मंडल द्वारा नई कार्यकारिणी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वरिष्ठ सदस्यों में रंजन भावसिंका, बिमल सराओगी व महिला मंडल अध्यक्षा कांता बांका ने भी सभा को संबोधित किया। आनंद अग्रवाल के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सभा का समापन हुआ। सभी सदस्यों ने समाज की निरंतर प्रगति और सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई।

एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कैंड हार्ट्स टचिंग लाइफ एवं इंस्पायरिंग होप के संयुक्त सौजन्य में अलसूर के मोती महल अपार्टमेंट की महिला साथियों ने अपार्टमेंट परिसर में एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। भूतपूर्व महापौर गौतम कुमार मकाना ने फीता काट कर और दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में जैन मिशन तथा भारत रत्न अंबेडकर दंत महाविद्यालय और डायबिटीज क्लब के सहयोग से आंख, दांत, डायबिटीज का निरीक्षण कुशल डाक्टरों ने किया और मोतियाबिंद वाले रोगियों को डॉ. नरपत सोलंकी के अस्पताल भेजा गया। करीब 200 रोगियों ने इस सेवा

का लाभ लिया। मोतीमहल अपार्टमेंट की यह पहली सफल पहल रही। महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ा। इस अवसर पर गौतम कुमार मकाना ने कहा कि सेवा ही समृद्धि का अलंकरण होता है। हर साल ऐसे आयोजन होने चाहिए। उन्होंने सभी से कन्नड़ भाषा सीखने की प्रेरणा भी दी। अलसूर श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने महिला वर्ग की इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर अलसूर संघ के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा, सोहनलाल कोठारी, गौतमचंद गादिया, प्रेमचंद खींचा, लोकेश तातेड, संजय सुराणा आदि अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे। किरणबाई गादिया ने संचालन किया।

266वें तेरापंथ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य जांच शिविर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राजराजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर श्रीरामपुरम के अंतर्गत तेरापंथ आद्यप्रवर्तक आचार्य श्री भिक्षु के 300वें जन्म दिवस व 266वें तेरापंथ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रियायती शुल्क पर विटामिन बी12, विटामिन डी3 एवं रीनल फंक्शन जांच समायोजित किया गया। शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र से हुई।

जिसमें कुल 56 सदस्य लाभान्वित हुए। तेयुप सदस्यों द्वारा उपस्थित जन मानस को एटीडीसी द्वारा प्रदत्त सेवाओं, चिकित्सक की उपलब्धता, फिजियोथैरेपी और अन्य विभिन्न सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। स्थानीय लोगों ने मानव सेवा की इस उपक्रम की खूब खूब सराहना की और परिषद परिवार का धन्यवाद व्यक्त किया। शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में एटीडीसी स्टाफ स्मिता, दीपा, श्यामला, सहेली का अथक श्रम लगा।

तेयुप से निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया, जयंतीलाल गाँधी ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** अखिल भारत हिंदू महासभा कर्नाटक द्वारा बेंगलूरु पैलेस मैदान में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले साधकों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज, महासभा के राज्य अध्यक्ष मनोज, समाजसेवी महेंद्र मुणोत, श्री राम सेना के राज्य अध्यक्ष प्रमोद मुतालिक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।*

***हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री क्षेत्र धर्मस्थला के धर्माधिकारी राज्यसभा सांसद, पद्मविभूषण डॉ. वीरेंदर हेगड़े से हुब्बल्ली प्रवास के दौरान संस्कार इंग्लिश मीडियम स्कूल के अध्यक्ष महावीर कुंदुर, कोषाध्यक्ष उज्वल सिंघी, भारत जैन महामण्डल हुब्बली चैप्टर के अध्यक्ष सुभाषचंद्रा डंक ने मुलाकात कर आशीर्वाद लिया और सम्मानित किया।*

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे स्थित श्री संकट मोचन पार्श्व भैरव गौशाला के विस्तार कार्य के तहत दूसरे गौशेड निर्माण का लाभ मरुधर गढ़ सिवाना निवासी हाल बेंगलूरु के शांतिलाल, संदीप कुमार राकेश कुमार ओस्तवाल परिवार ने लिया। अनुमोदनार्थ शांतिलाल ओस्तवाल परिवार का सम्मान ट्रस्टी डॉ. विजय कुमार विजय, गौशाला के महा सचिव मनोज कुमार बाफणा, पदमचंद बुरड, मदनलाल खिवेंसरा, भेरुलाल तलावट एवं प्रकाशचंद चौहान ने किया।*

34 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा कुरुबारा संघ का नया भवन

शिक्षा से ही आत्मसम्मान का विकास हो सकता है और लोग मानव बन सकते हैं: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के बनशंकरी में विधि महाविद्यालय और यूपीएससी प्रशिक्षण के लिए भवन का निर्माण हो चुका है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि कुरुबारा संघ के लिए 34 करोड़ रुपये की लागत से नए भवन का निर्माण शुरू किया गया है।

वे तावरेकेरे के निकट केतोहल्ली में ब्रह्मलीन जगद्गुरु श्री बीरेंद्र केशव तारकनंदपुरी महास्वामी की पवित्र सेवा के 19वें वर्ष के उपलक्ष्य में श्री कागिनेले महासंस्थान कनकगुरुपीठ और शाखा तथा बेंगलूरु भक्त भंडारा कुटीर को समर्पित करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मैसूरु जिले में 300 छात्राओं को छात्रावास और यूपीएससी प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। पिछड़े वर्गों के विकास में सेवारत श्री कागिनेले गुरुपीठ को सरकार हर तरह का सहयोग प्रदान करेगी। सरकार बेंगलूरु दक्षिण तालुक की सीमा में विभिन्न समुदायों के धार्मिक नेताओं को 80 एकड़ सरकारी भूमि आवंटित करने के मुद्दे पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न समुदायों के स्वामीजी की मांग के अनुसार समुदाय के विकास के लिए अनुदान देने पर विचार किया जाएगा।

इससे पहले मैंने कागिनेले गुरुपीठ शाखा के भक्त भंडार कुटीर का शिलान्यास किया था। अब इसका उद्घाटन करना सौभाग्य की बात है। शाखा के निर्माण के लिए कागिनेले गुरुपीठ के स्वामियों ने कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि महेश द्वारा 10 करोड़ रुपये की एक एकड़ जमीन का दान सराहनीय है। कागिनेले गुरुपीठ के श्री निरंजनानंद स्वामीजी कोई भी इमारत बहुत तेजी से बनाते हैं। उन्होंने भक्तों से दान प्राप्त करके इसे सिर्फ दो साल में बनाया है। मंत्री सुरेश ने 50 लाख रुपये का दान दिया है। कुटीर बनाने में उन्हें सभी का सहयोग मिला है।

करीब 4 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, जबकि अन्य लोगों ने दान दिया है। मठ को लोगों से ही बढ़ना चाहिए। अगर यह सरकार पर निर्भर है तो यह नहीं बढ़ सकता। उन्होंने याद दिलाया कि 1992 में शुरू हुए मठ को बंगारप्पा के मुख्यमंत्री रहते 25 लाख रुपये देने से मना कर दिया गया था। समतामूलक समाज का निर्माण तभी हो सकता है, जब शोषित वर्ग समाज की मुख्यधारा में आए। शिक्षा से ही आत्मसम्मान का विकास हो सकता है और लोग मानव बन सकते हैं। अन्यथा, गुलामी हमारे अंदर घर कर जाएगी। उन्होंने समाज का विकास करने और दूसरों का विकास करने का आह्वान किया। कागिनेले महासंस्थान पीठ द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्य सराहनीय हैं। मैं जगद्गुरु श्री निरंजनानंद स्वामी और शाखा मठ के स्वामीजी को बधाई देता हूं, जो इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैसूरु के यंदल्ली गांव में 12 एकड़ जमीन दी गई है और भवन का निर्माण पूरा हो जाएगा। इस मौके पर कागिनेले महासंस्थान के अध्यक्ष जगद्गुरु श्री निरंजनानंदस्वामी, सिद्धरामेश्वर स्वामीजी, गारंटी योजना कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एच एम रेवन्ना, मंत्री बैरती सुरेश, पूर्व मंत्री बंदेप्पा कश्यपुरा, बसवराज शिवन्ना, हुलिनयकर, आर शंकर, विधायक एसआर. विश्वनाथ, मंजूनाथ, श्रीनिवास, भीमसेना चिम्मनकट्टी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प्रकाश राज ने मंत्री एमबी पाटिल पर किया पलटवार

जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को जिम्मेदारी से बात करनी चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बहुभाषी अभिनेता प्रकाश राज ने एक बार फिर भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया और वहां के किसानों के संघर्ष पर प्रतिक्रिया देते हुए बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा मंत्री पाटिल ने मेरे बारे में बयान देते हुए कहा है कि देवनहल्ली में संघर्ष के बजाय उन्हें तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात जाकर किसानों के लिए लड़ना चाहिए। मैंने वहां भी संघर्ष का समर्थन किया है। जब तमिलनाडु के किसानों ने दिल्ली में 100 दिनों तक विरोध प्रदर्शन किया था, तो मैंने उसमें भाग लिया था। जब पंजाब और हरियाणा के किसानों ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया था, तो मैं भी मौजूद था। उन्होंने कहा कि जहां भी किसानों को समस्या होगी, मैं भाग लूंगा। अब देवनहल्ली में किसानों को समस्या है। हम इस पर चर्चा करेंगे। मेरे बारे में सवाल पूछने के बजाय समस्या के समाधान पर ध्यान दें। अगर मणिपुर में कोई समस्या है, तो भी मैं जाऊंगा। मैं किसी पार्टी तक सीमित नहीं हूं, मैं जनता की पार्टी से हूं। आप एक पार्टी तक सीमित हैं। मैं ही वह व्यक्ति हूं जिसने गुजरात से प्रधानमंत्री से सबसे ज्यादा सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को जहां भी समस्या है, उनसे सवाल पूछना मेरा कर्तव्य है।

देवनहल्ली में भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के बारे में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा है कि वे जनहित में निर्णय लेंगे। उससे पहले कानूनी समस्या है। उन्होंने कहा कि वे इसके समाधान के बारे में 15 जुलाई को जानकारी देंगे। उन्होंने इस पर ध्यान देने की सलाह दी। इस बीच कुछ बदमाश देवनहल्ली के किसानों के पास जा रहे हैं और कह रहे हैं कि वे 3 करोड़ रुपये प्रति एकड़ देंगे। वे यह दिखा रहे हैं कि सरकार की ओर से मुआवजा देने में देरी हो रही है। वे पूरे क्षेत्र को ग्रीन जोन घोषित करने और 25 साल तक जमीन पर कब्जा न कर पाने की धमकी भी दे रहे हैं। उन्होंने रहस्यमय तरीके से कहा कि अगर आपको कुछ पता है तो कृपया हमें बताएं।

कानून में हर चीज का समाधान है। अगर आपको समाधान नहीं पता है तो हमारे पास आएं। हमारे पास कानूनी विशेषज्ञ भी हैं। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश गोपाल गौड़ा संविधान को जानने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने किसानों के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि आपको उनसे सलाह मिलेगी। प्रकाश राज ने सलाह दी कि जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को जिम्मेदारी से बात करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के साथ प्रगति की समीक्षा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जहां एक ओर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला पार्टी विधायकों से विचार-विमर्श कर राय ले रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया विभिन्न विभागों के साथ प्रगति समीक्षा बैठकें कर सरकार और पार्टी की गतिविधियों को एक साथ तेज कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार सुबह से ही प्रगति समीक्षा बैठकें शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जनजाति विकास विभाग, युवा सेवा एवं खेल विभाग, वित्त विभाग और गृह विभाग के साथ सिलसिलेवार बैठकों के माध्यम से प्रगति की समीक्षा की है। मुख्यमंत्री बजट में घोषित परियोजनाओं और वादों के क्रियान्वयन, विभागवार जारी अनुदान और उनके व्यय, लंबित परियोजनाओं की अधिसूचना और अनुदान की उपलब्धता समेत कई मुद्दों पर लंबी चर्चा कर रहे हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग से कर राजस्व संग्रह और केंद्र सरकार से विभिन्न परियोजनाओं के लिए अनुदान की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी जुटाई है। कई विभागों में बजट परियोजनाएं अभी तक क्रियान्वित नहीं हो पाई हैं और खस्ताहाल में हैं। आरोप है कि अधिकारी धन की कमी का हवाला देकर अहंकारी व्यवहार कर रहे हैं। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने प्रत्येक विभाग से अलग-अलग वार्ता कर, खास तौर पर एक घंटे तक मंत्रणा कर,

जड़ता दिखा रहे विभागाध्यक्षों को झटका दिया है। घोषित सभी परियोजनाओं का क्रियान्वयन इसी वित्तीय वर्ष में किया जाए। देरी होने पर मुख्यमंत्री ने उचित कारण व स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। इस बीच, जहां मुख्यमंत्री लगातार बैठकें कर रहे हैं, वहीं एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बेलगावी समेत विभिन्न जिलों के 24 विधायकों से व्यक्तिगत चर्चा की है। पहले सुनाई दे रहे भ्रामक बयानों व आरोपों के बाद जागा आलाकमान सुरजेवाला की बैठक के जरिए पार्टी अनुशासन बहाल करने की कोशिश कर रहा है। आवास विभाग में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाने वाले बीआर पाटिल ठंडे पड़ गए हैं और पार्टी मंचों पर दिखने लगे हैं। बेलगावी के राजू कागे ने चुप्पी साध ली है। रामनगर के इकबाल हुसैन, कुनिगल के रंगनाथ और अन्य जो सत्ता के बंटवारे पर चर्चा के बाद भाषण देना शुरू कर चुके थे, डी.के. शिवकुमार के नोटिस के बाद ठंडे पड़ गए हैं। कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी के झुकाव में फिलहाल सुधार हुआ है।

अचानक हृदयाघात और कोविड वैक्सीन के बीच कोई संबंध नहीं

विशेषज्ञ पैनल ने राज्य सरकार को रिपोर्ट सौंपी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में अचानक हृदय संबंधी मौतों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, राज्य सरकार ने कारणों की जांच के लिए जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च के निदेशक डॉ. सी. एन. रविंद्रनाथ के नेतृत्व में एक तकनीकी सलाहकार समिति का गठन किया था। समिति ने 2 जुलाई को सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया कि न तो कोविड-19 वैक्सीन और न ही पहले कोविड संक्रमण अचानक हृदय गति रुकने से जुड़ा है।

अध्ययन में 45 वर्ष और उससे कम आयु के 251 रोगियों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिन्हें अप्रैल और मई 2025 के बीच हृदय संबंधी समस्याओं के कारण जयदेव अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 251 व्यक्तियों में से 249 को कोविड वैक्सीन की कम से कम एक खुराक मिली थी और 19 को कोविड संक्रमण का इतिहास था, फिर भी समिति को इन कारकों को अचानक या तीव्र हृदय संबंधी घटनाओं से जोड़ने वाला कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिला। अध्ययन किए गए रोगी पूरे कर्नाटक से थे - 47 प्रतिशत बेंगलूरु

से, 8 प्रतिशत तुमकुरु से और 5 प्रतिशत मांड्या, कोलार और रामनगर से, जबकि 22 प्रतिशत अन्य जिलों से थे। 251 मरीजों में से 12 की उम्र 30 से कम थी, 66 की उम्र 31-40 के बीच थी और 172 की उम्र 41-45 के बीच थी। मरीजों में 218 पुरुष और 33 महिलाएं थीं। मेडिकल प्रोफाइल से पता चला कि 87 को मधुमेह था, 102 को उच्च रक्तचाप था, 35 को कोलेस्ट्रॉल की समस्या थी और 40 को पहले से ही दिल की बीमारी थी। इसके अलावा, 111 धूम्रपान करने वाले थे। उल्लेखनीय रूप से, 77 रोगियों को कोई अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्या नहीं थी। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि वैश्विक शोध गंभीर हृदय संबंधी जटिलताओं के खिलाफ कोविड टीकों के सुरक्षात्मक प्रभाव का समर्थन करता है। इसमें कहा गया, शोध स्पष्ट है - कोविड वैक्सीन और अचानक हृदय संबंधी मौतों के बीच कोई संबंध नहीं है। वास्तव में, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि टीके गंभीर हृदय संबंधी परिणामों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। 2019 के महामारी-पूर्व डेटा की तुलना में, 40 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों में जीवनशैली से संबंधित हृदय संबंधी जोखिम कारकों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उच्च रक्तचाप 13.9 प्रतिशत से बढ़कर 17.6 प्रतिशत, कोलेस्ट्रॉल 34.8 प्रतिशत से बढ़कर 44.1 प्रतिशत और धूम्रपान 48.8 प्रतिशत से बढ़कर 51 प्रतिशत हो गया। विशेषज्ञ समिति ने पाया कि 251 रोगियों में से लगभग 27 प्रतिशत में हृदय संबंधी स्थितियों से जुड़े कोई पारंपरिक जोखिम कारक नहीं थे। अध्ययन किए गए लोगों में से 19 रोगियों का कोविड संक्रमण का इतिहास था।

टीकाकरण की स्थिति के संदर्भ में, 53 को वैक्सीन की एक खुराक मिली थी, 180 को दो खुराक मिली थी, और 17 ने तीनों खुराक ली थीं। 2019 के महामारी-पूर्व डेटा की तुलना में 40 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों में जीवनशैली से संबंधित हृदय संबंधी जोखिम कारकों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। इस समूह में मधुमेह की घटना 13.9 प्रतिशत से बढ़कर 20.5 प्रतिशत हो गई, उच्च रक्तचाप 13.9 प्रतिशत से बढ़कर 17.6 प्रतिशत हो गया, और डिस्लिपिडेमिया (असामान्य कोलेस्ट्रॉल स्तर) का प्रचलन 34.8 प्रतिशत से बढ़कर 44.1 प्रतिशत हो गया। युवाओं में अचानक हृदय गति रुकने की घटनाओं में वृद्धि की बेहतर निगरानी और समाधान के लिए, समिति ने एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री और एक समर्पित हृदय निगरानी कार्यक्रम स्थापित करने की सिफारिश की। इसने इस आयु वर्ग में अस्पष्टीकृत मौतों के मामलों में पोस्टमार्टम-आधारित रिपोर्टिंग को अनिवार्य बनाने की भी सलाह दी। इसके अलावा, इसने प्रस्ताव दिया कि वंशानुगत हृदय संबंधी स्थितियों का जल्द पता लगाने में मदद के लिए स्कूलों में नियमित हृदय जांच शुरू की जाए।

समिति ने नागरिकों को जीवनशैली से संबंधित हृदय संबंधी जोखिमों के बारे में शिक्षित करने के लिए व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान शुरू करने का भी आग्रह किया। इसके अलावा, समिति ने जोखिम कारकों को कम करने के लिए 'सिक्स एस' रणनीति को बढ़ावा देने की वकालत की। शारीरिक गतिविधि में वृद्धि, धूम्रपान छोड़ना, स्क्रीन टाइम कम करना, चीनी और नमक का सेवन नियंत्रित करना, पर्याप्त नींद सुनिश्चित करना और तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना। समिति वर्तमान में निम्हांस से न्यूरोलॉजिकल मुद्दों पर एक अतिरिक्त रिपोर्ट की प्रतीक्षा कर रही है, जिसके बाद एक अंतिम व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया आज दिल्ली जाएंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मंगलवार को दिल्ली जाएंगे और मैसूरु में दशहरा के दौरान एयर शो के आयोजन के संबंध में रक्षा मंत्री से चर्चा करेंगे।

पिछले दशहरा के दौरान भी एयर शो आयोजित करने के प्रयास किए गए थे। लेकिन यह संभव नहीं हो पाया था। यह केवल हेलीकॉप्टर और पैराग्लाइडिंग प्रदर्शनों तक ही सीमित था। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने दशहरा के दौरान एयर शो आयोजित करने की महत्वाकांक्षा के साथ इस बार भी अपने प्रयास जारी रखे हैं। वे मंगलवार सुबह दिल्ली के लिए रवाना होंगे और शाम 4.30 बजे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर बातचीत करेंगे। इस महीने की 15 तारीख को बेंगलूरु में पिछड़े वर्ग के प्रमुख नेताओं का एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा और सिद्धरामैया इसके प्रस्तावना के रूप में हाईकमान के नेताओं से चर्चा कर सकते हैं। दिल्ली दौरे के दौरान वे एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर सकते हैं। राज्य में विधान परिषद की 4 सीटों पर नियुक्ति का प्रस्ताव सामने आया है। उम्मीद है कि इस संबंध में आलाकमान के नेताओं से बातचीत कर उन्हें राजी कर अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा सिद्धरामैया ने पिछड़ा वर्ग इकाई सम्मेलन में चर्चा किए जाने वाले मुद्दों और उसके निर्देशों पर आलाकमान के नेताओं से विचार-विमर्श करने और राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण हलचल पैदा करने वाले मुद्दे तय करने का निर्णय लिया है। सूत्रों ने बताया कि सिद्धरामैया अपने दिल्ली दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री से भी मुलाकात करने का प्रयास करेंगे।

दर्शन-रेणुकास्वामी मामले का समाज पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जाना चाहिए: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि मनोवैज्ञानिक या सामाजिक विशेषज्ञों को इस बात का अध्ययन करना चाहिए कि क्या चित्रदुर्ग में रेणुकास्वामी हत्याकांड ने समाज को भड़काया है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, नेलमंगला तालुक के सोलादेवनहल्ली के पास हुए हमले के मामले के बारे में मुझे ज्यादा जानकारी नहीं है। मुझे बताया गया है कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी मिलने के बाद मैं प्रतिक्रिया दूंगा। हमला करने वाले आरोपियों ने वीडियो में दावा किया है कि यह चित्रदुर्ग में रेणुकास्वामी हत्याकांड जैसा ही मामला है। मैं यह नहीं कह सकता कि रेणुकास्वामी हत्याकांड, जिसमें अभिनेता दर्शन आरोपी हैं, के उकसावे के कारण ऐसी अन्य घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक या मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों को इस बात का अध्ययन करना चाहिए कि क्या दर्शन मामले ने समाज के युवाओं को प्रभावित किया है।

उनका मानना है कि रंभापुरी स्वामीजी ने जो बयान दिया है कि डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने दिया जाना चाहिए, वह गलत है।

मुझे इस पर जवाब देने की जरूरत नहीं है। सिद्धरामैया राज्यसभा सदस्य के रूप में राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करेंगे या नहीं पता नहीं। मैं मल्लिकार्जुन खड़गे या शिवकुमार के कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनने के बारे में सवालों का जवाब नहीं दूंगा। मंत्रियों के बदलाव पर चर्चा करने के बजाय विकास पर चर्चा करनी चाहिए। बसवराज राय रेड्डी सहित जो भी बयान देगा, मुख्यमंत्री उसका संज्ञान लेंगे। हम उस मामले पर कुछ नहीं कहेंगे। हमने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को राज्य से बाहर भेजने के लिए कदम उठाए हैं। राज्य में विभिन्न देशों के 200 से अधिक नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बाहर निकालने के लिए एफआरआरओ के साथ समन्वय करके कार्रवाई की जाएगी। हम हर दिन जांच करते रहेंगे। यह एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि जो लोग अपने पासपोर्ट और प्रवेश परमिट वीजा की समाप्ति के बाद भी रह गए हैं, उनकी पहचान की जाएगी और उन्हें निर्वासित किया जाएगा। हम बांग्लादेशी प्रवासियों सहित किसी भी मुद्दे पर नरम रुख नहीं अपनाएंगे। कांग्रेस को घुसपैठियों से कोई फायदा नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने बांग्लादेशी अप्रवासियों को लाने और वोट पाने की दुर्दशा का भी सामना नहीं किया है। मैं कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला से मुलाकात पर टिप्पणी नहीं करूंगा। मुझे पिछले हफ्ते उनसे मिलने का समय दिया गया था। लेकिन उस समय मैं शहर में नहीं था। मैंने कहा था कि मैं अगले हफ्ते उनसे मिलूंगा। अब अगर मुझे मौका मिला तो मैं उनसे इस बारे में चर्चा करूंगा। मंत्री प्रियांक खड़गे का सुबह उनके घर जाना कोई खास बात नहीं है। उनका घर हमारे घर के पीछे वाली सड़क पर है। वह हर दिन आते रहते हैं। हम और उनका परिवार एक है। जब मल्लिकार्जुन खड़गे बेंगलूरु आते हैं, तो मैं उनसे बात करने जाता हूं और उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछता हूं। मेरे पिता उन्हें सबसे बड़ा बेटा कहते थे। वह मेरे लिए बड़े भाई भी हैं। हमारा रिश्ता अलग है। आप इसे नहीं समझते।

फिलहाल ग्रेटर बेंगलूरु में कोई नया क्षेत्र नहीं जोड़ा जाएगा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो बेंगलूरु के शहरी विकास मंत्री भी हैं, ने कहा कि बीबीएमपी को उसकी मौजूदा सीमाओं के भीतर ग्रेटर बेंगलूरु में विभाजित करने के लिए अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण की गठन समिति के अध्यक्ष रिजवान अरशद ने अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए डी.के. शिवकुमार ने कहा कि आने वाले दिनों में ग्रेटर बेंगलूरु में और क्षेत्र जोड़े जाएंगे। फिलहाल उन्होंने कहा कि बिना किसी नए क्षेत्र को जोड़े बीबीएमपी को ग्रेटर बेंगलूरु में समानांतर रूप से बनाया जाएगा और चुनाव कराए जाएंगे। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, जो तुमकुरु जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं, ने उनके साथ येत्तिनाहोले परियोजना पर चर्चा की है। उनकी मांग है कि परियोजना को उनके निर्वाचन क्षेत्र कोराटगेरे में लागू किया जाना चाहिए। यहां पानी का प्राकृतिक प्रवाह है। इसलिए, उन्हें विश्वास में लेना जरूरी है। उन्होंने जल भंडारण के लिए दो या तीन झीलों का सुझाव दिया है। वे 150 फीट गहरी हैं। वहां से लिफ्ट सिंचाई के जरिए पानी उठाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन सभी मुद्दों पर परमेश्वर के साथ चर्चा की गई है। वे मंगलवार को दिल्ली जा रहे हैं और तुमकुरु और हासन में येत्तिनाहोल परियोजना से संबंधित कार्यों के लिए वन विभाग की अनुमति के लिए केंद्रीय मंत्री से मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे इस बारे में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि इस समय पार्टी कार्यालय जाकर आलाकमान नेताओं से विचार-विमर्श करना परंपरा है। डीसीएम ने रंभापुरी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया कि शिवकुमार को सीएम बनना चाहिए।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

अगले वर्ष फिर मिलने के वादे के साथ श्री ब्यावर संघ युवा शाखा के एक्स्पो का समापन

लोगों ने जमकर खरीदारी की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा आयोजित एक्स्पो का अगले वर्ष फिर मिलने के वादे के साथ समापन हुआ। दो दिन के इस एक्स्पो में खरीदी के लिए करीब पन्द्रह हजार से अधिक लोगों की जबर्दस्त भीड़ उमड़ी।

युवा शाखा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि एक्स्पो के लिए बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलता है और महिलाओं को अपना व्यवसाय बढ़ाने हेतु एक उचित प्लेटफार्म भी प्राप्त होता है। समापन समारोह के दौरान देश के ख्याति प्राप्त सिंगर वैभव बागमार भी पधारें और उन्होंने खचाखच भरे एक्स्पो हॉल में समां बांध दिया।

एक्स्पो के विशेष अतिथियों में श्री नाकोडा जैन कॉन्फ्रेंस के सदस्यगण,

प्रवीण टुंकलिया, एंटी करप्शन ब्यूरो के राजेश मुणोत, मातृछाया ग्रुप के त्रिशला कोठारी एवं अनेक संघ संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ शहर की जनता उपस्थित थी और उन्होंने जमकर खरीद-ारी की।

वीवी पुरम के पुलिस अधिकारियों, रतनचंद श्रीश्रीमाल, भोजपुरी सेवा समिति के अध्यक्ष संजय सिंह, महामंत्री ललितेश्वर, जैन डेवलपमेंट फोरम के अध्यक्ष बाबूभाई मेहता और सभी उप-स्थित अतिथियों का युवा शाखा की ओर से अभिनन्दन बहुमान किया गया। द्वितीय दिवस के कार्यक्रम की शुरुआत ब्यावर संघ के चेयरमैन अरविन्द खिवेंसरा, अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष विकास खटोड़, महामंत्री कुलदीप छाजेड़, कोषाध्यक्ष नमित कोठारी, सहमंत्री नरेश बोहरा, सहकोषाध्यक्ष भरत कोठारी, एक्स्पो संयोजक प्रतीक गादिया, अरिहंत छाजेड़, सुनील भण्डारी, कुनाल मरलेचा के साथ टैक्निकल टीम के महावीर गुगलिया, भोजन समिति के अल्केश हिंगड़, मनीष बाफना, लकी बोहरा, कार्यकारिणी सदस्य हेमंत गुलेच्छा, विकास पारख, वर्धमान श्रीश्रीमाल, विनोद बाफना, यशवन्त रांका, अंजन मेहता, रोशन लोढ़ा, नितेश बोहरा, चेतन रैदासनी, सुशील बाफना, आशीष भंसाली, अमित डांगी, अमित कोठारी, अमित बोहरा, दिलीप हिंगड़, दिनेश खींचा, जितेंद्र खीं-वसरा, मनीष मेडतवाल, प्रवीण कक्कड़, तरुण बोथरा, रोहित बोहरा द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई। प्रसिद्ध मैजिशियन उदय कुमार द्वारा मैजिक शो, अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम और नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसमें बच्चों ने खूब मनोरंजन किया। साथ ही बिजनेस समिति का बहुमान भी युवा शाखा द्वारा किया गया। इस एक्स्पो में सवा सौ से अधिक स्टाल्स लगाई गई थी, जिसमें कपड़े, ज्वैलरी, डायमंड्स, इलैक्ट्रोनिक्स, कॉस्मेटिक्स, लेडीज आइटम्स, क्राकरी, रजत के सामान, आटोमोबाइल्स, खाने पीने के सामानों की जबर्दस्त बिक्री हुई, और साथ ही गेम्स भी खेले गए, सभी स्टाल धारकों का बहुमान युवा शाखा द्वारा किया गया।

सप्ताहांत के दौरान आयोजित इस एक्स्पो में परिवार के सदस्यों ने खूब एंजॉय किया। एक्स्पो में ब्यावर युवा लेडीज विंग के चन्द्रकला डाकलिया, जिया हिंगड़, कंचन छाजेड़, मोनिका कुमट, संगीता पारख, सीमा बोहरा ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया। एक्स्पो के मुख्य प्रायोजक वैभव ग्रुप के पंकज बालर, सह प्रायोजक कुशल्स फैशन ज्वैलरी के तनसुखराज गुलेच्छा, पैसोलाईट इलेक्ट्रिक कं के गणपतराज छाजेड़, मास्कॉट फैब्रिक्स के बाबूलाल गांधी और प्रति दो घंटे में गिफ्ट के प्रायोजक मयन डायमंड्स के रतन श्रीश्रीमाल हैं, जिसमें गोल्ड और डायमंड्स के लकी ड्रा प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन दो दिनों तक निरंतर एम सी बिन्दु मेहता ने किया।

राज्य के अंदरूनी जिलों में बारिश की कमी, बुवाई को झटका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण-पश्चिम मानसून तटीय और मलनाड क्षेत्रों में सक्रिय है, जिससे लगातार बारिश के कारण भारी वर्षा हो रही है। राज्य के अंतर्देशीय जिलों में बारिश की कमी की मार पड़ी है, जिससे मानसून की बुवाई का मौसम पिछड़ गया है।

खेती और बुआई के लिए जमीन तैयार करने के लिए बारिश की कमी के कारण किसानों को नमी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। मई में अच्छी बारिश से किसान उत्साहित थे। जून में सामान्य से कम बारिश हुई थी। जुलाई के पहले सप्ताह में भी बारिश की कमी जारी रही है। मानसून सीजन की बुवाई के मौसम में बारिश बंद हो गई है और बोई गई फसलें सूख रही हैं। अगर यही स्थिति बनी रही तो लगातार बारिश की कमी के कारण फिर से सूखे की आशंका मंडरा रही है। पिछले चार-पांच सप्ताह से राज्य के अंतर्देशीय क्षेत्रों के कई जिलों में शुष्क मौसम देखा जा रहा है। हालांकि छिटपुट मध्यम बारिश हुई है, लेकिन लगातार तेज हवाओं के कारण नमी भी कम हो गई है। ऐसे में किसान आसमान की ओर सिर उठाए हुए हैं। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार, तटीय और मलनाड जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई है। हालांकि, उत्तर और दक्षिण आंतरिक के कई जिलों में शुष्क मौसम जारी है और बारिश की कमी गंभीर है। दक्षिणी आंतरिक जिले बेंगलूरु सिटी, बेंगलूरु ग्रामीण, बेंगलूरु दक्षिण, कोलार, चिक्कबल्लापुर, तुमकुरु, चामराजनगर और मैसूरु में सामान्य से कम बारिश हुई है। इस क्षेत्र में 8.1 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 24 प्रतिशत कम है। इसी तरह, उत्तरी आंतरिक जिले बल्लारी, कोप्पल, विजयनगर, बीदर, गदग, हावेरी और धारवाड़ में भी कम बारिश हुई है। उत्तरी आंतरिक में 19.6 मिमी बारिश हुई। हालांकि, कुछ जिलों में भारी बारिश के कारण बारिश सामान्य से 11 प्रतिशत अधिक रही। राज्य के अधिकांश शेष जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई है।

पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत बेंगलूरु को 4,500 इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्र सरकार की पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत 4,500 इलेक्ट्रिक बसों के आवंटन से शहर को हरित सार्वजनिक परिवहन में उल्लेखनीय बढ़ावा मिलने वाला है। यह विकास केंद्र के स्वामित्व वाली कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड द्वारा जारी किए गए राष्ट्रव्यापी टेंडर के बाद हुआ है, जो भारी उद्योग मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार सकल लागत अनुबंध मॉडल के अंतर्गत आता है।

पिछले महीने जारी सीईएसएल टेंडर का उद्देश्य पांच प्रमुख शहरों में 10,900 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद, संचालन और रखरखाव करना है, जिसमें अकेले बेंगलूरु को सबसे बड़ा हिस्सा मिलने वाला है।

टेंडर में चार्जिंग स्टेशन और संबंधित सिविल कार्यों जैसे सहायक बुनियादी ढांचे के विकास को भी शामिल किया गया है। कर्नाटक सरकार ने मई में एक औपचारिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, जिसमें राज्य को केंद्र प्रायोजित योजना में शामिल करने की मांग की गई थी। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने व्यक्तिगत रूप से केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी से बेंगलूरु जैसे शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन में सुधार की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालने का आग्रह किया था। राज्य के अनुरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए कुमारस्वामी ने पहले आश्वासन दिया था कि कर्नाटक को निश्चित रूप से इस योजना के तहत बसें आवंटित की जाएंगी। 10,900 करोड़ के बजट परिव्यय के साथ पीएम ई-ड्राइव पहल का लक्ष्य अप्रैल 2024 और मार्च 2026 के बीच नौ प्रमुख भारतीय शहरों में 14,028 इलेक्ट्रिक बसें तैनात करना है। बस डिपो, चार्जिंग पॉइंट और रखरखाव सुविधाओं सहित आवश्यक बुनियादी ढाँचे के लिए योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए केंद्र और भाग लेने वाली राज्य सरकारों के बीच चर्चा चल रही है। सितंबर 2024 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इलेक्ट्रिक बसों की खरीद और शहरों और राजमार्गों पर 72,000 से अधिक चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना का समर्थन करने के लिए 10,900 करोड़ के कुल परिव्यय के साथ एक योजना को मंजूरी दी, जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ताओं के बीच रेंज चिंता को कम करना है। इस योजना के तहत दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, सूरत, बेंगलूरु, पुणे और हैदराबाद सहित 40 लाख से अधिक आबादी वाले नौ शहरों में राज्य परिवहन उपक्रमों द्वारा 14,028 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद के लिए कुल 4,391 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे।

सरकार ने हृदयाघात को अधिसूचित रोग घोषित करने का कदम उठाया: स्वास्थ्य मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि राज्य सरकार ने अचानक मौत का कारण बनने वाले हृदय रोग को अधिसूचित रोग घोषित किया है और सरकारी कर्मचारियों, अनुबंध कर्मचारियों और स्कूलों के लिए वार्षिक नियमित जांच करके हृदय संबंधी बीमारियों की रोकथाम के लिए कदम उठाए हैं। हृदय रोगों से होने वाली अचानक मौतों का अध्ययन करने के लिए गठित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात की। लोगों की जीवनशैली दिल के दौरे का कारण है। ऐसा कहीं नहीं पाया गया है कि कोविड वैक्सीन दिल के दौरे का कारण है। इस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अध्ययन हुआ है। लोगों को वैक्सीन से लाभ हुआ है। कई लोगों की जान

बच गई है। कोविड को नियंत्रित करने के लिए दी जाने वाली एमआरएनए वैक्सीन को लेकर कुछ शंकाएं हैं। लेकिन यह हमारे देश में नहीं दी गई है। मुख्यमंत्री ने आम लोगों के बीच शंकाओं के समाधान के लिए तकनीशियनों की एक समिति बनाई थी। उन्होंने कहा कि अध्ययन करने वाली समिति ने स्पष्ट किया है कि वैक्सीन के कारण दिल के दौरे नहीं होते हैं।

युवा लोगों में अचानक दिल के दौरे पड़ रहे हैं। चलते या व्यायाम करते समय अचानक मौतें हो रही हैं। विशेषज्ञ समिति ने कहा है कि इन पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार ने समिति की सिफारिशों के आधार पर कुछ निर्णय लिए हैं। अस्पताल के बाहर अचानक होने वाली मौतों को अधिसूचित बीमारी घोषित किया जा रहा है, तथा सरकार ने ऐसी मौतों को स्वास्थ्य विभाग के ध्यान में लाने तथा पोस्टमार्टम जांच के लिए अनिवार्य बनाने का निर्णय लेने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि सरकार यह निर्णय ले रही है। अधिक लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए स्क्रीनिंग का विस्तार किया जाएगा। 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों की वर्ष में कम से कम एक बार हृदय रोग के लिए जांच की जाएगी। जन्म से मौजूद स्वास्थ्य समस्याओं (जन्मजात बीमारियों) का पता लगाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। आरबीएस योजना के तहत कई प्रकार की जांच होती है, तथा हृदय से संबंधित जांच को लागू किया जाएगा। स्कूली पाठ्यक्रम में हृदयाघात तथा संक्रामक रोगों को शामिल करने के लिए कदम उठाए गए हैं। इसे अगले वर्ष से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हृदयाघात के मामले में प्राथमिक उपचार सीपी-आर के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए व्यापक उपाय किए जाएंगे। पुनीत राजकुमार हृदयज्योति योजना 86 अस्पतालों में लागू की जा रही है। इसे सभी तालुक स्तर के अस्प-तालों तक बढ़ाया जाएगा। तालुक स्तर पर ही ईसीजी और हृदय की जांच की जाएगी। पुनीत हृदयज्योति योजना के तहत सार्वजनिक स्थानों पर एईडी उपकरण लगाने के लिए कदम उठाए गए थे। हालांकि, तकनीशियनों की कमी के कारण तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसे स्थानों पर एईडी लगाने के लिए कदम उठाए जाएंगे, जहां विशिष्ट कर्मचारी हैं और आसपास के स्थानों को सेवाएं प्रदान करते हैं।

दक्षिण कन्नड़ के किसान कम निवेश पर अधिक लाभ के लिए पाम ऑयल की खेती अपना रहे

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ (डीके) के किसान अपनी पारंपरिक सुपारी की खेती से हटकर पूरक फसल के रूप में ताड़ के तेल की खेती की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। हाल के वर्षों में यह कदम काफी लोकप्रिय हो रहा है, क्योंकि इसमें अपेक्षाकृत कम निवेश पर अधिक लाभ मिलने का वादा किया गया है। मई के आसपास ताड़ के तेल के फलों की कटाई की जाती है, जिसके बाद किसान उन्हें इकट्ठा करके सुविधाजनक स्थानों पर संग्रहीत करते हैं और फिर उन्हें तेल निकालने के लिए सरकार द्वारा नामित कंपनियों को सौंप देते हैं। तटीय जिले में लंबे समय से चली आ रही इस प्रणाली ने अब किसानों के बीच फिर से दिल-चस्पी पैदा कर दी है। वर्तमान में, जिले के लगभग 200 किसान ताड़ के तेल की खेती में लगे हुए हैं, जो सालाना लगभग 2,000 टन उत्पादन करते हैं। ताड़ के तेल

के फलों का बाजार मूल्य लगभग 18 रुपये प्रति किलोग्राम है। हालांकि, केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में 10 प्रतिशत की कटौती के बाद कीमतों में थोड़ी गिरावट की उम्मीद है। फिर भी, किसान आशावादी बने हुए हैं और वे सुपारी के पेड़ों के साथ-साथ और अलग-अलग भूखंडों में ताड़ के तेल की खेती कर रहे हैं। फसल की न्यूनतम पूंजी आवश्यकता और कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद लगातार रिटर्न इसे एक आकर्षक विकल्प बनाते हैं।

बागवानी विभाग द्वारा नियुक्त ट्रिपल एफ कंपनी द्वारा काटे गए तेल ताड़ के फलों की खरीद की जाती है और उन्हें बागलकोट में तेल निष्कर्षण सुविधा में भेजा जाता है। वर्तमान में, जिला प्रतिदिन 2,000 टन तक की आपूर्ति कर सकता है। यदि यह दैनिक उत्पादन 5,000 टन तक पहुँच जाता है, तो जिले के भीतर ही एक स्थानीय तेल प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने की संभावना है। दक्षिण कन्नड़ के साथ-साथ शिवमोग्गा, उडुपी और चिक्कमगलूरु जिलों में भी तेल ताड़ की खेती की जाती है। किसानों को बेहतर ढंग से संगठित करने के लिए, एक समर्पित उत्पादक समाज की स्थापना की गई है। चूंकि घरेलू तेल ताड़ का उत्पादन राष्ट्रीय मांग से कम है, इसलिए भारत मलेशिया, इंडोनेशिया और अफ्रीका के कुछ हिस्सों जैसे देशों से आयात करना जारी रखता है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में पाम तेल की बहुत मांग है। यह बिस्कुट और चॉकलेट जैसे बेक्ड सामानों में एक प्रमुख घटक है। प्रसंस्करण के दौरान, ताड़ के फल से निकाले गए तेल का रंग शुरू में लाल होता है, जिसे बाद में रसायनों के न्यूनतम उपयोग वाली शोधन प्रक्रिया के माध्यम से पीला कर दिया जाता है। दक्षिण कन्नड़ के किसान अब अपनी कृषि पद्धतियों में ताड़ के तेल की खेती को एकीकृत करके एक टिकाऊ और लाभदायक भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय खाद्य उद्योग दोनों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले में गृहिणी से 3.16 करोड़ रुपये की ठगी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

साइबर अपराध के बढ़ते खतरे को रेखांकित करने वाली एक चौंकाने वाली घटना में, मेंगलूरु की एक गृहिणी डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले नामक एक परिष्कृत ऑनलाइन धोखाधड़ी योजना का शिकार हो गई, जिसके परिणामस्वरूप उसे 3.16 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। मेंगलूरु साइबर, आर्थिक और नारकोटिक्स (सीईएन) अपराध पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, पीड़िता को 5 जून को निशाना बनाया गया, जब उसे लगभग 10:25 बजे एक अज्ञात व्यक्ति से कॉल आया, जिसने राष्ट्रीय साइबर रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) से इंस्पेक्टर अनु शर्मा होने का दावा किया। प्रतीकात्मक छवि कॉल करने वाले ने उसे गलत जानकारी दी कि उसके पति के नाम पर एक नया सिम कार्ड

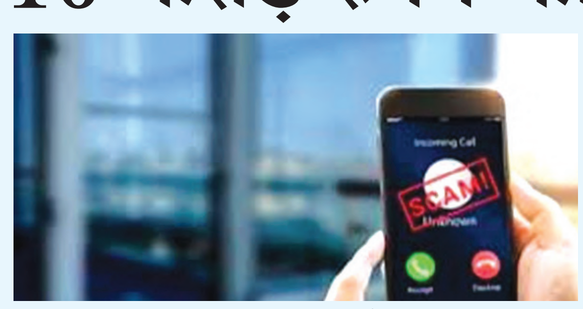

(नंबर 9867485463) सक्रिय किया गया है और कथित तौर पर धोखाधड़ी वाले कॉल करने और संदिग्ध लिंक साझा करने के लिए इसका दुरुपयोग किया जा रहा है। बाद में कॉल को दूसरे नकली व्यक्ति को ट्रांसफर कर दिया गया, इस बार उसने मुंबई के सहार पुलिस स्टेशन से सब-इंस्पेक्टर मोहन कुमार के रूप में खुद को पेश किया। इस बातचीत के दौरान जालसाज महिला से संवेदनशील व्यक्तिगत विवरण प्राप्त करने में सफल रहा। जब एक अन्य व्यक्ति, जो खुद को लोक अभियोजक दीपक वेंकट रमना बता रहा था, कॉल में शामिल हुआ, तो बातचीत और बढ़ गई। औपचारिक सत्यापन प्रक्रिया के बहाने, उसने शिकायतकर्ता और उसके पति दोनों के बैंक खाते के विवरण मांगे। खातों को 'सत्यापित' करने की आवश्यकता का दावा करते हुए, पीड़िता को घोटालेबाजों द्वारा प्रदान किए गए कई बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने का निर्देश दिया गया। उसे आश्वासन दिया गया कि सत्यापन के बाद पूरी राशि वापस कर दी जाएगी और उसे किसी को भी इस मामले का खुलासा न करने की सख्त चेतावनी दी गई। 10 से 27 जून के बीच, महिला ने कई आरटीजीएस लेनदेन किए, जिसमें व्यवस्थित रूप से उसके और उसके पति के बैंक खातों से कुल 3,16,52,142 रुपये धोखेबाजों द्वारा साझा किए गए खातों में स्थानांतरित किए गए। लेन-देन पूरा होने के बाद, धोखेबाजों ने अचानक सभी संचार बंद कर दिए और पीड़िता का नंबर ब्लॉक कर दिया। जब उसने अपने बच्चों को इस घटना के बारे में बताया, तब जाकर उसे स्थिति की गंभीरता का पता चला। जब महिला को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है, तो उसने तुरंत अधिकारियों से संपर्क किया। उसकी शिकायत के आधार पर, मेंगलूरु के सीईएन पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कश्मीर में पर्यटक फिर से आने लगे : गजेंद्र सिंह शेखावत

श्रीनगर 07 जुलाई (वार्ता)

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद जहां पर्यटकों के कश्मीर आने में कमी आयी थी, लेकिन अब फिर से पर्यटकों का आना शुरू हो गया है।

उन्होंने इसका श्रेय जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए सक्रिय कदमों को दिया।

श्री शेखावत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दो दिवसीय 'पर्यटन सचिवों' सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाग लेने के बाद श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा पहलगाम की घटना के बाद यहां पर्यटकों की संख्या में कमी आ गयी थी, यहां फिर से पर्यटक आने शुरू हो गये हैं। मेरा मानना है कि जिस तरह से राज्य सरकार ने इस पर काम करना शुरू किया है और केंद्र सरकार ने भी अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल, मंत्री भेजे हैं और अलग-अलग सम्मेलन आयोजित किए हैं। यह विश्वास निर्माण अभ्यास निश्चित

रूप से फलदायी होगा और निकट भविष्य में कश्मीर का पर्यटन अपनी पुरानी रंगत में लौटेगा।

यह सम्मेलन श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में आयोजित किया जा रहा है और इसमें पर्यटन क्षेत्र में सहयोगात्मक नीति-निर्माण और रणनीतिक योजना पर उच्च-स्तरीय विचार-विमर्श के लिए देश भर के पर्यटन सचिव और प्रमुख शामिल हो रहे हैं।

श्री शेखावत ने पिछले जून में घाटी की अपनी यात्रा को याद किया जिसके दौरान उन्होंने यह संदेश फैलाने के लिए व्यापक यात्रा की थी कि कश्मीर सुरक्षित है।

उन्होंने लोगों से हाल की घटनाओं को भूलकर पर्यटन क्षेत्र को पुनर्जीवित करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, आइए जो हुआ उसे भूल जाएं और आगे बढ़ें। आइए हम कश्मीर के पर्यटन को पुनर्जीवित करें और इसे आगे बढ़ाने का प्रयास करें क्योंकि यह पिछले तीन वर्षों से बढ़ रहा है।

श्रीनगर में दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित करने के उद्देश्यों पर, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य दो गुना है- पहला यह कि पहलगाम हमले के बाद कश्मीर सुरक्षित है।

उन्होंने कहा, पर्यटन विषयों से जुड़े देश भर के पर्यटन सचिवों को अपने-अपने राज्यों में जाकर संदेश देना चाहिए। ताकि हमारे घरेलू पर्यटन को एक आत्मविश्वासपूर्ण अभ्यास के रूप में वापस लेकर आगे बढ़ा जा सके। दूसरा, पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए नए विचारों को संयुक्त रूप से तलाशना चाहिये।

श्री शेखावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर राज्य में कम से कम 50 प्रतिष्ठित, वैश्विक मानक गंतव्यों को विकसित करने के दृष्टिकोण का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमें सामूहिक रूप से सोचना चाहिए, अनुभव साझा करने चाहिए और नए विचारों के साथ काम करना चाहिए।

वार्षिक अमरनाथ यात्रा के कारण राजमार्ग पर यात्रा करते समय पर्यटकों को होने वाली कठिनाइयों के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि पर्यटन और यात्रा दोनों वर्षों से एक साथ चल रहे हैं।

उन्होंने कहा, ये कई वर्षों से एक साथ चल रहे हैं और भविष्य में भी जारी रहेंगे। ऐसी चुनौतियों को कम करने के लिए सरकार ने राजमार्गों के विस्तार से लेकर नई रेलवे लाइनें बिछाने तक बुनियादी ढांचे को काफी उन्नत किया है। स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से नहीं

इस बार गर्मी से पिघल रहा हिमलिंग

जम्मू, 07 जुलाई (ब्यूरो)।

इस बार अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या ने नहीं बल्कि भीषण गर्मी ने हिमलिंग के अस्तित्व के लिए खतरा बढ़ा दिया है क्योंकि इससे हिमलिंग के वक्त से पहले गायब होने की आशंका है। कई सालों से ऐसा देखने को मिल चुका है कि अक्सर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से हिमलिंग समय से पहले भक्तों की सांसों के कारण लुप्त हो गए और अबकी बार गर्मी अपना दम दिखा रही है।

3 जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा में पांच दिनों में ही हिमलिंग के दर्शन् करने वालों का आंकड़ा पिछले साल के मुकाबले काफी कम है। लेकिन बढ़ते तापमान को हिमलिंग के लिए खतरे के तौर पर लिया जा रहा है। हालांकि इस साल हिमलिंग 22 फुट के बने थे जो भीषण गर्मी के कारण चौथाई रह चुके हैं। हालांकि साल 2018 में हिमलिंग की ऊंचाई 15 फीट थी। दो माह पहले हिमलिंग अपने पूरे आकार में था। यह करीब 20 से 22 फुट का था। अब इसकी ऊंचाई 4 से 5 फुट के बीच रह गई है। यह अब तेजी से पिघल रहा है। इस बार पूरी दुनिया में गर्मी ने जो कहर बरपाया, अमरनाथ यात्रा का प्रतीक हिमलिंग भी उससे अछूता नहीं रहा है।

हालांकि यह पहली बार नहीं है जब हिमलिंग तेजी से पिघल रहा हो। पिछले कई साल से यह देखने को मिल रहा है कि हिमलिंग यात्रा के आरंभ होने के कुछ ही दिनों के उपरांत पूरी तरह से पिघल रहा है। तब इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग के साथ-साथ उन लाखों भक्तों की सांसें भी जिम्मेदार होती थीं, जिसकी गर्मी से हिमलिंग पिघलता था। अमरनाथ ग्लेशियरों से घिरा है। ऐसे में ज्यादा लोगों के वहां पहुंचने से तापमान बढ़ता है। इससे ग्लेशियर जल्दी पिघलता है। साल 2016 में भी भक्तों की ज्यादा भीड़ के अमरनाथ पहुंचने से हिमलिंग तेजी से पिघल गया था। उस वर्ष यात्रा के महज 10 दिन में ही हिमलिंग पिघलकर डेढ़ फीट का रह गया था। तब तक महज 40 हजार भक्तों ने ही दर्शन किए थे।

साल 2016 में प्राकृतिक बर्फ से बनने वाला हिमलिंग 10 फीट का था। जो अमरनाथ यात्रा के शुरूआती सप्ताह में ही आधे से ज्यादा पिघल गया था। ऐसे में यात्रा के शेष 15 दिनों में दर्शन करने वाले श्रद्धालु हिमलिंग के साक्षात दर्शन नहीं कर सके थे। साल 2013 में भी अमरनाथ यात्रा के दौरान हिमलिंग की ऊंचाई कम थी। उस वर्ष हिमलिंग महज 14 फुट के थे। लगातार बढ़ते तापमान के चलते वे अमरनाथ यात्रा के पूरे होने से पहले ही अंतरध्यान हो गए थे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार साल 2013 में हिमलिंग के तेजी से पिघलने का कारण तापमान में वृद्धि था। उस वक्त पारा 34 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था।

साल 2018 में भी बाबा बर्फानी के तेजी से पिघलने का सिलसिला जारी था। 28 जून से शुरू हुई 60 दिवसीय इस यात्रा में एक महीने बीतने पर करीब दो लाख 30 हजार यात्रियों ने दर्शन किए थे। मगर इसके बाद दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का बाबा बर्फानी के साक्षात दर्शन नहीं हुए। बाबा दर्शन देने से पहले ही अंतरध्यान हो गए थे। इस बार भी भीषण गर्मी कहें या ग्लोबल वार्मिंग अपना रूप जरूर दिखा रही है।

इसरो प्रमुख को शुभांशु शुक्ला ने किया फोन

आईएसएस तक सुरक्षित यात्रा के लिए कहा- शुक्रिया

बंगलूरू, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री (गगनयात्री) शुभांशु शुक्ला, जो इस समय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद हैं, ने इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के अध्यक्ष वी. नारायणन को फोन कर अपनी अंतरिक्ष यात्रा के लिए उनके और पूरी इसरो टीम के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। बता दें कि, शुभांशु शुक्ला एक्सि-ओम-4 मिशन के तहत आईएसएस पहुंचे हैं।

इसरो ने बताया कि यह फोन कॉल 6 जुलाई की दोपहर को हुआ था। इस बातचीत में इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने शुभांशु शुक्ला का हालचाल पूछा और यह जानना

चाहा कि अंतरिक्ष स्टेशन पर कौन-कौन से वैज्ञानिक प्रयोग और गतिविधियां चल रही हैं। इसरो प्रमुख ने यह भी कहा कि पृथ्वी पर लौटने के बाद शुभांशु शुक्ला को सभी प्रयोगों और अनुभवों को विस्तार से दस्तावेज के रूप में तैयार करना चाहिए, ताकि भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकें।

इसरो ने बताया कि गगनयान मिशन का उद्देश्य भारत की यह क्षमता साबित करना है कि वह अपने दम पर इंसानों को लो-अर्थ ऑर्बिट (पृथ्वी की निचली कक्षा) में भेज सकता है। शुक्ला का यह मिशन इसरो और अमेरिकी कंपनी एक्सिओम स्पेस के सहयोग से संभव हुआ है।

इस फोन कॉल के दौरान इसरो के कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल रहे, जिसमें (1) डॉ. उन्नीकृष्णन नायर, विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (वीएसएससी) के निदेशक और मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की प्रोग्राम मैनेजमेंट काउंसिल के चेयरमैन; (2) एम. मोहन, लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (एलपीएससी) के निदेशक; (3) पद्मकुमार ई. एस., इसरो इनर्शियल सिस्टम यूनिट (आईआईएसयू) के निदेशक; (4) एम. गणेश पिल्लई, (5) इसरो के वैज्ञानिक सचिव और एलपीएससी के पूर्व निदेशक एन. वेदाचलम भी शामिल रहे।

इसरो प्रमुख वी. नारायणन से बातचीत के दौरान शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष स्टेशन पर चल रहे तमाम प्रयोगों की प्रगति की जानकारी भी साझा की और बताया कि वे किन वैज्ञानिक लक्ष्यों को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं और किन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

राहुल वीडियो मामले में दिल्ली में भी प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की सैनेटरी पैड वीडियो से जुड़े विवाद को लेकर यहां एक शिकायत दर्ज की गई है जिसे मिलाकर देशभर में इस मुद्दे में अब तक तीन शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं।

युवा कांग्रेस के अनुसार यह शिकायत संगठन के अध्यक्ष उदय भानु चिब, बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्ण अल्लावरु, लीगल सेल के चेयरमैन रूपेश सिंह भदौरिया के नेतृत्व में यहां मंदिर मार्ग पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है। युवा कांग्रेस लीगल सेल दिल्ली के अध्यक्ष विवेक पुनिया द्वारा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से एक समानांतर शिकायत भी प्रस्तुत की गई है।

कांग्रेस के युवा संगठन ने कहा है कि श्री गांधी को बदनाम करने और महिलाओं की गरिमा का उपहास करने के मकसद से फैलाए जा रहे इस वीडियो को प्रसारित किया जा रहा है। उनका कहना था कि वीडियो को समन्वित और दुर्भावनापूर्ण तरीके से फैलाया जा रहा है और कांग्रेस का हर संगठन डिजिटल अभियान का के जरिए हर स्तर पर इस कार्रवाई का कानूनी जवाब देगा।

इससे पहले रविवार को तेलंगाना तथा कर्नाटक में इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। एक प्राथमिकी तेलंगाना राज्य लीगल सेल अध्यक्ष अधिवक्ता जे. शिवा चरण रेड्डी और समन्वयक अधिवक्ता गुडूर निखिल रेड्डी के नेतृत्व में अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। कर्नाटक में, बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

युवा संगठन का कहना है कि 05 जुलाई को बिहार में सेनेटरी पैड वितरित करने के सामाजिक कल्याण अभियान से जुड़ी एक छेड़छाड़ वाली वीडियो (डॉक्टर्ड इमेज) और अश्लील वीडियो, जिसमें श्री गांधी को निशाना बनाया गया गया है।

बिहार वोटर लिस्ट रिवीजन पर ओवैसी ने उठाए सवाल

'तो नागरिकता भी चली जाएगी'

तेजस्वी यादव बोले- चुनाव आयोग है भ्रमित

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर सवाल खड़े हो गए। विपक्षी दलों से लेकर सामाजिक संस्थाएं भी सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने इस मामले में कोर्ट से तुरंत सुनवाई की अपील की थी। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 10 जुलाई की तारीख तय की। वहीं लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस वोटर लिस्ट रिवीजन को लेकर कहा कि नाम हटने से तो लोगों की नागरिकता भी चली जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने वोटर लिस्ट रिवीजन की प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई है लेकिन इस मामले में चुनाव आयोग को नोटिस भेज दिया है। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि इस मामले में चुनाव आयोग ने जो समय सीमा तय की है वो काफी कम है जिसके चलते लाखों लोग कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान वोटिंग की प्रक्रिया से वंचित हो जाएंगे। दूसरी ओर इस मामले में पूर्व डिप्टी सीएम और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है।

हैदराबाद से लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंच गए। चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात के बाद ओवैसी ने कहा कि अगर 15-20% लोगों के नाम सूची से छूट भी गए, तो वे अपनी नागरिकता भी खो देंगे। हम विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन समय दिया जाना चाहिए।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि अगर किसी का नाम हटा दिया जाएगा, तो वह व्यक्ति न केवल अपना वोट खो देगा, बल्कि यह उसकी आजीविका का भी मुद्दा है। हमारा एकमात्र मुद्दा यह है कि चुनाव आयोग इतने कम समय में इस तरह की कवायद को कैसे लागू कर सकता है? लोगों को इस समस्या का सामना करना पड़ेगा, और हमने व्यावहारिक कठिनाइयों को उजागर करते हुए इन मुद्दों को चुनाव आयोग के सामने रखा है। दूसरी ओर इसी मुद्दे पर बिहार विधानसभा में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा है कि 5 जुलाई को हमने भारत के चुनाव आयोग से मुलाकात की थी और उनके समक्ष अपने सवाल रखे थे। चिंता की बात यह है कि हमें अभी तक चुनाव आयोग से कोई स्पष्टता नहीं मिली है। आप सभी जानते हैं कि बिहार चुनाव आयोग केवल डाकघर के रूप में काम करता है और उसके पास जवाब देने का कोई अधिकार नहीं है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने तीन अलग-अलग निर्देश जारी किए। इससे साबित होता है कि चुनाव आयोग भ्रमित है। उन्होंने कहा कि हमारा गठबंधन भारत के चुनाव आयोग द्वारा जारी विरोधाभासी निर्देशों और विज्ञापनों पर गहरी चिंता व्यक्त करता है।

इस मुद्दे पर एआईएमआईएम के राज्य प्रमुख और विधायक अख्तरुल ईमान ने कहा कि हमने भारत के चुनाव आयोग से अनुरोध किया है कि इसकी तिथि बढ़ा दी जाए या रोक लगा दी जाए क्योंकि राज्य में कई लोगों के पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं हैं, कई प्रवासी मजदूर हैं और मानसून का मौसम भी है। राज्य में, केवल 2% आबादी के पास पासपोर्ट है और स्नातकों की संख्या 14% है। गरीब लोगों के पास कोई दस्तावेज नहीं है। बाढ़ के दौरान, कई लोगों ने अपने दस्तावेज और सामान खो दिए हैं। डर है कि लोग वोट नहीं कर पाएंगे।

हिंदू लड़कियों को मुसलमान बनाने वाले गिरोह की खुल रही पोल

जमालुद्दीन की करोड़ों की सम्पति में पार्टनर हैं सरकारी कर्मचारी

बलरामपुर, 07 जुलाई (ब्यूरो)।

राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और अवैध धर्मांतरण कराने के आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर का 18 सदस्यों का गैंग था। वहीं तहसील और न्यायालयों में पैठ भी बनाने में भी पीछे नहीं था। उतरौला तहसील कर्मियों से मिलीभगत कर एक तालाब को ही अपने नाम करवा लिया था। इसके साथ ही पुणे में 16 करोड़ की एक जमीन क्रय किया और उसका एग्रीमेंट कर कमाई की योजना बनाई। जिसमें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) के लिपिक की पत्नी को हिस्सेदार बनाया।

न्यायालय में पैठ होने के बाद धर्मांतरण में सहयोग न करने वाले या फिर किसी तरह का विरोध पर उनके खिलाफ एफआईआर का आदेश कराने में उसे आसानी हो गई थी। एटीएस की जांच में यह तथ्य उजागर हुआ कि न्यायालय में पैठ बनाने में छांगुर सफल हो गया था। बलरामपुर शहर से सटे बड़ा घुसाह गांव की संगीता देवी को पुणे के मावल तहसील के ग्राम कुनेनामा में क्रय की गई जमीन के कारोबार में हिस्सेदार बनाया। संगीता सीएजेएम न्यायालय के लिपिक राजेश उपाध्याय की पत्नी हैं। एटीएस की रिपोर्ट के मुताबिक एग्रीमेंट में जमीन के करोबार में संगीता को मुनाफे का अंश दिए जाने का उल्लेख है। वहीं न्यायालय के आदेश पर इस्लाम धर्म कबूल न करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराए जाने का मामला भी सामने आया है। एटीएस की मानें तो संचित और मालती देवी अनूसूचित वर्ग के हैं, उन्होंने इस्लाम धर्म कबूल नहीं किया तो छांगुर की गैंग ने दोनों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज करा दी गई। इस तरह छांगुर हर स्तर से पैठ गहरी करके संगठित तरीके से धर्मांतरण का गिरोह संचालित कर रहा था। अब एटीएस की कार्रवाई के बाद लोग भूमिगत हो गए हैं।

छांगुर के धर्मांतरण गिरोह में 18 सदस्यों के शामिल होने की रिपोर्ट है। एटीएस ने अपनी जांच में इसका जिक्र किया है कि छांगुर की गैंग में 18 सदस्य हैं, जिसमें अभी छांगुर समेत चार की ही गिरफ्तारी हो सकी है। माना जा रहा है कि 14 अन्य लोगों की तलाश हो रही है। एटीएस की टीम लगातार नजर बनाए है। देर सबेर अन्य 14 लोग भी एटीएस की गिरफ्त में होंगे। इसमें गोंडा, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, औरैया व पुणे आदि जिलों व प्रदेशों के लोग शामिल हैं। एटीएस की रिपोर्ट के मुताबिक देश की एकता और अखंडता को प्रभावित करने के लिए छांगुर लगातार अपनी गैंग का विस्तार कर रहा था। एटीएस की कार्रवाई के बाद उसके मंसूबों पर पानी फिर गया है।

जमालुद्दीन उर्फ छांगुर मूल रूप से गैड़ास बुजुर्ग के रेहरा माफी गांव का रहने वाला है। वर्तमान में उतरौला के मधपुर में आलीशान कोठी बनाकर रह रहा था। शनिवार को छांगुर और उसके करीबी नीतू उर्फ नसरीन की गिरफ्तारी के बाद लोग चर्चा कर रहे थे। लेकिन रविवार को कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं था। छांगुर की दहशत ऐसी है कि लोग उसके बारे में कुछ नहीं बोलना चाहते हैं। रेहरा माफी गांव के एक व्यक्ति ने इतना जरूर कहा कि जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा। छांगुर और नीतू की गिरफ्तारी के बाद निगरानी और बढ़ा दी गई है। क्षेत्र में पुलिस सतर्क है। हर स्तर से नजर रखी जा रही है।

अवैध धर्मांतरण कराने के आरोप में यूपी एटीएस द्वारा गिरफ्तार किए गए जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी करेगा। दरअसल, एटीएस को पुख्ता सुराग मिले हैं कि छांगुर बाबा ने अवैध धर्मांतरण के जरिये 100 करोड़ रुपये से अधिक रकम जुटाई है। इसका इस्तेमाल टेरर फंडिंग और अन्य जगहों पर अवैध धर्मांतरण में होने की आशंका के दृष्टिगत एटीएस छांगुर बाबा के बारे में विस्तृत रिपोर्ट बनाकर ईडी को देगा, ताकि उसके खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर मनी ट्रेल का पता लगाया जा सके।

एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि एटीएस की छानबीन में छांगुर बाबा और उसके गैंग के सदस्यों द्वारा 100 करोड़ रुपए से अधिक रकम जुटाने के सुबूत मिले हैं, जिसकी विस्तृत रिपोर्ट ईडी को भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि उसके गैंग के सदस्यों खुद एवं अलग-अलग संस्थाओं के नाम से 40 से भी ज्यादा बैंक खाते खुलवाए थे, जिनके जरिए कई संदिग्ध खातों में रकम ट्रांसफर की गई है।

इन खातों का संचालन कई दूसरे राज्यों में हो रहा है। वहीं दूसरी ओर उसके गैंग के सदस्य 40 बार इस्लामिक देशों में यात्रा पर गए थे, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि उनके तार अवैध धर्मांतरण को बढ़ावा देने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से भी जुड़े हैं। इसका पता लगाने के लिए उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। वहीं दूसरी ओर छांगुर बाबा को रिमांड पर लेने के दौरान एनआईए के अधिकारी भी उससे गहनता से पूछताछ करेंगे। दरअसल, छांगुर बाबा की गिरफ्तारी के बाद केंद्रीय जांच एजेंसियां भी सतर्क हो चुकी हैं और नेपाल सीमा पर चल रहे अवैध धर्मांतरण के इस रैकेट की जांच कर रही हैं। इस बाबत एनआईए के अधिकारी यूपी एटीएस के साथ समन्वय स्थापित कर रहे हैं।

पैरा बैडमिंटन में वैश्विक स्तर पर बढ़ा यूपी का मान

लखनऊ की दो बेटियों और कानपुर के बेटे ने देश को किया गौरवान्वित

लखनऊ, 07 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश की बेटियों ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में देश और प्रदेश का परचम लहराया है। लखनऊ स्थित डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय की छात्राएं स्वाति और कनक सिंह ने युगांडा पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट 2025 में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर यह साबित कर दिया है कि अवसर मिलने पर कोई भी शारीरिक सीमा प्रतिभा को नहीं रोक सकती। पैरा-बैडमिंटन में कानपुर के चंद्रप्रकाश ने भी रजत पदक जीत कर भारत का गौरव बढ़ाया। दिव्यांग सशक्तिकरण में यूपी के प्रयास वैश्विक मंचों पर भी अपना असर दिखा रहे हैं।

स्वाति ने महिला एकल एसयू-5 वर्ग में रजत, महिला युगल एसएल3-एसयू5 में स्वर्ण और मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक हासिल किया। वहीं कनक सिंह ने महिला एकल एसएल-4 और महिला युगल वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। 1 से 6 जुलाई तक युगांडा की राजधानी कंपाला में आयोजित इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक देशों के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने दोनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वाति और कनक की यह सफलता सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि योगी सरकार द्वारा तैयार किए गए दिव्यांगजन सशक्तिकरण मॉडल की सफलता है। बेटियों ने यह सिद्ध कर दिया कि अवसर, संसाधन और मार्गदर्शन मिलने पर कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती।

पैरा-बैडमिंटन चैंपियनशिप में कानपुर के चंद्रप्रकाश को एकल वर्ग के फाइनल मुकाबले में पेरू के खिलाड़ी गर्सन जायर वर्गास लोसौनौल से हार का सामना करना पड़ा। इससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत ने डबल चैंपियनशिप में कांस्य पदक पहले ही अपने नाम कर लिया था। पैरा-बैडमिंटन के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी चंद्रप्रकाश कानपुर के कस्बा भीतरगांव के निवासी हैं। अफ्रीकी देश युगांडा के कंपाला शहर में एक से छह जुलाई तक पैरा बैडमिंटन की अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप प्रतियोगिता हुई। इसमें एकल वर्ग के फाइनल में रविवार देर शाम टीवी पर चंद्रप्रकाश को खेलते देख भीतरगांव के लोगों की खुशी देखते ही बन रही थी। पेरू के खिलाड़ी गर्सन जायर वर्गास लोसौनौल ने चंद्रप्रकाश को फाइनल मुकाबले में 21-12 व 21-14 से पराजित कर स्वर्ण पदक पर कब्जा कर लिया। वहीं चंद्रप्रकाश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इसरो के अध्यक्ष एवं भारत सरकार में अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. बी नारायणन ने सोमवार को यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

केशव मौर्य की डिग्री को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

प्रयागराज, 07 जुलाई (ब्यूरो)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की डिग्री को चुनौती देने वाली क्रिमिनल रिवीजन याचिका खारिज कर दी है। यह याचिका अधिवक्ता दिवाकर नाथ त्रिपाठी ने दायर की थी। दिवाकर त्रिपाठी

ने केशव प्रसाद मौर्य की डिग्री को फर्जी बताते हुए क्रिमिनल रिवीजन दाखिल किया था, जिसे हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद 25 मई को ऑर्डर रिजर्व कर लिया था। सोमवार को क्रिमिनल रिवीजन याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी।

सरकारी स्कूल के बच्चों को दी जा रही अंतरिक्ष की जानकारी

एस्ट्रो प्रयोगशालाएं बच्चों के सपनों को दे रहीं नई उड़ान

लखनऊ, 07 जुलाई (ब्यूरो)। योगी सरकार ने प्रदेश के हर ब्लॉक के बच्चों को अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। योगी सरकार द्वारा प्रदेश में अंतरिक्ष वैज्ञानिक की पौध तैयार करने के लिए ब्लॉक स्तर पर सरकारी स्कूलों में एस्ट्रो लैब्स तैयार की जा रही हैं। सीएम योगी के निर्देश पर वर्तमान में प्रदेश के कई जिलों के ब्लॉक के सरकारी स्कूलों में पीपीपी मॉडल पर एस्ट्रो लैब बनकर तैयार भी हो गयी हैं, जहां बच्चे केवल किताबों से ही नहीं, बल्कि टेलीस्कोप, पीआर और माइक्रोस्कोप के जरिए अंतरिक्ष के रहस्यों से रूबरू हो रहे हैं। ऐसे में वह दिन दूर नहीं जब प्रदेश के हर बच्चा शुभांशु शुक्ला की तरह अंतरिक्ष की उड़ान भर सकेगा और अपने सपनों को पंख दे सकेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और तकनीक-समर्थ शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। सीएम योगी के इसी विजन को एस्ट्रो लैब्स साकार कर रही है, जहां ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र अंतरिक्ष, प्रकाश, गुरुत्वाकर्षण जैसे जटिल सिद्धांतों को लैब्स के जरिये समझ पा रहे हैं। योगी सरकार ने इस एस्ट्रो लैब्स को अमृत काल लर्निंग सेंटर्स का नाम दिया है। इसे पीप-ीपी मॉडल पर तैयार किया जा रहा है। सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश के कई ब्लॉक के सरकारी स्कूलों में एस्ट्रो लैब्स बनकर तैयार हो गई हैं। यहां पर बच्चों को डोबसोनियन टेलीस्कोप, पीआर हेडसेट, माइक्रोस्कोप और मानव शरीर रचना मॉडल जैसे अत्याधुनिक उपकरणों के जरिये उनके ज्ञान को बढ़ाया जा रहा है। इतना ही नहीं शिक्षकों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम, वीडियो गाइड और मेंटरशिप की व्यवस्था की गयी है ताकि वे बच्चों को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ सकें। बलिया के जिलाधिकारी मंगला प्रसाद ने बताया कि बलिया के सभी 17 ब्लॉकों में विज्ञान एवं खगोलशास्त्र प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

फीस माफ होने के साथ शुरू हो गई पंखुड़ी की पढ़ाई

पूरे परिवार ने सीएम योगी के प्रति आभार जताया

गोरखपुर, 07 जुलाई (ब्यूरो)। आर्थिक दिक्कतों से फीस न जमा कर पाने के चलते स्कूल जाने से वंचित महानगर के पुरदिलपुर निवासी पंखुड़ी त्रिपाठी की पढ़ाई सोमवार से निर्बाध शुरू हो गई। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री द्वारा पंखुड़ी की परेशानी का संज्ञान लिए जाने के बाद प्रशासन और शिक्षा विभाग ने स्कूल प्रबंधन से संपर्क कर पंखुड़ी की फीस माफ करवा दी। फीस माफ होने के साथ कक्षा सात में पढ़ने वाली इस बिटिया ने सोमवार को स्कूल जाकर क्लास अटेंड करना शुरू कर दिया है। पढ़ाई शुरू होने पर पंखुड़ी और उसके माता-पिता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति बारंबार आभार जताया है।

1 जुलाई को गोरखपुर प्रवास के दौरान गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दर्शन में पंखुड़ी त्रिपाठी भी पहुंची थी। पंखुड़ी सरस्वती शिशु मंदिर (इंग्लिश मीडियम) पक्की बाग में कक्षा सात में पढ़ती है। जनता दर्शन में उसने मुख्यमंत्री से कहा था, महाराज जी, मैं पढ़ना चाहती हूं, फीस माफ करवा दीजिए या फीस का इतंजाम करा दीजिए। उसने बताया था कि पिता राजीव त्रिपाठी को चोट लगने के बाद परिवार आर्थिक रूप से काफी कमजोर हो गया है। मां मीनाक्षी एक शॉप पर नौकरी कर रही हैं। उसके अलावा कक्षा 12 में पढ़ने वाला भाई भी है। पंखुड़ी ने बताया कि फीस न जमा कर पाने के कारण वह कक्षा सात में पढ़ाई करने नहीं जा पा रही है। उसकी समस्या सुनने के बाद सीएम योगी ने उसे भरोसा दिया था कि उसकी पढ़ाई नहीं रुकने पाएगी। वह खूब पढ़े, फीस माफ कराया जाएगा या फीस का इंतजाम कर दिया जाएगा। इसे लेकर उन्होंने अफसरों को निर्देशित भी किया था और पंखुड़ी की ख्वाहिश पर उसके साथ फोटो भी खिंचवाई थी।

मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में आए इस प्रकरण के संदर्भित होने के बाद प्रशासन और शिक्षा विभाग ने सरस्वती शिशु मंदिर पक्की बाग के प्रबंधन से संपर्क किया और पंखुड़ी त्रिपाठी की फीस माफ करवाई। साथ ही पंखुड़ी को बताया कि वह सोमवार से स्कूल जाए। पंखुड़ी आज स्कूल यूनिफॉर्म पहने स्कूल पहुंची और कक्षा सात वर्ग बी में उसकी पढ़ाई शुरू हो गई। पढ़ाई निर्बाध शुरू होने पर पंखुड़ी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा-थैंक्यू महाराज जी। उसने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री जी बहुत अच्छे हैं। उनकी मदद से ही उसकी पढ़ाई शुरू हो पाई है। पंखुड़ी के पिता राजीव त्रिपाठी और माता मीनाक्षी ने भी मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें महाराज जी पर पूरा भरोसा है और उनकी सहृदयता और संवेदनापूर्ण कार्यशैली से ही बिटिया की पढ़ाई संभव हुई है।

तिलोदकी गंगा के पुनरुद्धार से जागेगी आस्था

सीएम योगी की पहल का असर, फिर लगेगा अमावस्या का मेला

अयोध्या, 07 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में जनपद के विकास के विभिन्न क्रियाकलापों के अंतर्गत पौराणिक नदी तिलोदकी गंगा (त्रिलोचना) का पुनरुद्धार कार्य प्रगति पर है। लोक मान्यता के अनुसार, ऋषि रमणक की तपस्या से तिलोदकी गंगा का आविर्भाव हुआ था। इसका उद्गम स्थल एवं ऋषि रमणक की तपस्थली, सोहावल बाजार से लगभग 3 किमी दक्षिण, पंडितपुर गांव के समीप स्थित है, जिसे तिलोदकी गंगा का मूल उद्गम स्थल माना जाता है।

इसी क्रम में अयोध्या जिला प्रशासन द्वारा तिलोदकी गंगा के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से इस नदी के पुनरुद्धार का कार्य प्रारंभ कराया गया है। यह नदी जनपद के तीन विकास खंडों सोहावल, मसौधा एवं पूराबाजार तथा अयोध्या नगर निगम क्षेत्र से होकर प्रवाहित होती है और अंततः सरयू नदी में समाहित हो जाती है। नदी सोहावल विकासखंड की 5 ग्राम पंचायतों को अभिसिंचित करते हुए, मसौधा विकास खंड की 8 ग्राम पंचायतों से गुजरती है, फिर अयोध्या नगर निगम क्षेत्र में प्रवेश करती है और अंततः पूराबाजार विकासखंड की चार ग्राम पंचायतों से होते हुए सरयू में समाहित हो जाती है।

तिलोदकी गंगा का कुल विस्तार क्षेत्र 25 किलोमीटर है, जिसमें से 11 किमी क्षेत्र को सीमांकित कर कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इस प्रक्रिया में अब तक 43703 मानव दिवसों का सृजन हुआ है और लगभग 3100 परिवारों को आजीविका का साधन प्राप्त हुआ है। पुनरुद्धार के तहत नदी के तटों पर 10,000 से अधिक पौधों का रोपण भी

किया जा रहा है। धार्मिक दृष्टि से भी यह नदी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पंडितपुर और यज्ञवेदी पर भादो मास की अमावस्या को आज भी मेला लगता है, जिसे कुशोदपाटिनी अमावस्या भी कहा जाता है। कुछ वर्षों पूर्व तक यहां के घाटों पर श्रद्धालु स्नान, दान एवं पुण्य लाभ अर्जित करते थे, किंतु नदी के लुप्त हो जाने के कारण यह परंपरा बाधित हो गई थी। अब पुनरुद्धार के उपरांत ये सभी धार्मिक आयोजन व परंपराएं पुनः जीवित हो सकेंगी।

तिलोदकी गंगा के पुनरुद्धार के उपरांत नदी के प्रवाह क्षेत्र का भूजल स्तर बढ़ जाएगा, जिससे सिंचाई की सुविधा में सुधार होगा और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। इसके साथ ही, जलभराव की समस्या से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों को भी राहत मिलेगी। नदी के तटों पर पौधर-ोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। जनपद अयोध्या की प्राचीन धरोहरों के संरक्षण हेतु मियावाकी पद्धति से वैदिक वनों की स्थापना का कार्य भी शुरू हो चुका है।

इसके साथ ही जनपद की कुल 58 ग्राम पंचायतों में वैदिक वनों की स्थापना की जा रही है, जिनके माध्यम से लगभग 5 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। ये वन रामायण कालीन ऋषियो, जैसे वशिष्ठ, अगस्त्य, वाल्मीकि, अत्रि, श्रृंगी आदि एवं प्रख्यात विदुषियों जैसे गार्गी, मैत्रेयी, अरुंधती, सती शतरूपा और लोपामुद्रा के नाम पर नामित किए गए हैं। इन वनों में शीशम, अर्जुन, नीम, गहुआ, पीपल, पाकड़, बरगद, सहजन, पुत्रजीवा, नींबू, हरसिंगार आदि देशी प्रजातियों के पौधे रोपे जा रहे हैं।

मनरेगा योजना और राज्य वित्त के समन्वय से इन वैदिक वनों की स्थापना की जा रही है। योजना के तहत 2,50,000 मानव दिवसों का सृजन किया जाएगा, जिसमें से 35,000 मानव दिवसों का सृजन पहले ही किया जा चुका है। इससे अब तक 2000 परिवारों को रोजगार प्राप्त हो चुका है। तिलोदकी गंगा का पुनरुद्धार केवल एक नदी के प्रवाह को पुनः स्थापित करने का कार्य नहीं, बल्कि यह योगी सरकार के संस्कृति, प्रकृति और समृद्धि के समन्वय दृष्टिकोण का जीता-जागता प्रमाण है। यह परियोजना धार्मिक पुनरुत्थान, रोज-गार सृजन, जैव विविधता संरक्षण और हरित विकास का एक आदर्श।

948 विरासत वृक्षों को निरंतर संवार रही योगी सरकार

सौ साल से अधिक उम्र के 28 प्रजाति के वृक्ष विरासत श्रेणी में

लखनऊ, 07 जुलाई (ब्यूरो)। योगी सरकार विरासत वृक्ष अंगीकरण योजना के तहत सूबे के 948 विरासत वृक्षों को निरंतर संवार रही है। 100 वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजाति के वृक्षों को विरासत वृक्ष घोषित किया गया है। यह वृक्ष प्रदेश के सभी 75 जनपदों में हैं। योगी सरकार पेड़-पौधों के जरिए भी विरासत का सम्मान करने को प्रतिबद्ध है। काशी में सर्वाधिक 99, प्रयागराज में 53, हरदोई में 37, गाजीपुर में 35 और उन्नाव में विभिन्न प्रजातियों के 34 विरासत वृक्ष हैं। योगी सरकार विलुप्त हो रही वृक्ष प्रजातियों के संरक्षण व पौराणिक/ऐतिहासिक अवसरों, महत्वपूर्ण घटनाओं, अति विशिष्ट व्यक्तियों के स्मारकों, धार्मिक परम्पराओं और मान्यताओं से जुड़े हुए वृक्षों को संरक्षित कर जन सामान्य में इसके प्रति जागरूकता पैदा कर रही है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन द्वारा विरासत/ हेरिटेज वृक्षों के चयन और अभिलेखीकरण हेतु दिशा-निर्देश दिया गया है।

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड ने गैर वन क्षेत्र (सामुदायिक भूमि) पर अव-स्थित सौ वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजातियों को विरासत वृक्ष घोषित किया है। इनमें अरु, अर्जुन, आम, इमली, कैम, करील, कुसुम, खिरनी, शमी, गम्हार, गूलर, छितवन, चिलबिल, जामुन, नीम, एडनसोनिया, पाकड़, पीपल, पीलू, बरगद, महुआ, महोगनी, मैसूर बरगद, शीशम, साल, सेमल, हल्दू और तुमाल शामिल हैं। इसमें बरगद प्रजाति के 363 और पीपल प्रजाति के 422 वृक्ष हैं। विरासत वृक्ष में आध्यात्मिक और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े वृक्ष शामिल किए गए हैं। योगी सरकार यूपी के सभी 75 जिलों में विरासत वृक्षों को खोजकर इन्हें संरक्षित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। सीएम योगी के गृह जनपद गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर परिसर में हनुमान मंदिर, काली मंदिर के समीप और गौशाला के अंदर बरगद और पाकड़ वृक्षों सहित पूरे जनपद में 19 वृक्ष विरासत वृक्ष घोषित किए गए हैं। वहीं लखनऊ व वाराणसी के क्रमशः दशहरी आम व लंगड़ा आम के मातृ वृक्ष, फतेहपुर का बाचन इमली, मथुरा के इमलीतला मंदिर परिसर का इमली वृक्ष, प्रतापगढ़ का करील वृक्ष, बाराबंकी में स्थित एडनसोनिया वृक्ष, हापुड़ और संत कबीर नगर में अव-स्थित पाकड़ वृक्ष, सारनाथ का बोधिवृक्ष, बाबा झारखंड के नाम से प्रसिद्ध अंबेडकर नगर का पीपल वृक्ष एवं आर्डनेंस क्लॉथ फैक्ट्री शाहजहांपुर में स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा पीपल वृक्ष शामिल है।

विशिष्ट विरासत वृक्षों में चीनी यात्री हवेनसांग द्वारा उल्लिखित झूंसी (प्रयागराज) का एडनसोनिया वृक्ष, मथुरा के टेर कदंब मंदिर परिसर और निधि वन में अवस्थित पीलू वृक्ष, प्रयागराज के किले में अक्षयवट, उन्नाव जनपद में वाल्मीकि आश्रम, लव कुश जन्म स्थली व जानकी कुंड नाम से प्रसिद्ध स्थल पर अवस्थित बरगद वृक्ष एवं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े हुए एनबीआरआई लखनऊ एवं महामाया देवी मंदिर परिसर गाजियाबाद में अवस्थित बरगद वृक्ष शामिल हैं।

योगी सरकार विरासत के सम्मान के साथ विरासत वृक्षों की सुरक्षा के लिए आमजन का भी सहयोग लेगी। विरासत वृक्षों की सुरक्षा में प्रत्येक व्यक्ति का योगदान प्राप्त करने, विरासत वृक्षों को जन संवेदना एवं जन भावना से जोड़कर वृक्षों के प्रति स्नेह, सद्भाव और अपनत्व की भावना विकसित करने एवं क्षेत्र में ईको पर्यटन को प्रोत्साहन देकर क्षेत्र की जैव विविधता का संरक्षण, संवर्धन व जागरूकता व संवेदनशीलता विकसित करने का भी योगी सरकार प्रयास कर रही है। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में कुल 948 विरासत वृक्ष हैं। इनमें सर्वाधिक विरासत वृक्ष वाराणसी में हैं। यहां कुल 99 विरासत वृक्ष हैं। वहीं प्रयागराज में कुल 53 विरासत वृक्ष हैं। हरदोई में यह संख्या 37, गाजीपुर में 35, उन्नाव में 34, रायबरेली में 32 और झांसी में 30 है। फिरोजाबाद में 29, लखीमपुर खीरी में 27, बरेली व बहराइच में 26-26, लखनऊ में 25 व जौनपुर में 24 विरासत वृक्ष हैं। इनमें पीपल प्रजाति के 422, बरगद के 363 एवं पाकड़ के 57 विरासत वृक्ष शामिल हैं।

भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को घेरा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से आतंकवाद और उसके पोषक पाकिस्तान को लेकर भारत नयी रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत पहले भी यह प्रयास कर चुका है कि आतंकवाद को लेकर दुनिया के सभी देश व्यक्तिगत स्वार्थ त्यागें और आतंकवाद पर एक नीति का पालन करें। पहलगाम हमले के बाद से भारत ने एक बार फिर अपनी इस रणनीति को धरातल पर लाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। भारत वैश्विक मंचों से आतंकवाद को लेकर दुनिया को एक संदेश देने के प्रयास में जुट गया है। संयुक्त राष्ट्र और क्वाड के बाद भारत ने अब ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन में आतंकवाद पर कड़ा संदेश दिया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट कहा है कि "आतंकवाद के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता तथा आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए"। प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान में अमेरिका और चीन को भी अपरोक्ष रूप से संदेश देने का प्रयास किया गया है। वैश्विक पटल पर भारत ने बिना किसी देश का नाम लिए सबका बता दिया है कि अभी भी आतंकवाद को लेकर एक दृष्टि नहीं है। अपने राजनीतिक एवं व्यापारिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए वैश्विक ताकतें आतंकवाद के पोषक और आतंकवाद से पीड़ितों को एक तराजू पर रखने का बेहद ओछा प्रयास करती हैं। इसी तरह जब सबूतों के साथ आतंकवादियों एवं उनके संगठनों को प्रतिबंधित करने की माँग की जाती है तो कई ताकतें अपने अधिकारों का दुरुपयोग करे इसमें बाधा बनते हैं। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र में चीन की ओर से कई बार पाकिस्तान में रह रहे आतंकियों का बचाव करने का प्रयास किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा है कि आतंकवाद समूची मानवता के लिए खतरा है। इसलिए इसको लेकर सबको गंभीर हो जाना चाहिए। देखते हैं कि भारत की यह कोशिशें कितना रंग लाती हैं। फिलहाल तो आतंकवाद पर ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन से संयुक्त प्रस्ताव जारी करवाकर भारत ने कूटनीतिक विजय प्राप्त की है। ब्रिक्स समूह ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। इसके साथ ही, आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने का दृष्टिकोण अपनाने और इससे मुकाबला करने में दोहरे मापदंड त्यागने के भारत के रुख को दोहराया। ब्रिक्स देशों के शीर्ष नेताओं ने आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही सहित आतंकवाद से निपटने में अपने दृढ़ दृष्टिकोण को भी स्पष्ट किया। आतंकवाद का पोषण करने और उन्हें सुरक्षित शरण उपलब्ध कराने की प्रवृत्ति से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता को भी स्पष्टतौर पर जाहिर किया है। ब्रिक्स समूह का यह संयुक्त बयान भारत के नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण है। एक तरह से भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को एक बार फिर से बेनकाब कर दिया है। जिस तरह भारत लगातार वैश्विक पटल पर पाकिस्तान को घेर रहा है, उसके परिणाम निकट भविष्य में सामने आएंगे। आतंकवाद पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण एकदम स्पष्ट है कि मानवता के लिए खतरा बने आतंकवाद को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। आतंकवाद पर काबू पाना है तब भारत का दृष्टिकोण ही सर्वश्रेष्ठ और कारगर है।

भारत वैश्विक मंचों से आतंकवाद को लेकर दुनिया को एक संदेश देने के प्रयास में जुट गया है। संयुक्त राष्ट्र और क्वाड के बाद भारत ने अब ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन में आतंकवाद पर कड़ा संदेश दिया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट कहा है कि "आतंकवाद के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता तथा आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए"। प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान में अमेरिका और चीन को भी अपरोक्ष रूप से संदेश देने का प्रयास किया गया है। वैश्विक पटल पर भारत ने बिना किसी देश का नाम लिए सबका बता दिया है कि अभी भी आतंकवाद को लेकर एक दृष्टि नहीं है। अपने राजनीतिक एवं व्यापारिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए वैश्विक ताकतें आतंकवाद के पोषक और आतंकवाद से पीड़ितों को एक तराजू पर रखने का बेहद ओछा प्रयास करती हैं। इसी तरह जब सबूतों के साथ आतंकवादियों एवं उनके संगठनों को प्रतिबंधित करने की माँग की जाती है तो कई ताकतें अपने अधिकारों का दुरुपयोग करे इसमें बाधा बनते हैं। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र में चीन की ओर से कई बार पाकिस्तान में रह रहे आतंकियों का बचाव करने का प्रयास किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा है कि आतंकवाद समूची मानवता के लिए खतरा है। इसलिए इसको लेकर सबको गंभीर हो जाना चाहिए। देखते हैं कि भारत की यह कोशिशें कितना रंग लाती हैं।

हिन्दी-मराठी को लड़ाने की राजनीति

अपनी राजनीतिक जमीन को तलाशने के लिए नेता किस हद तक उतर आते हैं, यह देखना है तो महाराष्ट्र की राजनीति में चल रही हलचल पर नजर जमा लीजिए। मराठी अस्मिता के नाम पर हिन्दी का विरोध करते हुए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे दोनों 20 वर्ष बाद एक मंच पर आ गए हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव गुट) यह प्रयोग पहले भी कर चुकी है, उस समय भी हिन्दी भाषायी को परेशान करना और उनके साथ मारपीट करना, ठाकरे एंड कंपनी का धंधा हो गया था। लेकिन बाद में शिवसेना के शीर्ष नेताओं को समझ आया कि हिन्दी का विरोध करके उनकी राजनीति सिमट रही है क्योंकि महाराष्ट्र की जनता का स्वभाव इस प्रकार का नहीं है। कहना होगा कि हिन्दी के विस्तार में महाराष्ट्र की बड़ी भूमिका रही है। चाहे वह भारतीय फिल्म उद्योग हो, जिसने देश में ही नहीं अपितु दुनिया में हिन्दी का विस्तार किया या फिर साहित्य एवं राजनीतिक नेतृत्व रहा हो। महाराष्ट्र की जमीन ऐसी नहीं रही, जिसने भाषायी विवाद का पोषण किया हो। इस प्रकार की राजनीति के लिए वहाँ कतई जगह नहीं है। ठाकरे बंधु मराठी अस्मिता के नाम पर जितना अधिक हिन्दी भाषी बंधुओं को परेशान करेंगे, उतना ही अधिक वह और उनकी राजनीति अप्रासंगिक होती जाएगी। महाराष्ट्र की भूमि से छत्रपति शिवाजी महाराज जैसा नेतृत्व निकला है, जिसने समूचे राष्ट्र को एक करने कार्य किया। मराठी अस्मिता के नाम पर हिन्दी का विरोध करने वाले नासमझ नेता यह भूल जाते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने राज्य का नामकरण 'मराठी या मराठा साम्राज्य' नहीं किया अपितु उन्होंने उसे 'हिन्दवी स्वराज्य' जैसा संपूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व करनेवाला नाम दिया। मजेदार बात यह है कि हिन्दी का विरोध करने वाले ये नेता छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर भी अपनी राजनीति की दुकान चलाते हैं लेकिन ये भूल जाते हैं कि महाराज ने भारत की एकता-अखंडता के लिए अपना जीवन दिया। याद करें कि छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा किस भाषा में थी? उन्होंने उस समय देश को जोड़ने वाली संस्कृत भाषा में अपनी राजमुद्रा को तैयार कराया। महाराज ने भारत की भाषाओं को अपनाया और विदेशी भाषाओं (अरबी-फारसी) का विरोध किया, जो भारतीय भाषाओं को निकल रही थी। मजेदार तथ्य है कि भाषा के आधार पर अपनी राजनीति चमकानेवाले नेता तमिलनाडु से लेकर महाराष्ट्र तक हिन्दी का विरोध तो करते हैं लेकिन एक भी नेता अंग्रेजी का विरोध नहीं करता। जबकि भारतीय भाषाओं को वास्तविक खतरा अगर है तो वह अंग्रेजी से है। किंतु, ये नेता अंग्रेजी का विरोध नहीं करते। सच यह है कि भारतीय जनता पार्टी के नेता जब भारतीय भाषाओं की रक्षा के लिए अंग्रेजी के प्रभुत्व को चुनौती देते हैं, तब अंग्रेजी का समर्थन करने के लिए कई नेता खड़े हो जाते हैं। अभी हाल ही में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जब कहा कि एक समय आएगा जब अंग्रेजी में बोलने वालों को शर्म आएगी तब विपक्ष के प्रमुख नेताओं ने अंग्रेजी की जिस तरह वकालात की थी, उससे साफ दिखायी दिया कि अभी भी कुछ लोगों का दिमाग औपनिवेशकता का दास है। अंग्रेजी की गुलामी उन्हें पसंद है, अपनी भाषा नहीं। कोई कितना भी हिन्दी विरोध करे लेकिन सत्य यही है कि भारत में सबसे अधिक सहज संपर्क की कोई भाषा है, तो वह हिन्दी ही है। हिन्दी का यह स्थान अंग्रेजी इतने वर्षों में भी नहीं ले सकी है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के साथ गठबंधन में जाने से ठाकरे बंधुओं की राजनीतिक जमीन पूरी तरह खिसक गई है। हिन्दी विरोध की यह ओछी हरकतें महाराष्ट्र की राजनीति में कुछ स्थान बनाने का प्रयासभर है। उद्धव और राज ठाकरे ने अपने भाषणों में यह स्वीकार भी किया है कि वे मुम्बई नगर निगम और महाराष्ट्र की सत्ता को प्राप्त करना चाहते हैं। महाराष्ट्र सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि मराठी अस्मिता के नाम पर कानून को हाथ में लेकर यदि कोई हिन्दी बोलनेवालों को प्रताड़ति करता है, तब उनका ठीक प्रकार से इलाज हो। भारत में भाषा, जाति, पंथ इत्यादि के नाम पर किसी को प्रताड़ति करने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता।

मराठी अस्मिता के नाम पर हिन्दी का विरोध करते हुए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे दोनों 20 वर्ष बाद एक मंच पर आ गए हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव गुट) यह प्रयोग पहले भी कर चुकी है, उस समय भी हिन्दी भाषायी को परेशान करना और उनके साथ मारपीट करना, ठाकरे एंड कंपनी का धंधा हो गया था। लेकिन बाद में शिवसेना के शीर्ष नेताओं को समझ आया कि हिन्दी का विरोध करके उनकी राजनीति सिमट रही है क्योंकि महाराष्ट्र की जनता का स्वभाव इस प्रकार का नहीं है।

बिहार के मगध क्षेत्र से थे उद्धव और राज के परदादा कृष्णाजी ठाकरे

फिर कौन कौन मराठी और कौन पर-प्रांतीय?

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

भारत की सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है। इतिहास गवाह है कि विश्व में अलग-अलग देशों से लोग दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से भारत में पहुंचे और बसे और भारत में ही रच-बस गए। बहुत बार शक, हूण तथा इस्लामिक आक्रमणकारियों आदि की अन्य देशों से आई सेनाओं के सैनिक भी हमारे बीच बस गए और भारत का हिस्सा बन गए। कुछ विद्वानों का मानना है कि सक्सेना उपनाम वाले लोग शक या कुषाण वंश से जुड़े हो सकते हैं, जो प्राचीन काल में भारत में शासन करते थे। सक्सेना जाति कायस्थ समुदाय से जुड़ी हुई है, जो एक प्राचीन और प्रतिष्ठित समुदाय है। हालांकि इस संबंध में सभी इतिहासकार एक मत नहीं है। अगर इतिहास में जाकर झांकेंगे तो पता लगेगा कि जो आज किसी क्षेत्र के मूल निवासी माने जाते हैं अतीत में वे देश विदेश से, कहीं और से आकर वहां बसे थे। देश-विदेश से आकर किसी राज्य के मूल निवासी बनने वालों समुदायों की बड़ी संख्या है।

अगर भारतीय उपमहाद्वीप की बात करें तो कब, कौन, कहां से आकर कहां बसा यदि इस पर अनुसंधान किया जाए तो सूची बहुत लंबी हो जाएगी। जिन्हें हम जहां का मूल निवासी मानते हैं, पता लगेगा उनके पूर्वज तो कुछ पीढ़ी पहले या कई सौ साल पहले कहीं और से आकर वहां बसे थे। इस समय क्योंकि महाराष्ट्र में राजनीतिक ध्रुवीकरण के रूप में फिर से मराठीवाद या मराठी भाषा का मुद्दा उठा है तो चलो यह भी जान लेते हैं कि कौन मराठी और कौन परप्रांतीय? इस दृष्टि से यदि रामायण कल को देखें तो भगवान श्री राम के परम भक्त हनुमान जी का नाम सामने आता है।

अगर भारतीय उपमहाद्वीप की बात करें तो कब, कौन, कहां से आकर कहां बसा यदि इस पर अनुसंधान किया जाए तो सूची बहुत लंबी हो जाएगी। जिन्हें हम जहां का मूल निवासी मानते हैं, पता लगेगा उनके पूर्वज तो कुछ पीढ़ी पहले या कई सौ साल पहले कहीं और से आकर वहां बसे थे। इस समय क्योंकि महाराष्ट्र में राजनीतिक ध्रुवीकरण के रूप में फिर से मराठीवाद या मराठी भाषा का मुद्दा उठा है तो चलो यह भी जान लेते हैं कि कौन मराठी और कौन परप्रांतीय? इस दृष्टि से यदि रामायण कल को देखें तो भगवान श्री राम के परम भक्त हनुमान जी का नाम सामने आता है।

मान्यता के अनुसार राम भक्त हनुमान जी का जन्म स्थान है अंजनवेली/अंजनरी। यह स्थान महाराष्ट्र के नासिक जिले के त्र्यंबकेश्वर के पास स्थित है। यहां एक पहाड़ी क्षेत्र है जिसे अंजनेरी पर्वत कहा जाता है। मान्यता है कि यहीं माता अंजनी ने हनुमान जी को जन्म दिया था, इसलिए इसका नाम अंजनेरी पड़ा। तब तो सुग्रीव भी वहीं कहीं पर रहे होंगे, जिन्होंने सीता माता की खोज में और लंका विजय में भगवान श्री राम की मदद की। तब तो हिंदी-मराठी का कोई मुद्दा नहीं बना।

मध्य प्रदेश में ग्वालियर का सिंधिया घराना मूलतः महाराष्ट्र से है। यह वंश मराठा साम्राज्य से जुड़ा हुआ है। राणोजी एक मराठा सरदार थे, जो पेशवा बाजीराव प्रथम के अधीन कार्य करते थे। राणोजी सिंधिया को उत्तर भारत के मालवा और ग्वालियर क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई थी। यहीं से उन्होंने धीरे-धीरे ग्वालियर को अपना मुख्यालय बनाया और एक स्वतंत्र रियासत की नींव रखी। बाद में महादजी सिंधिया और दौलत राव सिंधिया जैसे शासकों ने ग्वालियर राज्य को एक शक्तिशाली मराठा रियासत में बदल दिया। लेकिन आज वे हिंदी भाषी है और उनकी पहचान मराठी के तौर पर नहीं होती।

मालवा, जो वर्तमान में मध्य प्रदेश में है उसकी शासिका अहिल्याबाई होल्कर होल्कर वंश की एक महान और न्यायप्रिय रानी थीं, जिन्होंने इंदौर को अपनी राजधानी बनाया और 18वीं शताब्दी में शासन किया। उनका जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौंडी नामक गांव में एक मराठा कुनबी परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम माणकोजी शिंदे था। अहिल्याबाई का विवाह खंडेराव होल्कर से हुआ, जो मालवा के होल्कर वंश के राजा मल्हारराव होल्कर के पुत्र थे। पति और पुत्र की मृत्यु के बाद अहिल्याबाई ने राज्य की बागडोर संभाली और काशी, गया, सोमनाथ, द्वारिका, बद्रीनाथ, रामेश्वरम के जीर्णोद्धार,पुनर्निर्माण और निर्माण आज भी मौजूद हैं। ये सब स्थान देश के अलग-अलग राज्यों में हैं। मुझे लगता है कि समाज को बांटने वाले महाराष्ट्र के नेताओं को महारानी अहिल्याबाई होल्कर से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है।

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत मूलतः मराठी हैं लेकिन दक्षिण भारत के लोगों से उन्हें जितना प्रेम नहीं मिला उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमें कभी नहीं पता था कि हरियाणा में भी मराठियों के वंशज रहते हैं। मुझे याद आता है कि पिछले वर्ष खबर आई थी कि महाराष्ट्र के कुछ लोग हरियाणा के गांव में अपने मराठी भाइयों से मिलने के लिए गए थे। पता लगा कि पानीपत के युद्ध में लड़ने आई सेना के कुछ सैनिक हरियाणा में ही रह गए थे। उनके वंशज आज भी यहां के समाज के साथ घुल-मिलकर रहते हैं। कहना न होगा कि शिक्षा, व्यापार-व्यवसाय आदि के चलते बड़ी संख्या में देश के विभिन्न भागों में बसे हैं और अनेक अब वहीं के होकर रह गए हैं।

इसके ठीक विपरीत भी कई बड़े उदाहरण हैं। इतिहासकारों का मानना है कि महाराष्ट्र और राष्ट्र-गौरव छत्रपति शिवाजी महाराज के पूर्वज राजस्थान के मेवाड़ या उदयपुर क्षेत्र से आए थे। वे राजपूतों की सिसोदिया शाखा के माने जाते हैं, हालांकि इस पर कुछ ऐतिहासिक बहस भी है। उनके पूर्वजों में एक प्रमुख व्यक्ति राजा भोज के वंशज माने जाने वाले बहिरजी (या बहादुरजी) थे, जो पहले देवगिरी आए। बाद में उनके वंशज महाराष्ट्र के पुणे क्षेत्र में बस गए। सबसे बढ़कर बात तो यह है कि जो अब मराठियों के और मराठी भाषा के ठेकेदार बने हुए हैं, खुद उनके पूर्वज भी तो मूलतः मराठी नहीं हैं। माना जाता है कि उद्धव और राज ठाकरे के परदादा कृष्णाजी ठाकरे मूल रूप से बिहार के मगध क्षेत्र से संबंध रखते थे। वे एक कायस्थ परिवार से थे, और बाद में काम-धंधे की तलाश में उत्तर भारत से मध्य प्रदेश और फिर महाराष्ट्र की ओर आए। इनके दादा केशव सीताराम ठाकरे, जिन्हें प्रबोधनकार ठाकरे के नाम से जाना जाता है। उनका जन्म 1903 में हुआ था। वे मुंबई में बस गए। उपलब्ध जानकारी के अनुसार ठाकरे परिवार 19वीं शताब्दी के अंत या 20वीं शताब्दी की शुरुआत में महाराष्ट्र आया। उन्होंने दक्षिण भारतीय ब्राह्मणों के वर्चस्व के विरोध में मराठी अस्मिता को लेकर आवाज़ उठाई थी, जो आगे चलकर बाल ठाकरे की राजनीति की नींव बनी। महाराष्ट्र में अनेक ऐसी जातियां वर्ग मिलेंगे जो की मराठी समाज का अभिन्न अंग है लेकिन थोड़ा पीछे जाएंगे तो पता लगेगा कि वे 100-200 वर्ष पूर्व कहीं और से आकर यहां आकर बसे थे।

सत्ता की राजनीति और देश प्रेम में सबसे बड़ा अंतर यह है कि देश प्रेम देशवासियों को जोड़ने की कोशिश करता है और सत्ता की राजनीति अपना वोट बैंक बनाने के लिए और वोटो का ध्रुवीकरण करने के लिए देशवासियों को बांटने की कोशिश करती हैं। इसके लिए जाति, क्षेत्र, भाषा और मजहब आदि उपकरणों का सहारा लिया जाता है। इसका एक बड़ा उदाहरण हम महाराष्ट्र में भी देख सकते हैं। यदि हम देश प्रेमियों की सूची देखें तो महाराष्ट्र के सभी स्वतंत्रता सेनानी, चाहे वे क्रांतिकारी विचारधारा के रहे हों या अहिंसावादी विचारधारा के, दोनों ने ही हिंदी को न केवल अपनाया बल्कि उसका प्रचार-प्रसार भी किया। इस मामले में महाराष्ट्र सदा अग्रणी रहा है।

सबसे पहले हम वीर विनायक दामोदर सावरकर की ही बात कर लेते हैं, जिन्होंने अपना सारा जीवन भारत के स्वतंत्रता संग्राम में झोंक दिया था। वीर विनायक दामोदर सावरकर ने सेलुलर जेल (काला पानी), अंडमान में कैद के दौरान कैदियों को हिंदी सिखाने का महत्वपूर्ण कार्य किया था। उन्होंने न केवल स्वराज के लिए लड़ाई लड़ी, बल्कि भारतीय भाषाओं, विशेष रूप से हिंदी के प्रचार में भी महान योगदान दिया। जेल में उन्हें कठोर यातनाएं दी गईं फिर भी उन्होंने आत्मबल को बनाए रखते हुए कैदियों को हिंदी सिखाने का कार्य किया। उनका उद्देश्य हिंदी भाषा को एकता का माध्यम बनाना था। सावरकर ने महसूस किया कि जेल में उत्तर भारत, दक्षिण भारत, बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र, तमिलनाडु आदि से आए कैदियों की भाषाएं अलग थीं। उन्होंने कहा कि यदि हम राष्ट्र बनना चाहते हैं, तो हमें एक ऐसी संपर्क भाषा चाहिए, और वह हिंदी हो सकती है। इसलिए उन्होंने देशभक्ति, समाज सुधार और इतिहास से जुड़े विषयों पर बातचीत और अध्ययन के लिए हिंदी को माध्यम बनाया। वे प्रतिदिन कुछ समय निकालकर कैदियों को हिंदी वर्णमाला, शब्द, वाक्य रचना आदि सिखाते थे। उन्होंने छिपकर जेल की दीवारों पर कोयले और पत्थरों से हिंदी और मराठी में कविताएं और लेख आदि भी लिखे।

सत्ता की राजनीति और देश प्रेम में सबसे बड़ा अंतर यह है कि देश प्रेम देशवासियों को जोड़ने की कोशिश करता है और सत्ता की राजनीति अपना वोट बैंक बनाने के लिए और वोटो का ध्रुवीकरण करने के लिए देशवासियों को बांटने की कोशिश करती हैं। इसके लिए जाति, क्षेत्र, भाषा और मजहब आदि उपकरणों का सहारा लिया जाता है।

सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और गणेश उत्सव का प्रारंभ करने वाले लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक हिंदी के प्रबल समर्थक थे। वे मुख्य रूप से मराठी और संस्कृत में लिखते थे, परंतु राष्ट्रीय एकता के लिए वे हिंदी को भारत की साझा भाषा मानते थे। उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के विचार का समर्थन किया। विनोबा भावे, गांधीजी के अनुयायी और भूदान आंदोलन के प्रवर्तक थे। उन्होंने हिंदी को जनभाषा माना और देशभर में अपने प्रवचनों में हिंदी का उपयोग किया। वे हिंदी, मराठी, संस्कृत, उर्दू, गुजराती आदि भाषाओं के भी विद्वान थे। उन्होंने गीता के प्रवचन हिंदी में भी दिए। महात्मा ज्योतिबा फुले, जो एक विख्यात समाज सुधारक थे। यद्यपि उन्होंने अपनी रचनाएं मुख्यतः मराठी में लिखीं, लेकिन हिंदी क्षेत्र के लोगों में भी उनकी शिक्षा और समानता की बातें प्रसिद्ध हुईं। उनके विचारों को हिंदी में अनुवादित कर प्रचारित किया गया। बाल ठाकरे के पिता प्रबोधनकार ठाकरे (केशव सीताराम ठाकरे) एक समाज सुधारक थे। उन्होंने उत्तर भारतीयों और मराठियों के बीच सामंजस्य का समर्थन किया और हिंदी भाषी समाज की ताकत को समझा और संवाद की आवश्यकता को स्वीकार किया।

साने गुरुजी (पांडुरंग सदाशिव साने) बहुत ही लोकप्रिय मराठी लेखक, शिक्षक और स्वतंत्रता सेनानी। उन्होंने शामची आई जैसी कालजयी रचना लिखी जिसे हिंदी में भी अनुदित किया गया जो बहुत लोकप्रिय हुई। वे हिंदी प्रचार सभा से भी जुड़े रहे और उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कोल्हापुर के राजा, राजर्षि शाहू जी महाराज ने शिक्षा और सामाजिक न्याय को बढ़ावा दिया। उन्होंने हिंदी को दलितों और पिछड़े वर्गों तक पहुंचाने में योगदान दिया, ताकि वे राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

हिंदी और मराठी का सैकड़ों वर्ष पुराना नाता है और दोनों की भाषा-संस्कृति आपस में मिली जुली है। अगर हम यह कहें कि हिंदीतर भाषी राज्यों में महाराष्ट्र हिंदी के सर्वाधिक अनुकूल है, तो यह अनुचित न होगा। इसी के चलते महाराष्ट्र में हिंदी के प्रचार-प्रसार की अनेक संस्थाएं कार्यरत हैं। यहां तक कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना किसी हिंदी भाषी राज्य में नहीं बल्कि महाराष्ट्र के वर्धा में की गई। महाराष्ट्र के गौरव शौर्य और इतिहास का हिंदी भाषी क्षेत्र से अटूट संबंध है, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी दोनों के बीच अतीत के गहरे संबंध हैं। इसे नफरत की राजनीति अलग नहीं किया जा सकता। ऐसा करना न केवल अपने इतिहास को नकारना है, बल्कि यह राष्ट्रहित और महाराष्ट्र हित के भी प्रतिकूल है। इसलिए यह आवश्यक है की राजनीति की अपनी दुकान चलाने के लिए कुछ नेताओं द्वारा समाज में क्षेत्र और भाषा के नाम पर अलगाव को नकारा जाए और राष्ट्र के साथ-साथ महाराष्ट्र को सशक्त किया जाए।

दृष्टि कोण

लिथियम की होड़ में भारत-चीन आमने-सामने, अर्जेंटीना बना रणनीतिक रणभूमि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा दोनों देशों के आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही साथ ही इस यात्रा का एक और बड़ा रणनीतिक असर होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में लैटिन अमेरिका और एशिया के देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते गहराते जा रहे हैं। अर्जेंटीना और चीन के संबंध इसी उभरते भू-राजनीतिक समीकरण का हिस्सा हैं। बीते एक दशक में अर्जेंटीना ने चीन के साथ अपने व्यापारिक, निवेश, और कूटनीतिक संबंधों को अत्यंत मजबूत किया है। यह संबंध न केवल क्षेत्रीय रणनीति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि भारत के लिए भी कई अवसर और चुनौतियाँ उत्पन्न कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि चीन अर्जेंटीना का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों ने कृषि, अवसंरचना, ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कई समझौते किए हैं। चीन अर्जेंटीना से बड़ी मात्रा में सोयाबीन, मांस और कृषि उत्पाद आयात करता है। साथ ही चीन ने अर्जेंटीना में जलविद्युत परियोजनाओं और परमाणु संयंत्रों में भारी निवेश किया है। यही नहीं, अर्जेंटीना वर्ष 2022 में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव BRI में शामिल हुआ, जिससे चीन की लैटिन अमेरिका में रणनीतिक उपस्थिति और गहराई। एक खास बात और है कि अर्जेंटीना "लिथियम ट्रायंगल" का हिस्सा है और चीन ने वहां की कई लिथियम परियोजनाओं में निवेश कर रखा है। चीन का अर्जेंटीना में गहराता प्रभाव भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से चिंता का विषय है, खासकर जब चीन की नीति Global South के देशों में कर्ज और निवेश के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की रही है। यहां यह भी काबिलेगौर है कि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण के लिए लिथियम पर निर्भर है। अर्जेंटीना में चीन की बढ़ती

हिस्सेदारी इस महत्वपूर्ण खनिज की वैश्विक आपूर्ति में भारत को पीछे धकेल सकती है। इसलिए भारत अर्जेंटीना के साथ अपने संबंधों को मजबूती देना चाहता है, लेकिन चीन की पहले से मौजूदगी भारत की कूटनीतिक पहुंच को सीमित कर सकती है। लेकिन भारत के ₹ग्लोबल साउथ₹ को जोड़ने की नीति अर्जेंटीना जैसे देशों में स्वीकार्यता पा रही है। देखा जाये तो भारत और चीन दोनों ही अर्जेंटीना को एक बड़ा कृषि, औद्योगिक और खनिज स्रोत मानते हैं। हालांकि चीन का आक्रामक निवेश मॉडल भारत के लिए प्रतिस्पर्धा को कठिन बना देता है, खासकर तब जब भारत सतर्क और स्थिर निवेश नीति पर चलता है। सवाल उठता है कि भारत की रणनीतिक दिशा क्या होनी चाहिए? इसका जवाब यह हो सकता है कि भारत को अर्जेंटीना सहित लैटिन अमेरिका के देशों में उच्च स्तरीय राजनीतिक और व्यापारिक संवाद को और गहरा करना होगा। साथ ही अर्जेंटीना में लिथियम जैसे संसाधनों के लिए भारत को चीन के समानांतर रणनीतिक साझेदारियाँ बनानी होंगी। इसके अलावा, 'सॉफ्ट पावर' के माध्यम से भारत अर्जेंटीना में अपनी पहचान मजबूत कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अर्जेंटीना दौरे में देखने को आया कि भारत जिन उद्देश्यों और लक्ष्यों को लेकर चल रहा है उसमें सही रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। वैसे भी हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के द्विपक्षीय संबंध ऐतिहासिक, कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से लगातार प्रगाढ़ हुए हैं।

प्रधानमंत्री ओली प्रतिनिधि सभा की बैठक को संबोधित करेंगे

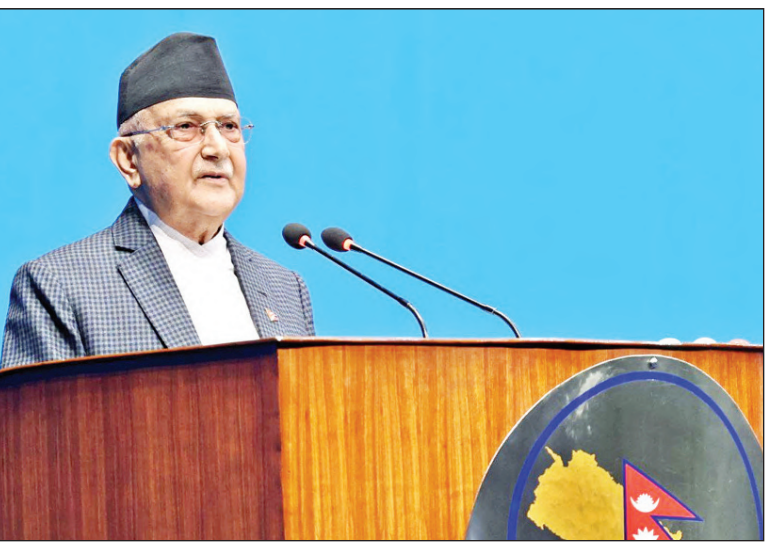

काठमांडू, 07 जुलाई (एजेंसियां) ।

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली द्वारा संसद की प्रतिनिधि सभा को संबोधित करने का कार्यक्रम शामिल है। ओली की सरकार से दो छोटे दलों के द्वारा समर्थन वापस लिए जाने के बाद वो प्रतिनिधि सभा की एक बैठक को संबोधित करने वाले हैं।

पिछले हफ्ते पहले उपेंद्र यादव के नेतृत्व में रही जनता समाजवादी पार्टी (जसपा) नेपाल और उसके बाद रंजिता श्रेष्ठ के नेतृत्व में रही नागरिक उन्मुक्ति पार्टी ने सरकार को दिए जा रहे समर्थन को वापस लेने का निर्णय किया था। जसपा नेपाल ओली सरकार को बाहर से समर्थन कर रही थी जबकि नागरिक उन्मुक्ति पार्टी सरकार में सहभागी थी और उसका एक राज्यमंत्री का प्रतिनिधत्व था। ओली सरकार पर असफल होने, गठबंधन धर्म का पालन नहीं करने, अपनी मनमानी चलाने, बजट में छोटे दलों की मांग को अनसुना किए जाने और सभी प्रमुख राजनीतिक और नीतिगत फैसले में इन दलों को सहभागी नहीं कराने का आरोप लगाते हुए इन पार्टियों ने अपना समर्थन वापस लिया है। दो दलों के द्वारा समर्थन वापसी के फैसले के बाद इस पर प्रधानमंत्री केपी ओली संसद में अपनी बात रखने वाले हैं। हालांकि उनकी पार्टी नेकपा एमाले की तरफ से इन दोनों दलों से वार्ता भी की जा रही है और उन्हें मानने का प्रयास जारी है। वैसे इन दोनों दलों के समर्थन वापस लेने के बाद भी सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है क्योंकि नेपाल कांग्रेस और एमाले को मिला कर ही सामान्य बहुमत से काफी अधिक है। 275 सांसदों वाले प्रतिनिधि सभा में बहुमत के लिए 138 सांसदों की आवश्यकता होती है। प्रतिनिधि सभा में पर्याप्त बहुमत होने के बावजूद ओली सरकार राष्ट्रीय सभा में अल्पमत में आ गई है जहां उसे अब सामान्य बहुमत भी नहीं है। इस समय प्रधानमंत्री ओली के पास नेपाली कांग्रेस के 88 और एमाले के 79 के अलावा अन्य छोटे दलों के 17 सांसदों यानि 184 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। यह संख्या प्रतिनिधि सभा के दो तिहाई सांसदों का समर्थन को दर्शाता है। समर्थन वापसी लेने वाले जसपा के पास 5 और नागरिक उन्मुक्ति के पास सिर्फ 4 सांसद मौजूद हैं। इन दो दलों की तरफ से सरकार से समर्थन वापसी का फैसला ऐसे समय आया जब प्रधानमंत्री ओली स्पेन की आधिकारिक यात्रा पर थे। संघीय संसद सचिवालय के अनुसार, प्रधानमंत्री ओली सरकार से समर्थन वापसी के बाद उपजी राजनीतिक परिस्थिति पर सांसदों को जानकारी देंगे।

न्यूज ब्रीफ

अब बिना निवेश यूएई में बस सकते हैं भारतीय, नया गोल्डन वीजा स्कीम लॉन्च

दुबई। अब भारतीय नागरिकों को यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) में रहने के लिए भारी निवेश करने की जरूरत नहीं होगी। दरअसल, यूनाइटेड अरब अमीरात ने नया गोल्डन वीजा स्कीम शुरू किया है, जिसके तहत एक बार की फीस (लगभग 23 लाख) भरकर लाइफटाइम रेजिडेंसी मिल सकती है। यह योजना फिलहाल भारत और बांग्लादेश में शुरू की गई है और पहले तीन महीनों में 5,000 से ज्यादा भारतीय आवेदकों की उम्मीद है। कंसल्टेंसी फर्म रयाद ग्रुप आवेदन प्रक्रिया संभालने की अगुवाई कर रहा है। आवेदन ऑनलाइन और कॉल सेंटर के जरिए भी किए जा सकते हैं।रयाद ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर रयाद कमाल अयूब ने कहा कि यह भारतीयों के लिए एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने बताया कि वीजा के लिए आवेदकों की पृष्ठभूमि, आपराधिक रिकॉर्ड और सोशल मीडिया की जांच होगी। इस स्कीम के तहत अब वीजा पाने के लिए वहां मोटा निवेश करने या कोई प्रॉपर्टी खरीदने की जरूरत नहीं होगी। अब तक गोल्डन वीजा पाने के लिए कम से कम लगभग 4.66 करोड़ रुपये के निवेश की शर्त थी। अब यह वीजा प्रोफेशनल बैकग्राउंड, सामाजिक योगदान या यूएई के सेक्टर जैसे कल्चर, ट्रेड, विज्ञान, स्टार्टअप या फाइनेंस में योगदान के आधार पर मिलेगा।

कॉर्पोरेट स्टाइल में राजनीति करेंगे मस्क, टेस्ला सीएफओ वैभव को सौंपी पार्टी के खजाने की चाबी

वॉशिंगटन। टेक्नोलॉजी और इनोवेशन की दुनिया में बड़ा नाम कमा चुके अरबपति एलन मस्क ने अब सियासत में बड़ी छलांग लगाई है। वे अमेरिका की राजनीति में भी उसी कॉरपोरेट सोच के साथ कदम रख रहे हैं। हाल ही में मस्क ने अमेरिका पार्टी नाम से एक नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा की, जिसका मकसद अमेरिका की दो-दलीय राजनीति को चुनौती देना है।इस पार्टी के एफईसी फॉर्म (रजिस्ट्रेशन दस्तावेज) में सबसे खास नाम सामने आया है भारतवंशी वैभव तनेजा का। इस वक्त तनेजा टेस्ला के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) हैं। उन्हें मस्क ने पार्टी का ट्रेजरार और कस्टोडियन ऑफ रिकॉर्ड नियुक्त किया है यानी पार्टी के खजाने की चाबी थमा दी है। यह कदम इस ओर इशारा करता है कि एलन मस्क पार्टी को कॉरपोरेट मैनेजमेंट के तरीके से चलाना चाहते हैं जहां पारदर्शिता, फाइनेंशियल डिसिप्लिन और प्रोफेशनल मैनेजमेंट को प्रायोरिटी दी जाती है। दुनियाभर में भारतवंशियों का डंका बज रहा है। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों में बड़े पदों की कमान भारतवंशी संभाल रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट वैभव तनेजा पर एलन मस्क लगातार भरोसा जता रहे हैं। पहले मस्क ने वैभव को अपनी कंपनी टेस्ला के सीएफओ की जिम्मेदारी सौंपी और अब अपनी पार्टी का ट्रेजरार और कस्टोडियन ऑफ रिकॉर्ड बनाया है।

अफगानिस्तान में पिता ने 6 साल की बेटी 45 साल के शख्स को बेच दी

काबुल। एक अधेड़ इंसान और एक छोटी लड़की की शादी होने की भयावह तस्वीर ने तालिबान को भी भयभीत कर दिया, जिसने इस शादी को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया। लड़की को उसके पिता ने पैसों के बदले एक ऐसे शख्स को बेच दिया, जिसकी पहले से ही दो पत्नियां हैं। अफगानिस्तान में एक छह साल की लड़की को कथित तौर पर पैसों के लिए 45 साल के शख्स से शादी करने के लिए मजबूर किया गया। यह शादी कथित तौर पर हेलमंद प्रांत में होनी था, लेकिन तालिबान ने हस्तक्षेप कर इसमें शामिल दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया गया। लेकिन उन्होंने उस व्यक्ति को लड़की के नौ साल का होने तक इंतजार करने पर मजबूर किया, तभी वह उसे घर ले जा सकेगा। संयुक्त राष्ट्र महिला आयोग ने पिछले साल बताया था कि तालिबान द्वारा 2021 में लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने के बाद अफगानिस्तान में बाल विवाह में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि देश भर में बच्चे पैदा करने में 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

टेक्सास बाढ़ में मरने वालों की संख्या पहुंची 70, ट्रंप ने घोषित की मेजर डिजास्टर, राहत कार्यों में जुटी फेमा

ह्यूस्टन, 07 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को टेक्सास में आई विनाशकारी बाढ़ को मेजर डिजास्टर घोषित कर दिया है। यह कदम स्टैफर्ड एक्ट के तहत लिया गया है, जिसके तहत संघीय सहायता प्रदान की जाती है।

ट्रंप ने टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट को एक पत्र लिखते हुए कहा, मैंने प्रभावित क्षेत्रों में संघीय राहत और पुनर्वास सहायता की स्वीकृति दी है। इसमें व्यक्तिगत और सार्वजनिक सहायता दोनों शामिल होंगी। ट्रंप ने राहत समन्वय की जिम्मेदारी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी की एजेंसी फेमा (फेमा) को सौंपी है।

टेक्सास के कैर काउंटी से सबसे ज्यादा नुकसान की खबरें आ रही हैं, जहां अब तक 59 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इसके अलावा आस-पास के इलाकों से 11 अन्य मौतों की सूचना है, जिससे कुल मृतकों की संख्या 70 हो गई है।

काउंटी के लेफ्टिनेंट गवर्नर डैन पैट्रिक ने बताया कि अब तक 38 वयस्क और 21 बच्चों की मृत्यु हो चुकी है, जिनमें से कई की पहचान नहीं हो सकी है। कैर काउंटी की कैंप मिस्टिक से लापता 27 लड़कियों में से 16 को सुरक्षित ढूंढ लिया गया है, लेकिन अब भी 11 छात्राएं और एक काउंसलर लापता हैं।

फेमा के अधिकारी और राष्ट्रीय गार्ड राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। हेलीकॉप्टर और बोट की मदद से फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। क्षेत्र में अभी भी जलस्तर ऊंचा है और कई सड़कें पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी हैं।

वहीं, होमलैंड सिक्योरिटी की सचिव क्रिस्टी नोएम ने एक्स पर एक पोस्ट में पुष्टि की कि ट्रम्प द्वारा एक बड़ी आपदा की घोषणा के बाद विभाग टेक्सास के प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं के लिए संघीय आपातकालीन प्रबंधन संसाधनों को तैनात कर रहा है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के तहत कई संघीय एजेंसियों ने टेक्सास में प्रयासों में मदद की, जिसमें तटरक्षक बल, सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा और एक विशिष्ट सीमा गश्ती विशेष प्रतिक्रिया इकाई शामिल थी।

खुफिया रिपोर्ट में खुलासा- राफेल को बदनाम कर खुद के फाइटर प्लेन बेचना चाहता है चीन

पेरिस। चीन की डर्टी पॉलिटिक्स का ही परिणाम हैं जिसके कारण उसे बहुत कम लोग पसंद करते हैं। आए दिन षडयंत्र और झूठा प्रचार करने में लगा रहता है। राफेल फाइटर प्लेन को लेकर भी उसने उसने बदनाम करने का षड़यंत्र रचा और भ्रामक प्रचार करना शुरु कर दिया। वो चाहता है कि फ्रांस का राफेल बदनाम हो और चीन के फाइटर प्लेन बिकने लगें। ऐसे चीनी मंशूबों का खुलासा फ्रांस की खुफिया रिपोर्ट में हुआ है। भारत और पाकिस्तान में 7 से 10 मई तक भीषण सैन्य संघर्ष देखने को मिला था। इस संघर्ष के बाद फ्रांस से भारत को मिले राफेल जेट के बारे में कई सवाल उठाए गए। खासतौर से ऐसी रिपोर्ट सामने आईं, जिनमें राफेल की क्षमता को कटघरे में खड़ा किया गया। फ्रांस के सैन्य और खुफिया अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि चीन ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य झड़प के बाद राफेल जेट को बदनाम करने के लिए विशेष अभियान चलाया था। चीन ने राफेल के खिलाफ दुष्प्रचार के लिए अपने दूतावासों का इस्तेमाल किया। ऐसा करने के पीछे उसका मकसद फ्रांस के लड़ाकू विमान की बिक्री कम करना था। रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांस की खुफिया सेवा ने बताया है कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन के दूतावासों में मौजूद डिफेंस अताशे ने राफेल की बिक्री को नुकसान पहुंचाने की पुरजोर कोशिश की। चीन के डिफेंस अताशे ने इंडोनेशिया जैसे देशों को राफेल नहीं खरीदने के लिए मनाने की कोशिश की, जिन्होंने इस विमान खरीद की डील की हुई है। चीन ने उन देशों को अपने विमान खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया, जिनकी राफेल के लिए फ्रांस से बात चल रही है। फ्रांस का कहना है कि राफेल विमान को निशाना बनाते हुए उसके रक्षा औद्योगिक और तकनीकी आधार की विश्वसनीयता को कम करने की कोशिश की गई। राफेल बनाने वाली फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन ने अभी तक 533 राफेल जेट बेचे हैं। इनमें से 323 जेट मिस्र, भारत, कतर, ग्रीस, क्रोएशिया, संयुक्त अरब अमीरात, सर्बिया और इंडोनेशिया को निर्यात किए गए हैं। फ्रांस का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक झड़प के बाद राफेल के खिलाफ गलत सूचनाओं का अभियान चलाया।

5 लाख का इनामी खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासिया अमेरिका में धरा गया

वाशिंगटन, 07 जुलाई (एजेंसियां) ।

खालिस्तानी आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया को अमेरिका के सैक्रामेंटो में गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। यह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। इसे भारत लाया जा रहा है। पंजाब पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने अमेरिकी अधिकारियों के साथ लगातार खुफिया जानकारी साझा कर उसकी गतिविधियों पर नजर रखी थी।

एनआईए ने चंडीगढ़ में सितंबर 2024 में हुए ग्रेनेड हमले के सिलसिले में उस पर 5 लाख रुपये का इनाम रखा था। यह हमला एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी के घर पर किया गया था।

हैप्पी पासिया की आतंकी गतिविधियों का सिलसिला लंबा है। हैप्पी पासिया को 17 अप्रैल को अमेरिका में एफबीआई और इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट की संयुक्त कार्रवाई में हिरासत में लिया गया था। वह अब दिल्ली हवाई अड्डे के रास्ते भारत लाया जा रहा है। हैप्पी पासिया पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के साथ मिलकर पंजाब में कई आतंकी वारदातों को अंजाम देने का आरोप है।

हैप्पी पासिया अमृतसर के पासिया गांव का रहने वाला है। उसने शुरू में जग्गू भगवानपुरिया गैंग के साथ काम किया और बाद में पाकिस्तान स्थित आतंकी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा के साथ जुड़ गया। दोनों ने मिलकर पंजाब में आतंक और उगाही का नेटवर्क खड़ा किया, जिसमें शराब ठेकेदारों, कारोबारियों और हिंदू नेताओं को निशाना बनाया गया। एनआईए ने उसके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत चार्जशीट दाखिल की है।

हैप्पी पासिया की गिरफ्तारी को पंजाब पुलिस ने आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है। अब भारत और अमेरिका के बीच प्रत्यर्पण प्रक्रिया तेजी से चल रही है। यह कदम भारत-अमेरिका आतंकवाद विरोधी सहयोग को और मजबूत करता है।

आठ साल का मासूम नहीं समझता इंसानी भाषा, भौंककर कहता है अपनी बात

थाईलैंड के उत्तरदित प्रांत में एक आठ साल का बच्चा कुत्तों के झुंड के साथ पलते-पलते इंसानों जैसी भाषा भूल गया है। यह बच्चा एक झोपड़ी में अपनी नशेड़ी मां और भाई के साथ रहता था। पुलिस और शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने जब छापा मारा तो बच्चे की हालत देखकर सब हैरान रह गए। वह भौंककर अपनी बात कहता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बच्चा कभी स्कूल नहीं गया। उसकी मां केवल तब स्कूल लेकर गई थी जब सरकार से फ्री एजुकेशन के तहत पैसा लेना था। पैसा मिलते ही मां ने बच्चे को गंदगी और तन्हाई में छोड़ दिया, जहां उसके पास खेलने और बात करने के लिए सिर्फ कुत्ते थे। समाज से पूरी तरह कट चुका बच्चा उन्हीं कुत्तों के बीच पला और धीरे-धीरे उनके जैसा व्यवहार करने लगा। बच्चे की मां भीख मांगती थी और अक्सर नशे में रहती थी। मोहल्ले वालों ने उसकी हरकतों से परेशान होकर अपने बच्चों को इस लड़के से मिलने और खेलने तक के लिए मना कर दिया।

नेपाल में डॉक्टरों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के कारण चिकित्सा सेवाएं बाधित

काठमांडू, 07 जुलाई (एजेंसियां) ।

नेपाल मेडिकल एसोसिएशन (एनएमए) द्वारा बुलाए गए राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के बाद आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर पूरे नेपाल में चिकित्सा सेवाएं बंद कर दी गई हैं।

यह विरोध उपभोक्ता अदालतों के हालिया फैसलों के जवाब में शुरू किया गया, जिसके बारे में डॉक्टरों का कहना है कि उन्होंने चिकित्सा नैतिकता और पेशेवर आचरण की देखरेख करने वाले वैधानिक नियामक निकाय नेपाल चिकित्सा परिषद (एनएमसी) के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण किया है। शुरू हुई देशव्यापी हड़ताल चिकित्सा समुदाय और न्यायपालिका के बीच हफ्तों से बढ़ते तनाव के चलते है। हाल के फैसलों में, उपभोक्ता अदालत ने चिकित्सा लापरवाही के मामलों में पर्याप्त मुआवजे का आदेश दिया, जिनमें काठमांडू के ओम अस्पताल को 50 लाख रुपये, हिमालय अस्पताल और इसमें कार्यरत डॉक्टरों को एक करोड़ 45 लाख रुपये जुर्माना लगाया था। इसी तरह ग्रांडी सिटी अस्पताल और उसके चिकित्सकों को रोगियों के संबंधित परिवारों को 57 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। उपभोक्ता अदालत ने डॉक्टरों और अस्पताल की लापरवाही से मरीजों की हुई मौत के बाद अस्पताल और डॉक्टरों पर भरी भरकम जुर्माना लगाने के विरोध में ही हड़ताल का आह्वान किया गया है। एनएमए के महासचिव ने बयान जारी कर कहा है कि सरकार ऐसा कानून लाए जिससे डॉक्टरों और अस्पताल को लेकर इस तरह का कोई भी फैसला लेने का अधिकार सिर्फ मेडिकल काउंसिल को ही दिया जाना चाहिए। एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि यदि उसकी मांगों को विधायी संशोधन के माध्यम से पूरा नहीं किया जाता है तो वह विरोध को और बढ़ा सकता है।

इजरायल ने यमन पर बोला हमला: 3 बंदरगाह उड़ा डाले, ऑपरेशन ब्लैक फ्लैग से बरपाया कहर

तेल अवीव, 07 जुलाई (एजेंसियां) ।

इजरायल-ईरान में शांति के बाद इजरायल ने अब यमन पर हमला बोला है। हूती विद्रोहियों को टार्गेट किया है। इससे मिडिल ईस्ट में तनाव फिर बढ़ गया है। इजरायल ने ऑपरेशन ब्लैक फ्लैग के जरिए यमन के पश्चिमी हिस्से में स्थित तीन प्रमुख बंदरगाहों पर अटैक किया। इजरायली वायुसेना ने हुदैदाह, रास ईसा और सैफ पर जोरदार हवाई हमला बोला। इससे पहले इजरायल ने ईरान के न्यूक्लियर साइट्स को निशाना बनाया था। हमले से पहले इजरायल ने इन इलाकों में नागरिकों को चेतावनी दी थी कि वे इलाका खाली कर दें और सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। उन्हें बताया गया था कि इजरायली वायुसेना कभी भी अटैक कर सकती है। चेतावनी के कुछ कुछ ही घंटे में हवाई हमले शुरू हो गए।

बता दें कि इजरायल हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से ही हूती विद्रोही लगातार इजरायल पर मिसाइलें दाग रहे हैं। इसके अलावा लाल सागर में वह इजरायल और पश्चिमी देशों से जुड़े जहाजों को भी निशाना बना रहे हैं। हूती विद्रोहियों को समर्थन ईरान से मिलता है। पिछले महीने भी इजराइली नेवी ने हुदैदाह में कई सैन्य ठिकानों को तबाह किया था। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने हमलों की पुष्टि की है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, हूती जो भी कार्रवाई करेंगे, उसकी कीमत उन्हें चुकानी पड़ेगी। यमन का हाल भी वही होगा जो ईरान का हुआ है। इजरायल के खिलाफ जो हाथ उठाएगा, वो हाथ काट दिया जाएगा। इजराइल डिफेंस फोर्स ने एक्स पर पोस्ट में हमले का कारण बताया। का दावा है कि हूती विद्रोही ईरान से हथियार मंगवाकर इजराइल और उसके सहयोगियों के खिलाफ आतंक की साजिश रच रहे थे। हमले में हूती नियंत्रित पावर स्टेशन 'रास कनातिब' को भी निशाना बनाया गया, जो इब्ब और ताइज शहरों को बिजली मुहैया कराता है। इजरायली वायुसेना ने खुफिया सूचना के आधार पर यमन के अल हुदायदाह, रास ईसा, सालिफ और रास कनातिब पावर प्लांट में हूती आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इन ठिकानों का इस्तेमाल ईरानी हथियारों के ट्रांसफर और ड्रोन व मिसाइल से इजरायली नागरिकों पर हमले के लिए किया जा रहा था। हमलों में 'गैलेक्सी लीडर' जहाज भी निशाना बना जिसे हूतियों ने 2023 में जब्त कर लिया था और अंतरराष्ट्रीय जहाजों की निगरानी के लिए इसमें रडार सिस्टम लगाया था। आईडीएफ ने कहा कि वह इस्राइली नागरिकों पर खतरे को रोकने के लिए जहां जरूरत होगी, कार्रवाई करता रहेगा।

हूती विद्रोहियों से जुड़े मीडिया ने हमले की पुष्टि की है। लेकिन उन्होंने सिर्फ हुदैदाह पोर्ट पर अटैक को माना है। इसके अलावा हमला से कितना नुकसान हुआ या हताहतों से जुड़ी जानकारी नहीं दी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हूती विद्रोहियों का दावा है कि इजरायली हमले के बाद उनके एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव हो गए और हमलों का जवाब मिसाइलों से दिया।

देश के प्रमुख 8 शहरों में कार्यालय पट्टा मांग होगी नौ करोड़ वर्गफुट के पार : सीएंडडब्ल्यू

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी कुशमैन एंड वेकफील्ड (सीएंडडब्ल्यू) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शीर्ष आठ शहरों में कार्यालय स्थलों की सकल पट्टा मांग वर्ष 2025 में नौ करोड़ वर्ग फुट को पार कर जाएगी।

पुणे, चेन्नई और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कार्यालय स्थल की मांग बढ़ी

कोविड-19 महामारी के बाद भी भारतीय कार्यालय बाजार में मजबूती का दौर जारी है और यह तेजी से वृद्धि कर रहा है। कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से जून 2025 के बीच इन आठ शहरों में कार्यालय पट्टा मांग 4.17 करोड़ वर्ग फुट रही, जो पिछले वर्ष इसी अवधि की तुलना में बढ़ी है। पुणे, चेन्नई और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कार्यालय स्थल की मांग में इजाफा देखने को मिला, जबकि मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता में थोड़ा कमी आई है। 2024 में इन शहरों में कुल पट्टा मांग 8.9 करोड़ वर्ग फुट थी। कुशमैन एंड वेकफील्ड ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2025 में यह आंकड़ा नौ करोड़ वर्ग फुट के पार हो जाएगा, जो भारतीय कार्यालय बाजार के लिए एक नया मील का पत्थर साबित होगा। कंपनी के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 'टेनेंट रिप्रेजेंटेशन' प्रभाग के एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि भारत का कार्यालय बाजार मजबूत आर्थिक विकास के कारण वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा (बीएफएसआई), और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जो कार्यालय स्थलों की मांग को बढ़ावा दे रही है।

न्यूज ब्रीफ

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने 261 मेगावाट नई अक्षय ऊर्जा क्षमता की शुरुआत की

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड ने सोमवार को 261 मेगावाट की नई अक्षय ऊर्जा क्षमता की सफल शुरुआत की घोषणा की। कंपनी ने अपने बयान में बताया कि इसमें 189 मेगावाट सौर ऊर्जा और 72 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। इस नई शुरूआत के साथ कंपनी की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता बढ़कर 12,760 मेगावाट हो गई है। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में कुल 1.9 गीगावाट की संचयी क्षमता में वृद्धि दर्ज की गई है। यह उपलब्धि कंपनी की हरित ऊर्जा की ओर तेज़ी से बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2029-30 तक अपनी कुल उत्पादन क्षमता को 30 गीगावाट तक पहुंचाना है। इसके साथ ही कंपनी 40 गीगावाट की ऊर्जा भंडारण क्षमता भी विकसित करने की योजना पर कार्य कर रही है। यह भंडारण क्षमता सौर और पवन जैसे अस्थिर ऊर्जा स्रोतों को स्थायित्व प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएगी। कंपनी ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के तहत 2050 तक पूरी तरह से कार्बन तटस्थता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य भी निर्धारित किया है।

प्रमोटरों ने बेचे 90 हजार करोड़ के शेयर, एयरटेल और इंडिगो समेत बड़ी कंपनियों में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। देश की प्रमुख कंपनियों जैसे एयरटेल और इंडिगो के प्रमोटरों ने हाल ही में लगभग 90 हजार करोड़ रुपये के शेयर बाजार में बेचे हैं, जिससे निवेशकों में असमंजस और बाजार में हलचल देखने को मिली है। यह बड़ी रकम प्रमोटरों द्वारा अपने शेयर बेचने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रमोटरों द्वारा इतने बड़े पैमाने पर शेयर बेचना कई तरह के मायने रखता है। कुछ मामलों में यह प्रमोटरों की नकदी जरूरत को दर्शाता है, तो कहीं यह निवेश डाइवर्सिफिकेशन का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, ऐसे कदम बाजार में निवेशकों की चिंता भी बढ़ा सकते हैं, क्योंकि प्रमोटर के शेयर बेचना कंपनी की स्थिरता पर सवाल खड़े कर सकता है। एयरटेल और इंडिगो जैसी कंपनियां देश की अग्रणी सेक्टर्स में हैं, इसलिए इन प्रमोटर गतिविधियों का बाजार पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि वे कंपनी के फंडामेंटल्स और प्रमोटर की रणनीति को ध्यान में रखते हुए निवेश निर्णय लें।

एफडी से ज्यादा रिटर्नः अडानी का नया एनसीडी इश्यू 9 जुलाई से खुलेगा

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने निवेशकों के लिए एक नया मौका पेश किया है। कंपनी ने 1,000 करोड़ रूपए तक जुटाने के उद्देश्य से सिक्योरड, लिस्टेड, रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) का दूसरा पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की घोषणा की है। यह इश्यू 9 जुलाई 2025 से खुलेगा और 22 जुलाई 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। यह एनसीडी इश्यू कुल 8 सीरीज में उपलब्ध है, जिसकी अवधि 24, 36 और 60 महीनों की होगी। निवेशकों को सालाना अधिकतम 9.30 फीसदी की यील्ड (ब्याज) का विकल्प मिलेगा, जो मौजूदा फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), विशेष रूप से एसबीआई जैसी बैंकों की एफडी दरों (6.5-7 फीसदी) से कहीं ज्यादा है। एइएल द्वारा यह रकम पुराने कर्ज चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाएगी। ब्याज भुगतान के विकल्पों में तिमाही, सालाना और संचयी भुगतान शामिल हैं, जिससे निवेशक अपनी सुविधा अनुसार विकल्प चुन सकते हैं। एनसीडी यानी कि निवेशक कंपनी को एक तय समय के लिए पैसा उधार देते हैं, जिसके बदले उन्हें निश्चित ब्याज और अवधि पूरी होने पर मूलधन वापस मिलता है। चूंकि ये नॉन-कन्वर्टिबल हैं, इन्हें शेयरों में बदला नहीं जा सकता। इससे पहले सितंबर 2024 में एईएल का पहला एनसीडी इश्यू आया था, जो पहले ही दिन पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया था।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में इंडिपेंडेंस डे की छुट्टी के कारण पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ था। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान कमजोरी बनी रही। एशियाई बाजार में भी आमतौर पर गिरावट का रुख बना हुआ है।

रेसिप्रोकल टैरिफ को लेकर ग्लोबल मार्केट में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ को लेकर दी गई डेडलाइन 9 जुलाई को खत्म होने वाली है। हालांकि टैरिफ को लेकर अमेरिका की दुनिया के कई देशों के साथ ट्रेड डील के लिए बातचीत चल रही है, लेकिन अभी तक कोई स्पष्ट स्थिति नजर नहीं आ रही है। इस कारण दुनिया भर के बाजारों में दबाव बना हुआ है। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 149.03 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 44,679.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार करने के बाद बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.29 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ 8,822.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,696.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 146.68 अंक यानी 0.62 प्रतिशत टूट कर 23,787.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। बाजारों में भी आमतौर पर गिरावट का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,023.09 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,057.22 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,493.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 175.18 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,635.70 अंक तक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 170.88 अंक यानी 0.76 प्रतिशत फिसल कर 22,376.62 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत टूट कर 1,113.94 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 104.85 अंक यानी 0.44 प्रतिशत लुढ़क कर 23,811.21 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,465.05 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,862.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

जून में वाहनों की खुदरा बिक्री में 5 फीसदी वृद्धि

नई दिल्ली। जून 2025 में भारत में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 4.84 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोटिव डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार इस महीने कुल वाहन पंजीकरण 20,03,873 इकाई रहा, जो पिछले साल जून में 19,11,354 इकाई था। यात्री वाहनों की बिक्री 2 फीसदी बढ़कर 2,97,722 इकाई हो गई, जबकि दोपहिया वाहनों की बिक्री में 5 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई और यह 14,46,387 इकाई पर पहुंच गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री 7 फीसदी बढ़कर 1,00,625 इकाई रही, और वाणिज्यिक वाहनों का पंजीकरण भी 7 फीसदी बढ़कर 73,367 इकाई हो गया। ट्रैक्टरों की बिक्री सबसे ज्यादा 9 फीसदी की वृद्धि के साथ 77,214 इकाई रही। दोपहिया और ट्रैक्टरों की मांग में तेजी एफएडीए के एक अधिकारी ने बताया कि भारी वर्षा और नगदी की कमी के कारण ग्राहकों की आमद प्रभावित हुई, लेकिन कुछ हद तक नई बुकिंग और प्रोत्साहन योजनाओं ने बिक्री को सहारा दिया। अप्रैल-जून तिमाही में कुल खुदरा बिक्री 5 फीसदी बढ़कर 65,42,586 इकाई हो गई। इसी अवधि में यात्री वाहनों की बिक्री 3 फीसदी, दोपहिया वाहनों की बिक्री 5 फीसदी, तिपहिया वाहनों की बिक्री 12 फीसदी और ट्रैक्टर बिक्री 6 फीसदी बढ़ी।

ट्रंप ने ब्रिक्स देशों पर अतिरिक्त 10 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अमेरिका विरोधी नीतियों का समर्थन करने वाले ब्रिक्स देशों को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका विरोधी नीतियों के साथ जुड़ने वाले देशों को 10 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ झेलना पड़ेगा।

ट्रंप के नए ऐलान के बाद वैश्विक व्यापार में और अनिश्चितता पैदा होने के संकेत हैं, क्योंकि अमेरिका भारत सहित अपने कई व्यापारिक साझेदारों के साथ टैरिफ पर वार्ता जारी रखे हुए है, जिसकी मियाद 9 जुलाई को खत्म हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह रुख ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स (एफएमसीबीजी) की बैठक के संयुक्त बयान के बाद सामने आया है, जिसमें टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों को बढ़ाने सहित व्यापार और वित्त से संबंधित कार्रवाइयों के एकतरफा थोपे जाने के खिलाफ आवाज उठाई गई है। इससे पहले 9 अप्रैल को ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ के कार्यान्वयन को 3 महीने के लिए रोक दिया था। यह अवधि 9 जुलाई को समाप्त हो रही है।

अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ को लेकर बातचीत में गतिरोध जारी है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा था कि भारत हमेशा मजबूत स्थिति के साथ बातचीत करता है, किसी तरह की समय-सीमा के दबाव में नहीं रहता है। अमेरिका की ओर से दुनिया के देशों के खिलाफ लगाए गए जवाबी टैरिफ की समय-सीमा 9 जुलाई को समाप्त हो रही है। दूसरी ओर बाजील में 17वां ब्रिक्स समिट जारी है।

ब्रिक्स समूह में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश हैं। इसके अलावे कई अन्य विकासशील देश पिछले कुछ वर्षों में ब्रिक्स में शामिल हैं, जो बढ़कर 10 हो गया है। ब्रिक्स समूह में दुनिया की लगभग आधी आबादी और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 40 फीसदी शामिल है। ब्रिक्स समूह के देशों के पास वैश्विक व्यापार और निवेश प्रवाह का लगभग एक चौथाई हिस्सा है।

स्मार्टवर्क्स का आईपीओ 10 जुलाई से खुलेगा

स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 387 से 407 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह इश्यू 10 जुलाई को खुलेगा और 14 जुलाई को बंद होगा, जबकि एंकर निवेशक 9 जुलाई को बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने अपने आईपीओ का आकार घटाकर अब कुल 583 करोड़ कर दिया है। इसमें से 445 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 33.79 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। प्राइस बैंड 387-407 रुपए तय पहले यह आकार 617.5 करोड़ था, जिसे बाजार की स्थितियों को देखते हुए घटाया गया है। स्मार्टवर्क्स एक प्रमुख सह-कार्यस्थल सेवा प्रदाता है, जो बेंगलुरु, मुंबई, गुरुग्राम, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहरों में काम कर रही है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी अपनी कार्यक्षमता विस्तार और कर्ज चुकाने जैसे उद्देश्यों को पूरा करना चाहती है।

एआई प्लस नोवा 5जी और एआई प्लस पल्स 5जी की लांचिंग आज

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय बाजार में अगले हफ्ते कई बड़े ब्रांड्स अपने स्मार्टफोन्स लॉन्च करने जा रहे हैं। जल्द ही हॉनर, वनप्लस, मोटो और इनफिनिक्स जैसे ब्रांड्स की डिवाइसेज खास फीचर्स के साथ आने वाली हैं। सबसे पहले हॉनर एक्स9सी 5जी की बात करें तो इसमें 108एमपी कैमरा और 6600एमएएच बैटरी होगी। इसकी अल्ट्रा-बाउंस एंटी-ड्रॉप टेक्नोलॉजी 2.0 इसे 2 मीटर की ऊंचाई से गिरने पर भी सुरक्षित रखेगी। फोन बेहद मजबूत होगा और 360 डिग्री वॉटर रेजिस्टेंट डिजाइन के साथ आएगा। 8 जुलाई को एआई प्लस नोवा 5जी और एआई प्लस पल्स 5जी भी भारत में दस्तक देंगे। दोनों फोन फलीपकार्ट पर उपलब्ध होंगे।

इनमें 50एमपी मेन रियर कैमरा, 5000एमएएच बैटरी और 1टीबी तक एक्सपेंडेबल स्टोरेज की सुविधा मिलेगी। ये पांच रंगों में पेश किए जाएंगे। वनप्लस भी 8 जुलाई को दो फोन लॉन्च करेगा नोर्ड सीई 5 और नोर्ड 5।

नोर्ड सीई 5 की बिक्री 12 जुलाई से अमेजन पर होगी। इसमें 7100 एमएएच बैटरी मिलेगी जो 2.5 दिन तक चलेगी। इसमें डाइमेंसिटी 8350 चिपसेट और 50एमपी ओआईएस कैमरा होगा। नोर्ड 5 की बिक्री 9 जुलाई से शुरू होगी। इसमें स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 चिपसेट, 7300एमएएच का वीसी कूलिंग चैंबर और 50एमपी सेल्फी कैमरा भी मिलेगा।

मोटो जी 96 5जी 9 जुलाई को फलीपकार्ट पर लॉन्च होगा। 11 जुलाई को इनफिनिक्स हॉट 60 5जी प्लस लॉन्च होगा। यह फलीपकार्ट पर मिलेगा और गेमिंग के लिए खास होगा।

इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7020 चिपसेट, 90एफपीएस गेमिंग सपोर्ट, 12जीबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 7.8एमएम स्लिम प्रोफाइल दी जाएगी। इसमें स्नैपड्रैगन 7 एस जेन 2 चिपसेट, 50 एमपी सोनी लिटिया कैमरा और 32 एमपी सेल्फी कैमरा होगा।

साइबर क्राइम की चपेट में निष्क्रिय जनधन खाते, आरबीआई उठाएगा सख्त कदम

- रिजर्व बैंक ने इन खातों का पता लगाने के लिए म्यूल हंटर नाम से एक पहल की
- बैंक निष्क्रिय खातों को बंद या अस्थायी रूप से फ्रीज़ करने की बना रहा है योजना
- खातों को पुनः सक्रिय करने के लिए केवाईसी प्रक्रिया जरूरी होगी

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खोले गए लाखों बैंक खाते, जो लंबे समय से निष्क्रिय पड़े हैं, अब साइबर अपराधियों के निशाने पर हैं। इन खातों का इस्तेमाल धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और फर्जी लेनदेन के लिए किया जा रहा है। इसे देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ऐसे निष्क्रिय खातों को बंद या अस्थायी रूप से फ्रीज़ करने की योजना बना रहा है। खातों को पुनः सक्रिय करने के लिए केवाईसी प्रक्रिया जरूरी होगी। आरबीआई का मानना है कि निष्क्रिय खातों पर निगरानी बढ़ाकर बैंकिंग प्रणाली को सुरक्षित किया जा सकता है। इससे पहले भी कई मामलों में पाया गया कि साइबर अपराधी इन खातों का दुरुपयोग कर रहे थे। खाताधारकों को सलाह दी गई है कि वे अपने खातों में समय-समय पर लेनदेन करें और बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें। निष्क्रिय जनधन खातों को तब माना जाता है जब खाते में लगातार 24 महीने तक कोई लेनदेन न हो। बैंक इन खातों को नए सिरे से सक्रिय करने के लिए री-केवाईसी प्रक्रिया अपनाने में जुटे हैं। यदि खाताधारक खाता सक्रिय रखना नहीं चाहता है तो बैंक खाते को बंद कर देते हैं। एक वरिष्ठ सरकारी बैंकर ने बताया कि अधिकांश निष्क्रिय खाते ग्रामीण इलाकों से हैं, जहां बैंकिंग गतिविधि कम होती है। जनधन खातों का दुरुपयोग बढ़ने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक ने 'म्यूल हंटर' नामक एक मॉडल विकसित किया है, जो म्यूल खातों की पहचान करता है। यह मॉडल साइबर अपराधियों द्वारा धोखाधड़ी के जरिये जमा की गई रकम को रखने वाले खातों को ट्रैक करता है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में डिजिटल भुगतान से जुड़े 13,516 धोखाधड़ी के मामले सामने आए, जिनमें से 56.5 प्रतिशत बैंकिंग से संबंधित थे।

कुल धोखाधड़ी की राशि 520 करोड़ रुपये के आसपास रही। भारतीय स्टेट बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) योजना के तहत अधिक खाते खुलवाने की गलत धारणा के कारण 2014-15 में बहुत से खाते खोले गए थे। अब जब डीबीटी प्रणाली स्थिर हो गई है, तो साफ हो गया है कि किन खातों को लाभ मिल रहा है और किन्हें नहीं। जिन खातों में लेनदेन नहीं होता, वे निष्क्रिय हो जाते हैं और धोखाधड़ी के लिए खतरा बन जाते हैं। हालांकि, बैंकों द्वारा खातों को बंद करने के फैसले से जटिलताएं भी उत्पन्न हो सकती हैं, खासकर उन लाभार्थियों के लिए जो खाते बंद होने से प्रभावित हो सकते हैं।

मनु भाकर के नेतृत्व में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने सोमवार को कजाखस्तान के शिमकेन्ट में 16 से 30 अगस्त तक होने वाली 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के लिए 35 सदस्यीय सीनियर भारतीय टीम की घोषणा कर दी है।

इस टीम की कप्तानी डबल ओलंपियन मनु भाकर करेंगी, जो दो व्यक्तिगत इवेंट में भाग लेने वाली एकमात्र भारतीय शूटर हैं।

मनु भाकर दो इवेंट्स में लेंगी हिस्सा

मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी। उनका चयन इस बार भी बताता है कि वह भारतीय शूटिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं।

स्वप्निल कुसेले और राही सरनोबत की वापसी

ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट स्वप्निल कुसेले और एशियन गेम्स की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता व ओलंपियन राही सरनोबत को निंगबो (चीन) में 7 से 15 सितंबर तक होने वाले इस्स्फ वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल किया गया है।

जूनियर टीमों की भी घोषणा

एनआरएआई ने सितंबर-अक्टूबर में भारत में होने वाले इस्स्फ जूनियर वर्ल्ड कप और साथ ही जूनियर एशियन चैंपियनशिप के लिए भी टीमें घोषित की हैं। दोनों 36 सदस्यीय जूनियर टीमों में एकमात्र बदलाव ओलंपियन राइज़ा ढिल्लों के रूप में आया है, जो दिल्ली वर्ल्ड कप की जूनियर वीमेन स्कीट टीम में शामिल हैं, जबकि मानसी रघुवंशी को जूनियर एशियन चैंपियनशिप टीम में जगह दी गई है। एनआरएआई की यह घोषणा आगामी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भारत की रणनीति और युवा प्रतिभाओं को मंच देने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

सीनियर टीम में अनुभवी और ओलंपियन शूटर शामिल

सीनियर टीम में कई अनुभवी और ओलंपियन शूटर भी शामिल हैं। इनमें पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रुद्रांक्श पाटिल (पुरुष 10 मीटर एयर राइफल), ओलंपियन अंजुम मौदगिल (महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, सौरभ चौधरी (पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल), और किनान चेनई (ट्रैप शूटिंग) शामिल हैं। इसके अलावा ईशा सिंह (25 मीटर पिस्टल), मेहुली घोष (एयर राइफल) और किरण अंकुश जाधव (एयर राइफल) जैसे नाम भी दोनों सीनियर स्क्वॉड्स का हिस्सा होंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

एशियन ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद का आशीष मलेशिया रवाना

मुरादाबाद। जिले के ताइक्वांडो खिलाड़ी आशीष सिंह का चयन बीते दिनों 6वीं कैडेट एशियन ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए भारतीय ताइक्वांडो टीम में हुआ था। यह प्रतियोगिता 24 से 29 जुलाई तक मलेशिया के कुचिंग शहर में आयोजित होगी। आशीष सिंह सोमवार का मलेशिया के लिए रवाना हुआ। इस दौरान जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव व कोच शाहवेज अली के साथ पदाधिकारी डॉ जी कुमार, डॉ विनोद कुमार, डॉ अजय शर्मा, डॉ गरिमा शर्मा, केशव थापा, सुमित शर्मा, शोभित भारद्वाज, अरविंद सिंह, संदीप कुमार, अर्जुन थापा आदि ने आशीष को रवाना होने के दौरान शुभकामनाएं दी। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव व कोच शाहवेज़ अली ने बताया कि आशीष सिंह ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। जिसके आधार पर 22 जून से 24 जून तक जालंधर कैंट में स्थित लवली प्रोविजनल यूनिवर्सिटी में 6वीं कैडेट एशियन ताइक्वांडो सिलेक्शन ट्रायल कराए गए। ट्रायल में स्वर्ण पदक विजेता को भारतीय टीम में चयनित किया गया। उन्होंने बताया कि आशीष सिंह पिछले पांच वर्षों से आरएसडी एकेडमी में संचालित साईं ताइक्वांडो एकेडमी में अभ्यास कर रहा है और मेरे नेतृत्व में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है।

विंबलडन 2025: कार्लोस अल्कराज़ क्वार्टरफाइनल में, रूबलेव को दी शिकस्त

लंदन। दूसरे वरीय स्पेनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज़ ने रविवार को सेंटर कोर्ट पर खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में रूस के आंद्रेई रूबलेव को एक कड़े मुकाबले में 6-7(5), 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर विंबलडन 2025 के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया।

वॉशिंगटन फ्रीडम ने एमआई न्यूयॉर्क को 6 विकेट से हराकर टॉप-2 में किया स्थान पक्का

लाडरहिल, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

वॉशिंगटन फ्रीडम ने एमआई न्यूयॉर्क के खिलाफ सोमवार (भारतीय समयानुसार) अपने आखिरी लीग मुकाबले में 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की और टॉप-2 में अपनी जगह पक्की कर ली। बारिश के कारण 18 ओवर प्रति पारी के इस मुकाबले में ग्लेन मैक्सवेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके और 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए।

बारिश के चलते टॉस में देरी हुई, जिसके बाद वॉशिंगटन ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। एमआई न्यूयॉर्क की शुरुआत बेहद खराब रही और कप्तान निकोलस पूरन व मोनांक पटेल पहले तीन ओवरों में ही पवेलियन लौट गए। हालांकि कुंवरजीत सिंह ने 33 रनों की संयमित पारी खेली, लेकिन मिडिल ऑर्डर पूरी तरह से लड़खड़ा गया। ग्लेन मैक्सवेल ने तजिंदर ढिल्लों और शरद लुंबा को लगातार गेंदों पर आउट कर पारी को झकझोर दिया। इसके बाद ग्लेन फिलिप्स ने भी दो विकेट लेकर एमआई न्यूयॉर्क की कमर तोड़ दी। टीम निर्धारित 18 ओवरों में 112/8 का ही स्कोर बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वॉशिंगटन फ्रीडम की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही और मिशेल ओवेन जल्दी आउट हो गए। लेकिन एंड्रिस गौस (नाबाद 46 रन, 34 गेंद) ने एक छोर संभाले रखा। बीच के ओवरों में मार्क चैपमैन ने 18 गेंदों में दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर रन गति को तेज किया। हालांकि चैपमैन और मैक्सवेल एक के बाद एक आउट हो गए, लेकिन गौस ने ग्लेन फिलिप्स के साथ मिलकर टीम को तीन ओवर पहले ही जीत दिला दी।

संक्षिप्त स्कोर:

एमआई न्यूयॉर्क: 112/8 (18 ओवर) (कुंवरजीत सिंह 33, ग्लेन मैक्सवेल 3/29)।

वॉशिंगटन फ्रीडम: 113/4 (15 ओवर) एंड्रिस गौस 46, ट्रिस्टन लूस 2/39) *।

नतीजा: वॉशिंगटन फ्रीडम ने 6 विकेट से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट में, 133 रन से हराया, टेस्ट सीरीज़ पर किया कब्जा

ग्रेनेडा। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन वेस्टइंडीज को 133 रन से हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज़ में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन की शुरुआत 221/7 के स्कोर से की और केवल 22 रन जोड़ते हुए 243 पर ऑलआउट हो गई। हालांकि यह बढ़त उनके गेंदबाज़ों के लिए पर्याप्त साबित हुई। दिन की शुरुआत वेस्टइंडीज के शमार जोसेफ के धमाकेदार गेंद से हुई, जिन्होंने पैट कमिंस को पवेलियन भेजा। इसके बाद एलेक्स कैरी को भी उन्होंने एलबीडब्ल्यू आउट किया। जोश हेज़लवुड को अल्ज़ारी जोसेफ ने बोल्ड कर ऑस्ट्रेलियाई पारी समाप्त की। वेस्टइंडीज को 277 रनों का लक्ष्य मिला, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई तेज़ गेंदबाज़ों के सामने उनकी पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। जोश हेज़लवुड ने महज़ आठ गेंदों में जॉन कैंपबेल को पगबाधा आउट कर वेस्टइंडीज को पहला झटका दिया। इसके बाद मिशेल स्टार्क ने कीसी कार्टर को कैरी के हाथों कैच कराया। ब्रैंडन किंग ने आते ही तीन चौके जड़े, लेकिन कप्तान क्रेग ब्रैथवेट को ब्यू वेबस्टर ने अपना शिकार बनाया। किंग भी ज्यादा देर नहीं टिक पाए और पैट कमिंस की गेंद पर उनकी गिल्लियां बिखर गईं। स्कोर जल्द ही 33/4 हो गया। दोपहर के बाद शाई होप और रोस्टन चेज़ ने कुछ संघर्ष दिखाया लेकिन हेज़लवुड ने होप को आउट कर साझेदारी तोड़ी। चार ओवर बाद चेज़ भी चलते बने और वेस्टइंडीज की हार तय हो गई। अंत में अल्ज़ारी जोसेफ, शमार जोसेफ और जेडन सील्स ने मिलकर छह छक्के जरूर लगाए लेकिन हार की मार्जिन को ज्यादा नहीं घटा सके। नाथन लायन ने इन तीनों को आउट कर वेस्टइंडीज की पारी को महज 143 रन पर समेट दिया। मेजबान टीम की दूसरी पारी सिर्फ 35 ओवर में सिमट गई।

अरब देश बहरीन में झांसी की नन्ही जलपरी जिया यादव भारत की ओर से दिखाएगी दमखम

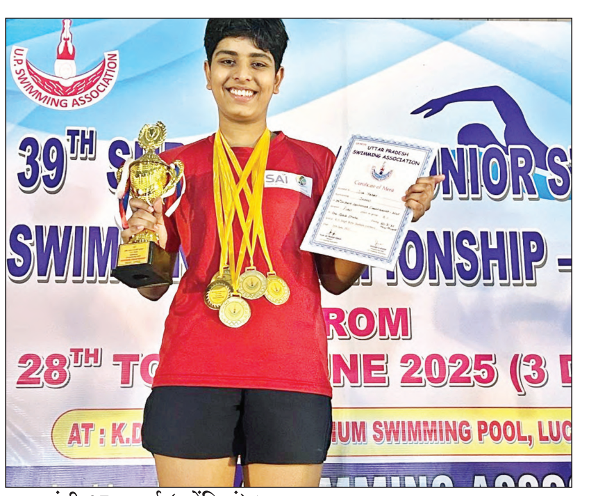

झांसी, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की वीर भूमि झांसी के किसान की नन्ही जलपरी बेटी जिया यादव का चयन भारतीय यूथ स्विमिंग टीम में किया गया है। बहरीन में 23 से 27 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली एशियन यूथ गेम्स में जिया ग्रुप ए कैटिगरी (15 से 17) वर्ष आयु वर्ग की 50 मी. एवं 100 मी. बैक स्ट्रोक स्पर्धा में अपना दम दिखाएंगी। जिया यादव ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दमदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह बनाई है। गत वर्षों में सब जूनियर एवं जूनियर वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कई स्वर्ण पदक की जीत कर भारतीय टीम में जगह बनाने में कामयाब हो सकी।

बेक स्ट्रोक में महारथ रखने वाली जिया यादव ने खेल विश्लेषक बृजेंद्र यादव से बातचीत में बताया कि वह माध्यम वर्गीय परिवार से आती हैं, उनके पिता विजय यादव हंसारी में दुग्ध डेरी का व्यवसाय कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। जिया ने बताया कि झांसी में 15 मीटर के

एशियन यूथ गेम्स की बैक स्ट्रोक स्पर्धा में दिखाएगी अपना दम

स्विमिंग पूल से ही मैंने तैराकी का शुरुआत सफर शुरू किया था, कुछ ही समय में मुझे राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने का अवसर मिला जहां मैं पदक जीत कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। यह पहला मौका होगा जब मैं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने देश का प्रतिनिधित्व करुंगी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश स्विमिंग एसोसिएशन के सचिव शिवम कपूर ने मेरी प्रतिभा को देख कर नई दिल्ली में एस.एफ.आई. ग्लेनमार्क स्विमिंग अकादमी में ट्रेनिंग के लिए दाखिला कराया। वहां मुझे राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक पार्थ मजूमदार ट्रेनिंग प्रदान कर रहे हैं। उनसे जब पूछा गया कि भारत देश का प्रतिनिधित्व करने पर कैस लग रहा है, तो जिया ने कहा देश के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पहलगाम ...

उन्होंने सभी देशों से आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुपालन में मदद करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, हम आतंकवाद से निपटने में देशों की प्राथमिक जिम्मेदारी पर जोर देते हैं और आतंकवादी खतरों को रोकने और उनका मुकाबला करने के वैश्विक प्रयासों को अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए, जिसमें संयुक्त राष्ट्र का चार्टर, विशेष रूप से इसके उद्देश्य और सिद्धांत, और प्रासंगिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रोटोकॉल, विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून, अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थी कानून और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून, जैसा भी लागू हो। हम ब्रिक्स आतंकवाद विरोधी कार्य समूह और ब्रिक्स आतंकवाद विरोधी रणनीति, ब्रिक्स आतंकवाद विरोधी कार्य योजना और स्थिति पत्र पर आधारित इसके पांच उपसमूहों की गतिविधियों का स्वागत करते हैं।सदस्य देशों ने आतंकवाद रोधी सहयोग को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा , हम आतंकवाद विरोधी सहयोग को और गहरा करने की आशा करते हैं। हम संयुक्त राष्ट्र के ढांचे में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने और अपनाने का आह्वान करते हैं। हम संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित सभी आतंकवादियों और आतंकवादी संस्थाओं के खिलाफ ठोस कार्रवाई का आह्वान करते हैं।ब्रिक्स देशों ने जलवायु वित्त पर रूपरेखा घोषणापत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर ब्रिक्स नेताओं के वक्तव्य को अपनाने के महत्व का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वे सामाजिक रूप से निर्धारित रोगों के उन्मूलन के लिए ब्रिक्स साझेदारी के शुभारंभ का समर्थन करते हैं। यह पहल वैश्विक मुद्दों के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान को बढ़ावा देने के संयुक्त प्रयासों को दर्शाती हैं।सदस्य देशों ने ब्रिक्स सदस्य के रूप में इंडोनेशिया का स्वागत किया और कहा कि वे बेलारूस , बोलिविया, कजाकिस्तान, क्यूबा , नाइजीरिया , मलेशिया, थाईलैंड , वियतनाम , युगांडा और उज्बेकिस्तान का ब्रिक्स भागीदार देशों के रूप में स्वागत करते हैं। ब्रिक्स देशों के घोषणा पत्र में बहुपक्षवाद को मजबूत करने और वैश्विक शासन में सुधार करने पर जोर देते हुए कहा गया , हम व्यापक परामर्श, संयुक्त योगदान और साझा लाभों की भावना में एक अधिक न्यायसंगत, समतापूर्ण, चुस्त, प्रभावी, कुशल, उत्त-रदायी, प्रतिनिधित्व, वैध, लोकतांत्रिक , जवाबदेह अंतर्राष्ट्रीय और बहुपक्षीय प्रणाली को बढ़ावा देकर वैश्विक शासन में सुधार के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। इस संबंध में हम भविष्य के शिखर सम्मेलन में भविष्य की संधि को अपनाने पर ध्यान देते हैं, जिसमें वैश्विक डिजिटल कॉम्पैक्ट और भविष्य की पीढ़ियों की घोषणा शामिल हैं।उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, विश्व व्यापार संगठन तथा अन्य वैश्विक संस्थानों में विकासशील देशों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिये जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि इन देशों को इन संस्थाओं में उचित प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा , समकालीन वास्तविकताओं को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की वर्तमान व्यवस्था पर हम बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित उद्देश्यों और सिद्धांतों सहित अंतर्राष्ट्रीय कानून को उनकी संपूर्णता और अंतर्संबंध में इसके अपरिहार्य आधार के रूप में बनाए रखने और अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली में संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका की पुष्टि करते हैं।घोषणा पत्र में वैश्विक संस्थाओं में महिलाओं की भूमिका और भागीदारी को महत्व देते हुए कहा गया है , हम समयबद्ध तरीके से संयुक्त राष्ट्र सचिवालय और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों में समान भौगोलिक प्रतिनिधित्व का आह्वान करते हैं। इन संगठनों में नेतृत्व और जिम्मेदारियों के सभी स्तरों पर महिलाओं की भूमिका और हिस्सेदारी बढ़ाने का भी हम आह्वान करते हैं। हम संयुक्त राष्ट्र के कार्यकारी प्रमुखों और वरिष्ठ पदों के चयन और नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शिता और समावेशिता के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित करने और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 101 के सभी प्रावधानों के अनुसार किए जाने की आवश्यकता पर बल देते हैं, जिसमें यथासंभव व्यापक भौगोलिक आधार पर कर्मचारियों की भर्ती और महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर उचित ध्यान दिया जाता है।उन्होंने सुरक्षा परिषद सहित संयुक्त राष्ट्र में व्यापक सुधार के लिए समर्थन दोहराते कहा कि इन्हें और अधिक लोकतांत्रिक, प्रतिनिधित्वपूर्ण, प्रभावी और कुशल बनाने के लिए इनमें विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर भी जोर दिया जिससे कि ये संस्था मौजूदा वैश्विक चुनौतियों का समाधान कर सके।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार को ग्लोबल साउथ की आवाज करार देते हुए उन्होंने वर्ष 2022 बीजिंग और 2023 जोहान्सबर्ग- दो में नेताओं की घोषणाओं को याद किया। इन घोषणाओं में संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद सहित एक बड़ी भूमिका निभाने के लिए ब्राजील और भारत की आकांक्षाओं के प्रति समर्थन व्यक्त किया गया था।सदस्य देशों ने कहा कि वे जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए बहुपक्षवाद को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर बल देते है। उन्होंने कहा, हम पेरिस समझौते के उद्देश्य और लक्ष्यों तथा यूएनएफसीसीसी के उद्देश्यों की प्राप्ति में एकजुट रहने का संकल्प लेते हैं और सभी देशों से यूएनएफसीसीसी और इसके पेरिस समझौते के पक्षकारों के रूप में अपनी मौजूदा प्रतिबद्धता को बनाए रखने और जलवायु परिवर्तन से निपटने के अपने प्रयासों को बनाए रखने और बढ़ाने का आह्वान करते हैं। हम यूएनएफसीसीसी के उद्देश्य की प्राप्ति में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पेरिस समझौते के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन को मजबूत करने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जिसमें विभिन्न राष्ट्रीय परिस्थितियों के मद्देनजर समानता और साझा लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं के सिद्धांत को प्रतिबिंबित करते हुए विकासशील देशों को शमन, अनुकूलन और कार्यान्वयन के साधनों के प्रावधान से संबंधित प्रावधान शामिल हैं।उन्होंने कोप-30 के समझौतों तथा उद्देश्यों के प्रति वचनबद्धता प्रकट करते हुए 2028 में इसकी मेजबानी के लिए भारत की उम्मीदवारी का स्वागत किया।

मोदी ने ...

आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। डिजिटल क्षेत्र में भारत की विशेषज्ञता को स्वीकार करते हुए, राष्ट्रपति डियाज-कैनेल ने भारत के सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और यूपीआई में रुचि व्यक्त की। श्री मोदी ने कहा कि क्यूबा में आयुर्वेद की बढ़ती स्वीकार्यता निश्चित रूप से एक बड़ी बात है। दोनों नेताओं ने आपदा प्रबंधन तंत्र को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने क्यूबा द्वारा आयुर्वेद को मान्यता दिए जाने की सराहना की और क्यूबा की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में आयुर्वेद को एकीकृत करने के लिए समर्थन दिया। प्रधानमंत्री ने क्यूबा द्वारा भारतीय फार्माकोपिया को मान्यता दिए जाने का प्रस्ताव रखा, जिससे भारतीय जेनेरिक दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित होगी।दोनों नेताओं ने स्वास्थ्य, महामारी और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों सहित वैश्विक दक्षिण के लिए चिंता के मुद्दों पर काम करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने बहुपक्षीय क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग की सराहना की।प्रधानमंत्री ने मलेशिया के अपने समकक्ष श्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात के बाद कहा कि मलेशिया भारत के लिए महत्वपूर्ण है। भारत की महासागर के विचार और 'एक्ट ईस्ट ' (पूरब के देशों के साथ मिल कर काम करने) की नीति में मलेशिया का महत्वपूर्ण स्थान है।श्री मोदी ने कहा कि इस मुलाकात में उन्होंने प्रधानमंत्री इब्राहिम से उनकी भारत यात्रा के बाद से हुई प्रगति सहित अपने द्विपक्षीय संबंधों में शामिल किए गए क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), नवीकरणीय ऊर्जा और बुनियादी ढांचे जैसे भविष्य के क्षेत्र ऐसे हैं जहां द्विपक्षीय संबंध मजबूती से बढ़ रहे हैं।दोनों नेताओं ने द्विपक्षी निवेश और व्यापार संबंधों के विस्तार पर भी चर्चा की। वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चीन्ह से अच्छी बातचीत हुई।

मंडलों और ...

शताब्दी वर्ष के चलते होने वाली संघ की गतिविधियों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में मंडलों और शहरी क्षेत्रों में बस्तियों में समाज के प्रयासों से हिंदू सम्मेलन के आयोजन होंगे। 11,360 स्थानों पर सामाजिक सद्भाव निर्माण की गतिविधियां चलेंगी। यह खंड और नगर स्तर तक होंगी। इसके अलावा देश के सभी 924 जिलों में 'घर-घर संपर्क' अभियान चलाया जाएगा और क्षेत्र अनुसार प्रमुख गोष्ठियां होंगी।आंबेकर ने कहा कि संघ का स्पष्ट उद्देश्य है- समाज के सभी वर्गों तक पहुंच बनाना, युवाओं को राष्ट्र निर्माण के कार्य में जोड़ना और समाज को स्वाभाविक रूप से संगठित करना है। इसके लिए व्यापक आउटरीच की योजना बनाई गई है। संघ का मानना है कि देश की प्रगति में समाज की व्यापक सहभागिता जरूरी है और संगठन इसी दिशा में कार्यरत है।प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली प्रांत के संघचालक अनिल अग्रवाल भी मौजूद रहे। केशव कुंज कार्यालय में 4 से 6 जुलाई तक आयोजित अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक में प्रांत प्रचारक और अखिल भारतीय कार्यकारणी के सदस्यों ने भाग लिया।

सुरक्षा ...

के फैसले को चुनौती दी है। सेलेबी एविएशन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि कंपनी भारत में 17 वर्षों से बिना किसी दोष के काम कर रही है और सुरक्षा मंजूरी रद्द करने का कदम मनमाना और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है। हवाईअड्डा संचालकों के साथ मेरे अनुबंध रद्द किए जा रहे हैं। हालांकि, रोहतगी ने अपनी दलीलें कानूनी आधारों और सरकार के फैसले में प्रक्रियात्मक खामियों तक ही सीमित रखीं। विमानन सुरक्षा विनियमों के विकास का हवाला देते हुए रोहतगी ने तर्क दिया कि पहले के उदाहरणों की तुलना में कानूनी ढांचे में काफी बदलाव आया है। न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ के फैसले में 1937 के विमान नियमों पर विचार किया गया था, जो अब लागू नहीं हैं। 2011 में नए नियम बनाए गए थे और वर्तमान स्थिति नियम 12 द्वारा शासित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नियम 12 के अनुसार सुरक्षा मंजूरी रद्द करने जैसे किसी भी कठोर निर्णय से पहले सुनवाई अनिवार्य है। जहाँ भी ऐसे निर्णय लिए जाते हैं, वहाँ प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत लागू होते हैं। मुझे नोटिस भी नहीं दिया गया, जबकि नियम कहता है कि मुझे नोटिस दिया जाना चाहिए। मैं कारणों की प्रति पर जोर नहीं दे रहा हूँ। मैं यह कह रहा हूँ कि मैं विकलांग था क्योंकि मुझे सामग्री उपलब्ध नहीं कराई गई थी।

इतने बड़े बॉस हो...

हाल के हफ्तों में, कुछ वीडियो सामने आए और सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिनमें मनसे कार्यकर्ताओं को उत्तर भारतीय मजदूरों और विक्रेताओं पर हमला करते हुए दिखाया गया, जब उन्होंने महाराष्ट्र की मूल भाषा मराठी में बातचीत करने में असमर्थता व्यक्त की। उत्तर भारतीयों के खिलाफ हमले की घटनाएं तब हुई हैं जब एक सप्ताह पहले देवेंद्र फडणवीस सरकार ने राज्य में तीन-भाषा नीति को वापस ले लिया था, राज और उद्धव ठाकरे के कड़े विरोध के बाद, जिन्होंने इसे हिंदी थोपना कहा था।

न्यायाधीश ...

यह मामला अब सार्वजनिक डोमेन में है और उच्चतम न्यायालय ने भी इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा, इस स्थिति में सबसे पहले इसे एक आपराधिक कृत्य मानकर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए थी। दोषियों की पहचान कर उन्हें न्याय के कटघरे में लाना चाहिए था, लेकिन अब तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के 1990 के दशक के एक निर्णय के कारण विवश है।उप राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से समस्याओं से जूझने का साहस रखने का आह्वान करते कहा, हमें समस्याओं का सामना करने का साहस रखना चाहिए। विफलताओं को तर्कसंगत ठहराने की प्रवृत्ति नहीं होनी चाहिए। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि हम उस राष्ट्र के नागरिक हैं जिसे वैश्विक विमर्श को दिशा देनी है। हमें एक ऐसे विश्व का निर्माण करना है जहाँ शांति और सौहार्द हो। हमें पहले अपने ही संस्थानों के भीतर असहज सच्चाइयों का सामना करने का साहस रखना चाहिए। न्यायपालिका की स्वतंत्रता की वकालत करते हुए उन्होंने कहा, मैं न्यायपालिका की स्वतंत्रता का प्रबल पक्षधर हूं। मैं न्यायाधीशों की सुरक्षा के पक्ष में हूं। वे कार्यपालिका के विरुद्ध निर्णय देते हैं,और विधायिका के मामलों को भी देखते हैं। हमें उन्हें तुच्छ मुकदमों से बचाना चाहिए। लेकिन जब कुछ ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, तो चिंता स्वाभाविक है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के तत्कालीन न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर एक स्टोर में 14 मार्च की रात लगी आग में 500 रूपये की आंशिक रूप से जली हुई गड्डियां मिली थी। न्यायमूर्ति वर्मा ने इस मामले में निर्दोष होने का दावा किया है जबकि उच्चतम न्यायालय की आंतरिक जांच समिति ने उनके खिलाफ महाअभियोग चलाये जाने की सिफारिश की है।

विदेश मंत्रालय ने...

ईडी की जांच में पता चला कि कॉलेज प्रबंधन ने एजेंटों के साथ मिलीभगत करके एनआरआई से संबंधित दूतावास के दस्तावेज और फर्जी पारिवारिक जानकारी जुटाई। एजेंटों ने पैसे देकर असंबंधित एनआरआई से संपर्क किया। उनके प्रमाण-पत्र प्राप्त किए। उन प्रमाण-पत्रों का उपयोग नकली दस्तावेज तैयार करने के लिए किया गया। इन असंबंधित एनआरआई को छात्रों के प्रायोजक के रूप में पेश किया गया। कुछ मामलों में, एजेंटों और मेडिकल कॉलेजों ने 2-3 अलग-अलग और असंबंधित उम्मीदवारों के लिए एनआरआई प्रायोजक दस्तावेजों के एक ही सेट का इस्तेमाल किया। यह सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का अनुपालन दिखाने और भारी कमीशन के बदले एनआरआई कोटे के तहत अयोग्य उम्मीदवारों के लिए प्रवेश सुरक्षित करने के लिए किया गया।ईडी के मुताबिक, विदेश मंत्रालय द्वारा कुछ एनआरआई प्रायोजकों के मामलों में जालसाजी की स्पष्ट जानकारी प्रदान किए जाने के बावजूद, संबंधित राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके अलावा, ईडी की जांच के दौरान, विदेशों में विभिन्न भारतीय वाणिज्य दूतावासों ने सूचित किया है कि कई मामलों में प्रायोजक के एनआरआई प्रमाण पत्र, जिनका उपयोग एनआरआई कोटे के तहत निजी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश सुरक्षित करने के लिए किया गया था, असली नहीं हैं। इससे पहले, ईडी ने विभिन्न निजी मेडिकल कॉलेजों और व्यक्तियों की 12.33 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की थीं।

5000 करोड़ के...

जमशेदपुर द्वारा दर्ज की गई कई शिकायतों के आधार पर केस की जांच शुरू की थी। इन शिकायतों के माध्यम से फर्जी आईटीसी बनाने और उसे आगे बढ़ाने से जुड़ी एक परिष्कृत धोखाधड़ी का पता चला था। ईडी की जांच से पता चला है कि शिव कुमार देवड़ा और उनके सहयोगियों की अगुवाई में सिंडिकेट ने 135 फर्जी कंपनियों का जाल बनाया था। ये कंपनियां, केवल कागजों पर मौजूद थीं। इनका इस्तेमाल, माल या सेवाओं की वास्तविक आपूर्ति के बिना 5000 करोड़ रुपये से अधिक के फर्जी चालान जारी करने के लिए किया गया था। इस कार्यप्रणाली के जरिए सिंडिकेट ने धोखाधड़ी से 734 करोड़ रुपये से अधिक की फर्जी आईटीसी तैयार की। इतना ही नहीं, इन आईटीसी को आगे भी बढ़ा दिया गया। इस अवैध रूप से तैयार किए गए क्रेडिट को फिर कमीशन पर विभिन्न लाभार्थी फर्मों को बेच दिया गया। उन फर्मों ने इसका इस्तेमाल अपनी जीएसटी देनदारियों से बचने के लिए किया। जांच के परिणामस्वरूप अब तक 5.29 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों की पहचान कर उन्हें कुर्क किया गया है। 8.98 लाख रुपये की नकदी जब्त की गई है, जबकि 62.90 लाख रुपये के बैंक बैलेंस को फ्रीज करने में सफलता मिली है। इस मामले में पहले ईडी ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में कई परिसरों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया था। इसके अलावा, उक्त चारों आरोपियों को भी 8 जुलाई को पीएमएलए के तहत गिरफ्तार किया गया। फिलहाल वे सभी न्यायिक हिरासत में हैं।

कितने साल तक चलती है मंगल की महादशा और कैसे करें ग्रहों के सेनापति को प्रसन्न?

मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित है। इस दिन हनुमान जी संग मंगल देव की पूजा की जाती है। साथ ही मनोवांछित फल पाने के लिए मंगलवार का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक को करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलती है और सभी संकटों से भी मुक्ति मिलती है।

ज्योतिष भी करियर और कारोबार संबंधी परेशानी दूर करने के लिए मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करने की सलाह देते हैं। हनुमान जी की पूजा करने से शनि की बाधा भी दूर होती है। साथ ही जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि मंगल की महादशा कितने साल तक चलती है और कैसे ग्रहों के सेनापति को प्रसन्न करें?

मंगल की महादशा

ज्योतिषियों की मानें तो मंगल की महादशा तकरीबन 7 साल तक चलती है। इस दौरान सभी शुभ और अशुभ ग्रहों की अंतर्दशा दशा चलती है। इनमें सबसे पहले मंगल की अंतर्दशा चलती है। मंगल की अंतर्दशा 5 महीने तक रहती है। इसके बाद राहु की अंतर्दशा चलती है। वहीं, राहु के बाद गुरु और शनि की अंतर्दशा चलती है। मंगल की महादशा में शुभ ग्रहों की अंतर्दशा में जातक को शुभ फल मिलता है। खासकर, करियर को नया आयाम मिलता है।

मंगल देव को कैसे प्रसन्न करें?

मंगल देव को प्रसन्न करने के लिए मंगलवार के दिन भक्ति भाव से हनुमान जी की पूजा करें।

आज के दिन लाल रंग की चीजों का दान करें।

मंगलवार के दिन गेहूं, गुड़, लाल रंग के कपड़े, मूंगफली आदि चीजों का दान करें।

मंगलवार और शनिवार के दिन राम परिवार संग हनुमान जी की पूजा करें।

मंगलवार के दिन कम से कम सात बार हनुमान चालीसा का पाठ करें।

मंगलवार मंत्र

ॐ आपदामप हर्तारम दातारं सर्व सम्पदाम,
लोकाभिरामं श्री रामं भूयो भूयो नामाम्यहम
श्री रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे,
रघुनाथाय नाथाय सीताया पतये नमः
अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहम्
दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम् ।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशम्
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि।।

ॐ ऐं ह्रीं हनुमते श्री रामदूताय नमः
ॐ नमो हनुमते रुद्रावताराय विश्वरूपाय अमितविक्रमाय
प्रकट-पराक्रमाय महाबलाय सूर्यकोटिसमप्रभाय रामदूताय स्वाहा।
ॐ नमो हनुमते रुद्रावताराय रामसेवकाय
रामभक्तितत्पराय रामहृदयाय लक्ष्मणशक्ति
भेदनिवावरणाय लक्ष्मणरक्षकाय दुष्टनिबर्हणाय रामदूताय स्वाहा।
ॐ नमो हनुमते रुद्रावताराय सर्वशत्रुसंहरणाय
सर्वरोगहराय सर्ववशीकरणाय रामदूताय स्वाहा।

घर की इस दिशा में लगाएं मोगरे का पौधा

नकारात्मकता होगी दूर, जीवन में आएगी सुख-समृद्धि

मोगरे के फूल की खुशबू बेहद मनमोहक होती है और यह दिखने में भी बहुत आकर्षक लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसे घर में लगाने के कई ज्योतिषी लाभ भी होते हैं। अगर आप वास्तु के अनुसार मोगरे का पौधा सही दिशा में लगाते हैं तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है।

मान्यता है कि घर में मोगरे का पौधा लगाने से नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, इससे जातक को घर की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है। लेकिन इसके लिए मोगरे का पौधा लगाते समय वास्तु के सभी नियमों का ख्याल भी अवश्य रखना चाहिए। गलत स्थान या दिशा में इस शुभ पौधे को लगाने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है।

मोगरे का पौधा घर में लगाना होता है बेहद शुभ

इस पौधे के सुगंधित पुष्पों को पूजा में शामिल करने का भी खास महत्व होता है। माना जाता है कि भगवान शिव, विष्णुजी और माता लक्ष्मी की पूजा के दौरान मोगरे के फूलों का इस्तेमाल करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही, इससे आसपास का वातावरण भी शुद्ध होता है। अगर आप गुरुवार और शुक्रवार के दिन पूजा के दौरान इस फूलों का प्रयोग करते हैं, तो इससे भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। परिवार के सदस्यों को जीवन के कई दुखों से निजात मिल सकती है।

मोगरे का पौधा घर की इस दिशा में लगाएं

वास्तुशास्त्र के अनुसार, मोगरे का पौधा सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी होता है। अगर सभी वास्तु नियमों का ख्याल रखकर मोगरे को घर में लगाया जाए, तो इससे घर में सुख-समृद्धि आती है। वास्तु के अनुसार, मोगरे का पौधा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व या उत्तर दिशा में लगाना चाहिए। इसके अलावा, आप पूर्व दिशा में भी मोगरे का पौधे लगा सकते हैं। ऐसा करने से आसपास का वातावरण शांतिपूर्ण और खुशनुमा बनता है। साथ ही, पौधे को किसी ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां उसे धूप और हवा मिलती रहे।

मोगरे का पौधा लगाने के विशेष वास्तु नियम

इस पौधे के फूल की खुशबू मनमोहक और मन को शांति प्रदान करने वाली होती है। ऐसे में आप इसे घर के प्रवेश द्वार या खिड़की के पास भी लगा सकते हैं।

वास्तु के अनुसार, मोगरे का पौधा कभी भी घर में टॉयलेट या बाथरूम के पास नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है।

मान्यता है कि मोगरे के पौधे को ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां अंधेरा न रहता हो। साथ ही, उस जगह की नियमित साफ-सफाई का भी अवश्य ख्याल रखें।

अगर आपके घर में लगा मोगरे का पौधा सूख गया है तो उसे घर से तुरंत हटा दें। इस प्रकार का पौधा घर में सकारात्मकता की जगह नकारात्मकता फैला सकता है।

मोगरे का पौधा सही दिशा में लगाने के लाभ

वास्तुशास्त्र के अनुसार मोगरे के पौधे को सही दिशा में लगाने से मानसिक तनाव कम होता है और घर का माहौल शांतिपूर्ण बना रहता है। यह शुभ पौधा घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने में मदद करता है। इसकी जगह यह पौधा आसपास सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाता है। साथ ही, इससे जातक को गृह क्लेश से निजात मिल सकती है और परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बना रहता है। वास्तु के नियमों का ख्याल रखकर मोगरे का पौधा लगाने से घर में सुख-समृद्धि आती है और रिश्तों में संतुलन बना रहता है।

आज भौम प्रदोष व्रत

सनातन धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व है। इस दिन शिव परिवार की पूजा-अर्चना करना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रदोष व्रत के दिन विधिपूर्वक भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करने से साधक को सभी तरह की समस्याओं से छुटकारा मिलता है। साथ ही महादेव की कृपा रुके हुए काम पूरे होते हैं। वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 07 जुलाई को देर रात 11 बजकर 10 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 09 जुलाई को त्रयोदशी तिथि देर रात 12 बजकर 38 मिनट पर होगा। ऐसे में 08 जुलाई को प्रदोष व्रत मनाया जाएगा। इस दिन शिव जी की पूजा करने का शुभ मुहूर्त शाम 07 बजकर 23 मिनट से लेकर 09 बजकर 24 मिनट तक है। इस दौरान किसी भी समय पूजा-अर्चना कर सकते हैं। मंगलवार के दिन पड़ने के की वजह से यह भौम प्रदोष व्रत कहलाएगा।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 37 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 07 बजकर 18 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 14 मिनट से 04 बजकर 56 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 44 मिनट से 03 बजकर 39 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 07 बजकर 17 मिनट से 07 बजकर 37 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात 12 बजकर 07 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक

इन बातों का रखें ध्यान

प्रदोष व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर महादेव की पूजा-अर्चना करें।
सूर्य देव को अर्घ्य देना चाहिए।
व्रत के दिन सात्विक चीजों का भोजन करें।
शिवलिंग का विशेष चीजों के द्वारा अभिषेक करें।
अन्न और धन समेत आदि चीजों का दान करें।
पूजा के दौरान शिव मंत्रों और शिव चालीसा का पाठ करें।

शिव मंत्र

1। सौराष्ट्रे सोमनाथं च श्रीशैले मल्लिकार्जुनम्।
उज्जयिन्यां महाकालं ओम्कारम् अमलेश्वरम्।।
परल्यां वैद्यनाथं च डाकिन्यां भीमशङ्करम्।
सेतुबन्धे तु रामेशं नागेशं दारुकावने।।
वाराणस्यां तु विश्वेशं त्र्यम्बकं गौतमीतटे।
हिमालये तु केदारं घुश्मेशं च शिवालये।।
एतानि ज्योतिर्लिङ्गानि सायं प्रातः पठेन्नरः।।

10 को मनाई जाएगी आषाढ़ पूर्णिमा

हर महीने की आखिरी तिथि पर पूर्णिमा का त्योहार मनाया जाता है। इस तिथि को भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, आषाढ़ पूर्णिमा के दिन श्रीहरि और पवित्र नदी में स्नान करने से साधक के सभी पाप कट जाते हैं और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

आषाढ़ पूर्णिमा 2025 शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ पूर्णिमा की शुरुआत 10 जुलाई को देर रात 01 बजकर 36 मिनट पर होगी। वहीं, तिथि का समापन 11 जुलाई को देर रात 02 बजकर 06 मिनट पर होगा। ऐसे में 10 जुलाई को आषाढ़ पूर्णिमा का पर्व मनाया जाएगा।

आषाढ़ पूर्णिमा 2025 दान

पूर्णिमा के दिन सुबह स्नान कर पूजा-अर्चना करें और इसके बाद मंदिर या फिर गरीब लोगों में अन्न और धन समेत आदि चीजों का दान करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पूर्णिमा के दिन दान करने से धन लाभ के योग बनते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा से रुके हुए काम पूरे होते हैं। सुख-समृद्धि में वृद्धि के लिए पूर्णिमा के दिन दूध का दान करना चाहिए। साथ ही मां लक्ष्मी से सुख-शांति की प्राप्ति के लिए प्रार्थना करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से धन से तिजोरी भरी रहती हैं और आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 31 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 07 बजकर 22 मिनट पर
चन्द्रोदय- शाम 07 बजकर 20 मिनट पर
चन्द्रास्त- कोई नहीं
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 10 मिनट से 04 बजकर 50 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 45 मिनट से 03 बजकर 40 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 07 बजकर 21 मिनट से 07 बजकर 41 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात्रि 12 बजकर 06 मिनट से 12 बजकर 47 मिनट तक

मां लक्ष्मी के मंत्र

या रक्ताम्बुजवासिनी विलासिनी चण्डांशु तेजस्विनी।
या रक्ता रुधिराम्बरा हरिसखी या श्री मनोल्हादिनी।।
या रत्नाकरमन्थनात्प्रगटिता विष्णोस्वया गेहिनी।
सा मां पातु मनोरमा भगवती लक्ष्मीश्च पद्मावती ।।
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं त्रिभुवन महालक्ष्म्यै अस्मांक दारिद्र्य नाशय प्रचुर धन देहि देहि क्लीं ह्रीं श्रीं ॐ ।
ॐ श्री महालक्ष्म्यै च विद्महे विष्णु पत्न्यै च धीमहि तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात् ॐ ।।

मंगलवार को शुक्ल योग में बजरंगबली होंगे मेहरबान

इन 5 राशियों के लिए बने हैं धन प्राप्ति के योग

मंगलवार 8 जुलाई को शुक्ल योग में बजरंगबली के आशीर्वाद से वृषभ और मिथुन सहित 5 राशियों के लिए सफलता के योग बन रहे हैं। आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी और कारोबार में बड़ी सफलता प्राप्त होने के योग हैं। आपको अचानक से बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होगी और कहीं से कोई शुभ सूचना आपको मिल सकती है। पुराने निवेश से बड़ा लाभ होने की उम्मीद है और आपके संचित धन में वृद्धि होगी। देखें मेष से मीन तक मंगलवार का करियर राशिफल विस्तार से।

मेष राशि : आपका प्रदर्शन प्रभावशाली रहेगा

मेष राशि के लिए दिन शुभ है। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन प्रभावशाली रहेगा। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और आप उन्हें बखूबी निभाएंगे। टीम वर्क और टेक्निकल प्रॉजेक्ट्स में आपकी भूमिका सराही जाएगी। जो लोग व्यापार कर रहे हैं, उन्हें पुराने क्लाइंट्स से पुनः संपर्क करना चाहिए, तो लाभ होगा। आर्थिक रूप से दिन मध्यम रहेगा लेकिन धार्मिक कार्यों में खर्च हो सकता है। निवेश के लिए अभी रुकना बेहतर रहेगा। विशेष रूप से शेयर बाजार, क्रिप्टोकरेंसी या लॉटरी जैसे जोखिम भरे क्षेत्रों से दूरी बनाकर रखें। बजट बनाकर चलें, नहीं तो महीने के अंत में धन संकट का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ राशि : भाग्य साथ दे रहा है

वृषभ राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है और आपकी प्रफेशनल छवि सुधरेगी। यदि आप मार्केटिंग, मीडिया, बैंकिंग से जुड़े हैं तो विशेष सफलता के योग हैं। अगर आप किसी इंटरव्यू या महत्वपूर्ण मीटिंग की तैयारी कर रहे हैं तो सफलता मिल सकती है। परंतु कोई नया व्यवसाय या बड़ा निवेश न करें, समय अभी उपयुक्त नहीं है। आर्थिक पक्ष में स्थिरता रहेगी लेकिन अनियोजित खर्च बढ़ सकते हैं। विशेषकर घर, वाहन या बच्चों से संबंधित मामले में खर्च संभव है। साझेदारी में चल रहे व्यापार में मनमुटाव संभव है, संभलकर रहें। घर के बुजुर्गों से आर्थिक सलाह लाभकारी सिद्ध होगी। आपको धन लाभ होगा और पुरानी योजनाएं सफल होंगी, लेकिन बैंकों से जुड़ी देनदारियों पर ध्यान देना आवश्यक है।

मिथुन राशि : दिन काफी भाग्यशाली है

मिथुन राशि के लोगों के लिए दिन काफी भाग्यशाली है। बौद्धिक कार्यों, आईटी, मीडिया और कंसल्टिंग से जुड़े लोगों को विशेष सफलता मिलेगी। नई योजनाओं को लागू करने के लिए यह उत्तम समय है। यदि आप व्यवसायी हैं तो नए कॉन्ट्रैक्ट्स या विदेशी संपर्क से धन लाभ हो सकता है। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं, और कोई साइड इनकम या फ्रीलांसिंग का प्रस्ताव भी मिल सकता है। सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों को प्रमोशन या स्थानांतरण के संकेत हैं। निवेश के लिए समय उत्तम है। विशेष रूप से रियल एस्टेट, बांड्स, लॉन्ग-टर्म स्कीम्स में बड़ा लाभ होने के योग हैं। अभी की गई बचत भविष्य में बहुत काम आएगी।

कर्क राशि : दिन तरक्की और सफलता से भरा होगा

कर्क राशि के लोगों का दिन तरक्की और सफलता से भरा होगा। आप साहसिक निर्णय लेने में सफल रहेंगे। उच्च पद की ओर बढ़ने के अवसर बन सकते हैं। विशेषकर जो लोग प्रशासनिक, कंस्ट्रक्शन, या गवर्नमेंट सेक्टर में हैं। व्यापारी वर्ग को किसी नए ग्राहक से बड़ी डील मिलने की संभावना है। आज आप बैंक या वित्तीय संस्थान से जुड़े किसी कार्य को पूरा करने में सफल होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। कोई रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। शेयर, म्यूचुअल फंड या सरकारी स्कीमों में निवेश लाभदायक रहेगा। फिजूलखर्ची से बचें, और पुराने बिल या लोन की समीक्षा करें।

सिंह राशि : आर्थिक दृष्टि से दिन लाभकारी है

सिंह राशि के लोगों का दिन शुभ है। आपका आत्मविश्वास आपको भीड़ से अलग करेगा। करियर में कोई बड़ा बदलाव या नई शुरुआत हो सकती है। नौकरी में ट्रांसफर या प्रमोशन के योग बन रहे हैं। उच्च अधिकारियों से मुलाकात लाभकारी रहेगी। बिजनस में साझेदारों के साथ तालमेल मजबूत होगा। आर्थिक दृष्टि से दिन लाभकारी है, लेकिन साथ ही खर्च भी बढ़े हुए रहेंगे। विशेषकर विलासिता, यात्रा या इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर। निवेश से पहले सोच-समझकर कदम उठाएं। अचल संपत्ति में निवेश लाभ देगा, लेकिन कानूनी दस्तावेजों को अच्छी तरह जांच लें।

कन्या राशि : कोई लंबित कार्य पूर्ण हो सकता है

कन्या राशि के लोगों के लिए कार्यक्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। कोई लंबित कार्य पूर्ण हो सकता है। यदि आप सरकारी सेवा, शिक्षा या मेडिकल क्षेत्र से जुड़े हैं, तो सम्मान और उत्तरदायित्व बढ़ सकता है। व्यवसाय में थोड़ी धीमी प्रगति रहेगी लेकिन कोई पुराना ग्राहक लाभ दे सकता है। आर्थिक पक्ष में स्थिरता बनी रहेगी, लेकिन गृहस्थ खर्च बढ़ सकते हैं। निवेश के लिए दिन विशेष रूप से अनुकूल नहीं है। विशेषकर शेयर या रीयल एस्टेट में अभी पैसा न लगाएं। बजट बनाकर चलें और पुराने निवेश की समीक्षा करें।

तुला राशि : किसी को उधार न दें

तुला राशि के लोगों के लिए करियर में थोड़ी अस्थिरता रहेगी। कार्यस्थल पर विवाद की स्थिति बन सकती है, अतः मौन रहना हितकर रहेगा। जो लोग कॉन्ट्रैक्ट या टारगेट आधारित काम में हैं उन्हें धैर्य रखना होगा। अत्यधिक मेहनत के बावजूद अपेक्षित आय नहीं होगी। अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं। विशेषकर वाहन, घर या रिश्तों से जुड़े मुद्दों पर। किसी को उधार न दें। शेयर, क्रिप्टो या रिस्की फंड्स से दूर रहें। अभी फिक्स्ड डिपॉजिट या डाकघर योजनाएं ज्यादा सुरक्षित हैं।

वृश्चिक राशि : आपकी योजनाएं फलित होंगी

वृश्चिक राशि वालों के लिए कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं फलित होंगी। कोई बड़ा कॉन्ट्रैक्ट साइन हो सकता है, विशेष रूप से जो लोग मैन्युफैक्चरिंग, इम्पोर्ट-एक्सपॉर्ट, लॉजिस्टिक्स या टेक्नोलॉजी में हैं। उच्चाधिकारी आपके कार्य से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक रूप से दिन अच्छा है। निवेश या बीमा से जुड़े कार्यों में लाभ होगा। व्यवसाय में आज पूंजी लगाने से लाभ की स्थिति बनेगी। शेयर बाजार में चतुराई से निवेश करें। कोई पुराना कर्ज चुकाने का या ऋण पुनर्गठन का अवसर मिलेगा। पैसों की आवक बेहतर बनी रहेगी।

धनु राशि : कार्यक्षेत्र में सकारात्मकता आएगी

धनु राशि पर बृहस्पति की कृपा से आपके कार्यक्षेत्र में सकारात्मकता आएगी। करियर से जुड़ी नई योजनाएं बनेंगी। जो लोग शिक्षा, बैंकिंग, मैनेजमेंट या लीगल प्रोफेशन में हैं उन्हें अच्छा लाभ मिलेगा। ऑफिस में नए टास्क दिए जाएंगे जो आपको आगे बढ़ने में मदद करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मित्र या जीवनसाथी की मदद से कोई लाभकारी आर्थिक योजना बन सकती है। निवेश हेतु दिन अनुकूल है। विशेष रूप से लॉन्ग टर्म स्कीम्स जैसे पीपीएफ, गोल्ड बॉन्ड आदि में। कोई नया बैंक खाता या फिक्स्ड डिपॉजिट प्लान शुरू कर सकते हैं।

मकर राशि : निवेश के लिए समय अनुकूल है

मकर राशि वालों के लिए कार्यक्षेत्र में अनुशासन और कार्यकुशलता का लाभ मिलेगा। जो लोग निर्माण, मशीनरी या अकाउंटिंग क्षेत्र में हैं उन्हें विशेष लाभ होगा। पुराने क्लाइंट्स से रिलेशन फिर से मजबूत हो सकते हैं। उच्च अधिकारी आपकी प्रतिभा को पहचानेंगे। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। जायदाद या संपत्ति से जुड़ा कोई रुका हुआ कार्य आगे बढ़ सकता है। निवेश के लिए समय अनुकूल है। विशेषकर अचल संपत्ति, कृषि भूमि में। टैक्स संबंधी मामलों में सतर्क रहें। कोई फैसला अनुभवी लोगों की सलाह के बिना न करें।

कुंभ राशि : व्यापार फायदेमंद रहेगा

कुंभ राशि के लोगों का भाग्य साथ देगा और करियर में स्थिरता आएगी और आपकी कार्यकुशलता लोगों को प्रभावित करेगी। ऑफिस में आपकी सलाह को महत्व दिया जाएगा।

आर्थिक रूप से दिन अच्छा है, कहीं से रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। साझेदारी में किया गया व्यापार फायदेमंद रहेगा। निवेश के लिए शुभ दिन है, विशेषकर कृषि भूमि या रिटायरमेंट फंड से जुड़ी योजनाएं लाभकारी सिद्ध होंगी। परिजनों से पैसों को लेकर स्पष्ट संवाद रखें। आपको किसी भी नए काम में निवेश करने से बचने की सलाह है। आगे चलकर नुकसान हो सकता है।

मीन राशि : कारोबार में सफलता के योग बने हैं

मीन राशि के लोगों की किस्मत साथ देगी और आपको करियर में नए अवसर मिल सकते हैं। प्रमोशन या ट्रांसफर की सूचना आ सकती है। व्यवसाय में धन लगाने से फायदा होगा।

आय के नए स्रोत खुलेंगे, जिससे आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। निवेश के लिए समय अनुकूल है। विशेष रूप से म्यूचुअल फंड या एसआईपी स्कीम्स में। किसी वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह से बड़ा लाभ हो सकता है। मानसिक प्रसन्नता और आर्थिक संतुलन बना रहेगा। आपके लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं और कारोबार में सफलता के योग बने हैं।

अभिनेत्री नीतू कपूर ने महज पांच साल की उम्र से शुरू की एक्टिंग... हर रोल को पर्दे पर बखूबी पेश किया

हिंदी सिनेमा की चुलबुली, खूबसूरत और गंभीर रोल्स को पर्दे पर बखूबी पेश करने वाली एक्ट्रेस नीतू कपूर 8 जुलाई को 67वां जन्मदिन मना रही हैं। महज पांच साल की उम्र में फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाली नीतू आज भी अपनी बेमिसाल खूबसूरती, दमदार एक्टिंग और सादगी से दर्शकों के दिलों पर राज करती हैं। उनके चेहरे की चमक और मुस्कान आज भी वैसी ही है, जैसी 70 के दशक में थी। कम ही लोग जानते हैं कि नीतू कपूर का असली नाम हरनीत कौर है। उनका जन्म 8 जुलाई 1958 को दिल्ली में एक पंजाबी सिख परिवार में हुआ था। उनके पिता दर्शन सिंह के निधन के बाद, छोटी सी उम्र में ही नीतू ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। साल 1966 में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट उनकी पहली फिल्म 'सूरज' आई, जिसमें वह वैजयंती माला और राजेंद्र कुमार के साथ नजर आईं। 'बेबी सोनिया' के नाम से उन्होंने 'दस लाख', 'वारिस' और 'घर घर की कहानी' जैसी फिल्मों में काम किया। साल 1968 में 'दो कलियां' में उनकी डबल रोल वाली भूमिका ने उन्हें खूब लोकप्रियता दिलाई। इस फिल्म का गाना 'बच्चे मन के सच्चे' आज भी बच्चों के लिए बेहद खास है।

नीतू ने साल 1973 में 'रिक्शावाला' से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। फिल्म में उनके साथ एक्टर रणधीर कपूर लीड रोल में थे। उसी साल 'यादों की बारात' में उनका डांस नंबर 'लेकर हम दीवाना दिल' आया, जो दर्शकों का ध्यान खींचने में और उन्हें स्टारडम दिलाने में सफल रहा। साल 1975 में 'खेल खेल में' में ऋषि कपूर के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को बेहद पसंद आई। इसके बाद दोनों ने 'रफू चक्कर', 'कभी कभी', 'अमर अकबर एंथोनी', 'धरम वीर', 'दूसरा आदमी' और 'काल पत्थर' जैसी 10 से ज्यादा फिल्मों में साथ काम किया। नीतू के जिंदादिल और शानदार किरदारों ने उन्हें उस दौर की टॉप एक्ट्रेस में शुमार किया। 'अमर अकबर एंथोनी' में डॉ. सलमा अली और 'कभी कभी' में अपनी मां की खोज में जुटी बेटी के किरदार को आज भी याद किया जाता है। नीतू और ऋषि कपूर की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री जल्द ही ऑफ-स्क्रीन रोमांस में बदल गई। साल 1979 में सगाई और 1980 में शादी के बाद नीतू ने 21 साल की उम्र में एक्टिंग से ब्रेक ले लिया। उन्होंने इसे अपनी निजी पसंद बताया, न कि कपूर परिवार की परंपरा का दबाव। नीतू और ऋषि के दो बच्चे हैं। बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी, एक फैशन डिजाइनर हैं और बेटा रणबीर कपूर बॉलीवुड एक्टिंग के क्षेत्र में किसी परिचय का मोहताज नहीं है। रणबीर ने एक्ट्रेस आलिया भट्ट से शादी की है। साल 2020 में ऋषि कपूर का ल्यूकेमिया के कारण निधन हो गया, लेकिन नीतू ने हिम्मत नहीं हारी।

'कांतारा' मेकर्स ने ऋषभ शेट्टी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं, बताया फिल्म की प्रेरणा

निर्देशक-एक्टर ऋषभ शेट्टी की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कांतारा' का प्रीक्वल 'कांतारा चैप्टर-1' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म के निर्देशक को उनके जन्मदिन पर निर्माताओं ने खास अंदाज में शुभकामनाएं दी। यह फिल्म 'कांतारा' का प्रीक्वल है, जिसने पूरे भारत में धूम मचाई थी। प्रोडक्शन हाउस कंपनी होम्बले फिल्म्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, जहां लीजेंड्स जन्म लेते हैं और जंगल की गूंज सुनाई देती है... कांतारा एक ऐसा मास्टरपीस है, जिसने लाखों दिलों को छुआ। इस कहानी के पीछे की प्रेरक शक्ति, ऋषभ शेट्टी को जन्मदिन की बधाई। मोस्ट अवेटेड प्रीक्वल 'कांतारा चैप्टर-1' 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'कांतारा' एक पैन-इंडिया ब्लॉकबस्टर थी, जिसमें ऋषभ शेट्टी डबल रोल में थे। फिल्म में ऋषभ शेट्टी के साथ एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा, किशोर और अच्युत कुमार भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी कंबाला चैंपियन और वन अधिकारी के बीच टकराव पर आधारित थी।

इस फिल्म ने न केवल व्यावसायिक सफलता हासिल की, बल्कि काफी प्रशंसा भी बटोरी। सुपरस्टार रजनीकांत ने फिल्म की कोर टीम को फोन कर इसे 'मास्टरपीस' बताया था। रजनीकांत की प्रशंसा पर ऋषभ ने कहा था कि वह रजनीकांत के बचपन से फैन हैं और उनसे सराहना मिलना एक सपने के सच होने जैसा है। वहीं, 'कांतारा: चैप्टर 1' कदंब वंश के शासनकाल पर आधारित है। इसे ऋषभ शेट्टी ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि विजय किरागांदुर ने इसका निर्माण किया है। फिल्म में ऋषभ और जयराम मुख्य भूमिकाओं में हैं।

द वेदाज स्पीक को होस्ट करेंगी रुखसार रहमान, कहा

मुझे ब्रह्मांड के रहस्यों में गहरी दिलचस्पी

अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस रुखसार रहमान अब एक नए किरदार में नजर आएंगी। वह जल्द ही एक नया चैट शो द वेदाज स्पीक को होस्ट करेंगी। रुखसार ने इस टॉक शो को करने के लिए हामी भरने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से कुदरत के चमत्कारों में दिलचस्पी रही है, जैसे कि ब्रह्मांड, ज्योतिष, आध्यात्म, और पुराणों की कहानियां आदि। इस वजह से उन्होंने इस शो को होस्ट करना स्वीकार किया।

एक्ट्रेस ने कहा, मुझे हमेशा ब्रह्मांड, ज्योतिष, आध्यात्म, पुराणों और प्रकृति के चमत्कारों में ज्यादा रुचि रही है। ब्रह्मांड में जो रहस्य छिपे हैं, वे मुझे बेहद आकर्षक लगते हैं। ये रहस्य हमारी जिंदगी पर भी असर डालते हैं। रुखसार के लिए द वेदाज स्पीक शो से जुड़ना उनके अपने विश्वासों का एक स्वाभाविक हिस्सा जैसा है। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा से प्रकृति की अद्भुत चीजों में गहरी दिलचस्पी रही है। ये चीजें ब्रह्मांड के छिपे हुए राज बताती हैं। इसलिए जब इस शो का हिस्सा बनने का मौका मिला, तो मुझे लगा कि यह काम मेरे दिल के बहुत करीब है और मैं खुशी-खुशी इसके लिए तैयार हो गई। मैं इस शो का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। भेजा फ्राई 2 की एक्ट्रेस ने बताया कि 'द वेदाज स्पीक' बाकी आध्यात्मिक चैट शोज से बिलकुल अलग है। उन्होंने कहा कि यह शो सिर्फ बातें करने वाला नहीं है, बल्कि यह एक गहरी और अर्थपूर्ण यात्रा है। इसमें लोगों की मदद की जाएगी कि वह अपने अंदर झांकें, खुद को समझें और अपनी असली पहचान से जुड़ें। यह लोगों के अंदर बदलाव लाने की कोशिश करेगा। रुखसार ने कहा, यह चैट शो कई मायनों में टीवी या ऑनलाइन पर प्रसारित हो रहे शो से काफी हटकर है। एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो रुखसार कई फिल्मों और टीवी शोज में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने गॉड तुस्सी ग्रेट हो, सरकार, भेजा फ्राई 2, पीके, उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक, और 83 जैसी फिल्मों में काम किया है। वह कुछ तो लोग कहेंगे, बालवीर, ड्रीम गर्ल, और मरियम खान - रिपोर्टिंग लाइव' जैसे पॉपुलर टीवी शोज का भी हिस्सा रही हैं। रुखसार अब जल्द ही राजकुमार संतोषी की आने वाली फिल्म 'लाहौर 1947' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सनी देअ-ोल, प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, शिल्पा शेट्टी और अली फजल जैसे बड़े कलाकार भी हैं।

यह फिल्म आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस आमिर खान प्रोडक्शन्स के तहत बन रही है। इस फिल्म के जरिए प्रीति जिंटा करीब सात साल बाद इंडस्ट्री में वापसी कर रही हैं। लाहौर 1947 के अलावा, रुखसार के पास उत्तर दा पुत्तर है। इसमें वह अनु कपूर के साथ नजर आएंगी।

वाणी कपूर की बेबाक राय

फिल्मों में महिला कलाकारों की भूमिका सीमित ओटीटी पर असली मौका

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर ने सिनेमा में महिलाओं की बदलती स्थिति पर बात की। उन्होंने कहा कि अब एक नई पीढ़ी की एक्ट्रेस सामने आ रही हैं, जो सिर्फ रोमांटिक या पारंपरिक किरदार ही नहीं निभा रही हैं, बल्कि एक्शन से भरे, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल भी कर रही हैं। उन्होंने ओटीटी पर भी बेबाक राय रखते हुए कहा कि फिल्मों के मुकाबले ओटीटी पर एक्ट्रेस को टैलेंट दिखाने का सही मौका मिलता है।

वाणी का मानना है कि यह एक अच्छा बदलाव है, जो दिखाता है कि महिलाएं अब हर तरह की भूमिका में आगे आ रही हैं और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा, आजकल की नई एक्ट्रेस पुरानी सीमाएं तोड़ रही हैं। वह अब ऐसे किरदार कर रही हैं, जो एक्शन, तेज रफ्तार और उत्साह से भरपूर होते हैं। ये किरदार दिखाते हैं कि ताकत और गहराई से भरे भाव, दोनों एक साथ स्क्रीन पर दिख सकते हैं। अब भारतीय एक्ट्रेस बिना किसी डर के एक्शन फिल्मों में लीड रोल निभा रही हैं, जो पहले नहीं होता था। अब इंडस्ट्री में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है और ये बदलाव जरूरी भी है। वाणी कपूर जल्द ही नेटफ्लिक्स की थ्रिलर सीरीज 'मंडला मर्डर्स' से ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। एक्ट्रेस का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर एक्ट्रेस को अब पहले से बेहतर और दमदार कहानियों वाले रोल मिल रहे हैं। यहां कलाकारों को आजादी दी गई है, जिसके चलते वे ऐसे किरदार निभा सकते हैं, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करने वाले होते हैं। ओटीटी डेब्यू को लेकर वाणी कपूर ने कहा, मैं नेटफ्लिक्स पर

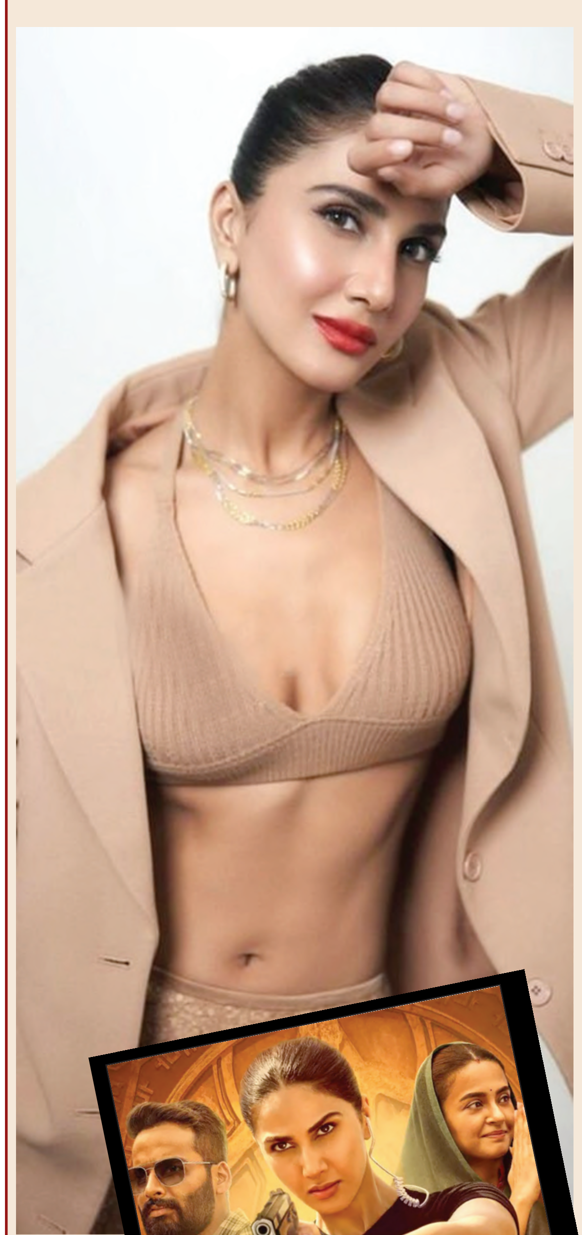

अपनी पहली ... सीरीज के ... लिए कुछ खास ... और चुनौतीपूर्ण ... ढूंढ रही थी, ... और 'मंडला मर्डर्स' में मुझे वो ... मौका मिला। इसमें मैं एक ऐसे रोल में हूं, जो पहले से ज्यादा बोल्ड है। यह रोल मुझे शारीरिक और मानसिक तौर पर चुनौती देता है।

एक्ट्रेस ने कहा, मुझे ओटीटी बहुत पसंद हैं। यहां एक्ट्रेस को ज्यादा बेहतर और दमदार रोल मिलते हैं, जिनमें हम अपनी अभिनय की असली कला दिखा सकते हैं। फिल्मों में अक्सर कहानी पुरुष एक्टर के इर्द-गिर्द ही घूमती है, जिससे एक्ट्रेस के रोल छोटे या सीमित रह जाते हैं। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर हमें ज्यादा मौके और खुलापन मिलता है, जिससे हम अपने टैलेंट को सही तरीके से दिखा सकते हैं।

मंडला मर्डर्स सीरीज का निर्देशन गोपी पुथरन ने किया है। इसे वाईआरएफ एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। इस शो में वाणी कपूर के साथ-साथ वैभव राज गुप्ता, सुरवीन चावला और श्रिया पिलगांवकर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

दिलीप कुमार को पुण्यतिथि पर याद कर भावुक हुए धर्मेंद्र, बोले, वो कहीं आस-पास हैं

बॉलीवुड के हीमैन धर्मेंद्र देओल अपने पुराने साथी और दिग्गज कलाकार दिलीप कुमार को याद कर भावुक हो गए। दिलीप कुमार की पुण्यतिथि पर याद करते हुए एक पोस्ट शेयर किया। जिसमें लिखा था ये नुकसान असहनीय है। मोनोक्रोम तस्वीर के साथ अभिनेता धर्मेंद्र ने कैप्शन में लिखा, आज का दिन बहुत ही गमनाक और मनहूस है इसी दिन, मेरे सबसे प्यारे भाई, सभी के प्रिय अदाकार, फिल्म इंडस्ट्री के भगवान, एक नेक और महान इंसान दिलीप साहब हमें हमेशा के लिए छोड़ कर चले गए। यह नुकसान असहनीय है, लेकिन खुद को तसल्ली ... लेता हूं, वो कहीं आस-पास हैं।

... बता दें, दोनों साथ में एक खास ...ॉन्ड शेयर करते थे, साथ ही धर्मेंद्र ...न्हें अपनी प्रेरणा और इंडस्ट्री में ...ार्गदर्शक मानते थे। दोनों ने साल ...966 में फिल्म 'पारी' में साथ में ...ाम किया था, जिसमें दिलीप ...ुमार ने अहम भूमिका निभाई थी; ...सके बाद दोनों ने साथ में कभी ...ाम नहीं किया।

कुछ दिन पहले दिलीप कुमार ...ी पत्नी और अभिनेत्री सायरा ...ानो ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने दिलीप कुमार और धर्मेंद्र की पहली मुलाकात का जिक्र किया था। उन्होंने बताया था कि दोनों की मुलाकात दिलीप साहब की बहन फरीदा ने कराई थी। उस मुलाकात के बाद, दोनों एक्टर्स के बीच इतना गहरा रिश्ता बन गया। रिश्ता इतना पक्का था कि धर्मेंद्र दिलीप कुमार से मिलने उनके घर बिना बताए जाने लगे थे।

उन्होंने लिखा, तब से, धरम जी हमेशा बिना किसी अपॉइंटमेंट के साहब से मिलने चले आते थे। चाहे आधी रात हो या दिन, साहब हमेशा उनका स्वागत करते थे। जब धरम जी को शोहरत और कामयाबी मिली, तो उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वह इसे कैसे संभालें, तब साहब उनके जीवन में रोशनी की किरण बन गए।

दिलीप कुमार ने अभिनेत्री सायरा बानो से साल 1966 में शादी की थी, जो कि उम्र में उनसे काफी छोटी थीं, लेकिन दोनों का रिश्ता बहुत मजबूत और प्यारा था। दिलीप कुमार ने 7 जुलाई 2021 को 98 साल की उम्र में मुंबई के पी.डी. हिंदुजा अस्पताल में आखिरी सांस ली।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। अपने बॉस को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। सहकर्मी आपको काफ़ी सहयोग देंगे और कार्यक्षेत्र में विश्वास की नींव पर नए रिश्तों की शुरुआत होगी। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। ख़राब तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बातें करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर–ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराते रहें कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ। आज प्यार की मदहोशी में हक़ीक़त और फ़साना मिलकर एक होते मालूम होंगे। इसे महसूस करें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी और बच्चों से अतिरिक्त स्नेह और सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों के साथ शाम अच्छी रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपको और आपके जी–वनसाथी को वैवाहिक जीवन में कुछ निजता की ज़रूरत हे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने जीवनसाथी के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। बच्चों को पढ़ाई पर ध्यान लगाने और भविष्य के लिए योजना बनाने की ज़रूरत है। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते है।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 जुलाई 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़, शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 12:40 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 03:16 तक
योग : शुक्ल रात्रि 10:16 तक
करण : कौलव दोपहर 12:00 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 03:16 तक
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , भौम प्रदोष व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

किसान, युवा, महिला एवं मजदूर के उत्थान में कारगर हो रहा पखवाड़ा : भजनलाल

कोटा, 07 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत गांवों में किए जा रहे कार्य विकसित भारत–विकसित राजस्थान का संकल्प साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके अंतर्गत प्रदेशभर के गांवों में दिव्यांगों, महिलाओं, बुजुर्गों और वंचितों का उत्थान सरकारी योजनाओं के माध्यम से सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से वर्षों से लंबित कार्य एक ही स्थान पर किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों की राह आसान हो रही है।

शर्मा सोमवार को कोटा के सांगोद में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित शिविर और सुपोषित मां अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में चार जातियां– किसान, युवा, महिला एवं मजदूर बताई हैं। उनकी मंशा के अनुरूप राज्य सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े की पहल की है जिसके अंतर्गत 24 जून से 9 जुलाई तक ग्रामीण क्षेत्रों में शिविरों के माध्यम से व्यापक कार्य कर इन वर्गों को लाभान्वित किया जा रहा है। शिविरों में सीमाज्ञान, रास्तों के प्रकरणों का समाधान, बिजली के झूलते तारों को कसने का कार्य, पशुओं के टीकाकरण जैसे विभिन्न कार्य हाथ में लिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए पंडित दीनदयाल गरीबी मुक्त गांव योजना शुरू की है, जिसके माध्यम से ग्रामीण परिवारों को बीपीएल श्रेणी से बाहर निकाला जाएगा। इसमें पांच हजार गांवों का सर्वे हो चुका है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने युवाओं को रोजगार देने और किसान कल्याण के लिए भी कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डेढ़ वर्ष के अल्प कार्यकाल में हमने 69 हजार पदों पर नियुक्तियां दी है और लगभग 1 लाख 88 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। वहीं हम किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य पर दृढ़ता के साथ कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में 22 जिलों में हम दिन में बिजली उपलब्ध भी करवा रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन की सरकार प्रदेश में हर वर्ग और हर क्षेत्र का विकास तेजी से कर रही है। महिला कल्याण को प्रमुख प्राथमिकता देते हुए नीतियों एवं योजनाओं को धरातल पर क्रियान्वित किया जा रहा है। हमने 14 लाख महिलाओं को लखपति दीदी योजना के तहत प्रशिक्षण दिया है और लगभग 5 लाख 60 हजार महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना का लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि 1 लाख बालिकाओं को लाडो प्रोत्साहन योजना से लाभान्वित करते हुए 9वीं कक्षा में प्रवेश लेने वाली 10 लाख बालिकाओं को साईकिल भी वितरित की हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी क्षेत्रों के विकास कार्यों के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध करवा रही है। हमने कोटा जिले के विकास के लिए 3 हजार 30 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने डेढ़ साल के अल्प कार्यकाल में पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल के कार्यकाल से अधिक काम किया है। पूर्ववर्ती सरकार ने 5 साल में केवल एक लाख 75 हजार स्वामित्व कार्ड का वितरण किया, जबकि हमारी सरकार ने 18 माह में ही साढ़े 9 लाख कार्ड वितरित कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 1 हजार 381 गांवों को सड़कों से जोड़ा जबकि गत सरकार 5 वर्षों में केवल 1 हजार 104 गांवों को ही जोड़ पाई। इसी प्रकार हमने बिजली उत्पादन क्षमता में 4 हजार 270 मेगावाट की वृद्धि की, जबकि पूर्ववर्ती सरकार 5 वर्षों में 3 हजार 948 मेगावाट बढ़ा पाई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 26.24 करोड रुपए की लागत से परवन नदी पर बने हाई लेवल ब्रिज तथा 45 करोड रुपए की लागत से कालीसिंध नदी पर बने उच्च स्तरीय पुल का लोकार्पण किया। साथ ही, समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत ग्राम कनवास में 41.87 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय के नवीन भवन निर्माण कार्य का लोकार्पण भी किया गया। उन्होंने सांगोद में 16.69 करोड रुपए की लागत से डलने वाली सीवरेज लाइन और ट्रीटमेंट प्लांट का शिलान्यास भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सुपोषित मां अभियान मातृशक्ति के सशक्तीकरण और गर्भवती माताओं एवं नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण को समर्पित है। अभियान में वंचित परिवारों की गर्भवती महिलाओं को चिह्नित कर प्रसव होने तक प्रतिमाह निःशुल्क पोषण किट का वितरण किया जा रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि अंत्योदय संबल पखवाड़ा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि उस विचारधारा का सजीव रूप है, जिसमें समाज के सबसे वंचित और जरूरतमंद व्यक्ति के कल्याण का संकल्प निहित है। राज्य सरकार ने इसी सोच के साथ इस पखवाड़े की शुरुआत की है ताकि हर योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सके। बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सेवा को सुशासन का आधार बनाया है। राज्य सरकार भी उसी सोच के साथ योजनाओं को पंचायत और गांव तक पहुंचा रही है। आज महिलाएं, युवा, किसान और मजदूर सरकारी योजनाओं से सीधे जुड़ रहे हैं। यह अंत्योदय की दिशा में एक ठोस कदम है।बिरला ने कहा कि हम किसानों को समय पर बिजली, विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली देने के लिए गंभीरतासे काम कर रहे है।

प्रदेशभर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं तत्काल समाधान के दिए निर्देश : दिया कुमारी

जयपुर, 07 जुलाई (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी जी ने अपने कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, सड़क निर्माण, पेंशन, और प्रशासनिक मामलों से जुड़ी समस्याएं रखीं।

उपमुख्यमंत्री ने सभी मामलों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। कई मामलों में तो मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

उन्होंने कहा, जनता की समस्याओं का समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारी सरकार संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। जनसुनवाई के दौरान उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी शिकायत को अनसुना न किया जाए और तय समयसीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए।

पर्यावरण, उद्योग एवं खनन विषय पर मंथन कल

जयपुर, 07 जुलाई (एजेंसियां)। सूक्ष्म और लघु उद्योगों के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए प्रतिबद्ध राष्ट्रीय संगठन लघु उद्योग भारती की राजस्थान इकाई की ओर से प्रदेश के पर्यावरण, उद्योग एवं खनन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विषयों पर गहरी चर्चा और उनके स्थायी समाधान के लिए राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन 9 जुलाई को जयपुर में किया जाएगा। ये जानकारी के एलयूबी राष्ट्रीय सचिव नरेश पारीक ने संगठन के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी।

पारीक ने बताया कि राजस्थान सरकार की ओर से प्रदेश के पारंपरिक पत्थर उद्योग को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के लिए शुरू की गई अंतरराष्ट्रीय पत्थर प्रदर्शनी इंडिया स्टोनमार्ट–2026 की पूर्व गतिविधियों के अंतर्गत लघु उद्योग भारती, राजस्थान द्वारा इस राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन 9 जुलाई को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक जयपुर के कंस्टीट्यूशन क्लब में किया जा रहा है जिसमें राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के काबीना मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं राज्य मंत्री के.के. विश्नोई के साथ खनन, पर्यावरण और उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव, रीको के पदाधिकारी, पर्यावरणविद, खनन विशेषज्ञ, स्टोन इंडस्ट्री के प्रतिनिधि एवं राज्य के विभिन्न औद्योगिक संगठनों के सदस्य सहभागिता करेंगे। उम्मीद की जा रही है कि इस पहल के जरिये कई बरसों से उलझी हुई जटिल समस्याओं के समाधान निकाले जा सकेंगे। और साथ ही राज्य में पर्यावरणीय संतुलन के साथ औद्योगिक एवं खनिज क्षेत्र के समन्वित विकास पर फोकस किया जा सकेगा।

प्रेस वार्ता में जयपुर में 5 से 8 फरवरी, 2026 को आयोजित हो रही इंडिया स्टोनमार्ट–2026 पत्थर की अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी के संयोजक नटवरलाल अजमेरा ने बताया कि स्टोनमार्ट में सह आयोजक (पार्टनर) के तौर पर लघु उद्योग भारती ने इंडिया स्टोनमार्ट 2026 के प्रचार–प्रसार में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि बीते महीनों में इटली, चीन, तुर्की, अमेरिका, यूके और रूस जैसे प्रमुख देशों में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्टोन प्रदर्शनियों में लघु उद्योग भारती ने सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ स्टोन्स (सीडोस) के साथ सक्रिय सहभागिता की और वैश्विक कंपनियों को आमंत्रित करने के साथ–साथ भारतीय उद्यमियों और विदेशी कंपनियों के बीच द्विपक्षीय व्यापार संवाद आयोजित किए। श्री अजमेरा ने जानकारी दी कि यह पहली बार है जब इंडिया स्टोनमार्ट प्रदर्शनी के वैश्विक प्रचार के लिए इतने बड़े स्तर पर समन्वित प्रयास किये गए।

जनसेवा, संस्कार और प्रशिक्षण के केंद्र हैं भाजपा कार्यालय : डॉ.पूनिया

चंडीगढ़, 07 जुलाई (एजेंसियां)। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से भाजपा के जिला कार्यालय झज्जर मंगलम का उद्घाटन किया। दिल्ली में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और झज्जर में पार्टी के प्रदेश प्रभारी सतीश पुनिया ,भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़,कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा मुख्य रूप से मौजूद रहे। पार्टी के प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा के कार्यालय जन सेवा, संस्कार और प्रशिक्षण के केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी जनसेवा की भावना के साथ संस्कार और संस्कृति को देश के विकास के साथ जोड़ रही है, इसलिए केंद्र और हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी की असली ताकत बताया।

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देते कहा कि अब झज्जर में पार्टी का संगठन और मजबूत होकर उभरेगा। अब हमारे पास स्थाई कार्यालय है, जहां संगठन के कार्य बेहतर तालमेल के साथ होंगे, पार्टी की मजबूती का आधार प्रशिक्षण है । जिला पार्टी कार्यालय में जनसेवा की भावना के साथ संस्कारों को आगे बढ़ाया जाएगा।

भाजपा सरकार ने बीपीएल परिवारों के साथ किया विश्वासघात : सैलजा

चंडीगढ़, 07 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा 6.36 लाख से अधिक बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा से बाहर कर खाद्य आपूर्ति व अन्य सरकारी लाभों से वंचित करना अत्यंत निंदनीय है। यह फैसला दर्शाता है कि भाजपा सरकार ने चुनावों से पहले गरीबों को झूठे वादों और सपनों में उलझाया और अब चुनाव समाप्त होते ही उनके हक छीन लिये हैं।मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश के फरीदाबाद, पानीपत और करनाल जिलों में सबसे अधिक बीपीएल कार्ड काटे गए हैं। केवल फरीदाबाद में ही 20,266 कार्ड रद्द किए गए हैं। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भाजपा सरकार गरीब विरोधी नीति पर चल रही है। अप्रैल से जून तक केवल तीन महीनों में 6.36 लाख परिवारों को अचानक अमीर घोषित कर दिया गया, जो एक हास्यास्पद और नाजायज़ निर्णय है। अब सरकार दावा कर रही है कि प्रदेश में जून माह में 48 लाख परिवार ऐसे है जिनकी आय 1.80 लाख रुपये से कम है।

बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर योद्धा थे : सैनी

चण्डीगढ़, 07 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए घोषणा की, कि राज्य सरकार द्वारा जिला कुरूक्षेत्र के गांव ईशरगढ़ स्थित बाबा लक्खी शाह बावड़ी का सौंदर्यकरण करवाया जाएगा। साथ ही गावं में उनके नाम से सामुदायिक केंद्र का निर्माण और एक मूर्ति की स्थापना भी की जाएगी। इसके लिए उन्होंने अपनी ओर से 31 लाख रूपये और कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार व कुमारी आरती सिंह राव की तरफ से 11–11 लाख रूपये देने की घोषणा की।

उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि समाज की सहमति से प्रदेश में किसी एक चौक और एक सड़क का नाम बाबा लक्खी शाह वंजारा के नाम पर रखा जाएगा। इसके अलावा, उनके नाम से एक सामुदायिक केंद्र का निर्माण भी करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह घोषणाएं आज यहां संत कबीर कुटीर पर बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को सम्बोधित करते हुए की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बाबा लक्खी शाह वंजारा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि वंजारा समाज की और से उन्हें आज पगढ़ी पहनाकर जो मान–सम्मान दिया गया है उसे वह कभी कम नहीं होने देंगे और सदैव इस सम्मान को बढ़ाने के लिए कार्य करते रहेंगे।

प्रदेशवासियों को बाबा लखी शाह वंजारा जयंती की हार्दिक बधाई एव शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर योद्धा थे, जिन्होंने अपने जीवन की आहुति देकर इतिहास में एक अमर गाथा लिखी। उन्होंने कहा कि जब हम भारत की महान संस्कृति, विविधता और बलिदानी परंपरा की बात करते हैं, तो कई महान वीरों की छवि उभरती है, जिन्होंने राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया। बाबा लक्खी शाह वंजारा उनमें से एक थे। वे ऐसे सिक्ख सेवक थे, जिन्होंने गुरु भक्ति और साहस का ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसे युगों–युगों तक याद किया जाता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख इतिहास में बाबा लक्खी शाह वंजारा की कुर्बानियां स्वर्ण अक्षरों में लिखी गई हैं। उन्होंने मुगलों का डटकर मुकाबला किया और धर्म की रक्षा के लिए अभूतपूर्व बलिदान दिया। भारत के इतिहास में सम्भवतः यह पहली घटना थी, जब किसी एक परिवार के 112 से अधिक सदस्यों द्वारा शहादत दी गई। उन्होंने कहा कि वंजारा समाज संघर्षशील, मेहनती और स्वाभिमानी समाज है, जिसने न केवल व्यापार और वाणिज्य के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को गति दी है, बल्कि देश की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि महापुरुष किसी भी धर्म व जाति के न होकर सभी के होते हैं। उनकी विरासत को संभालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है। इसलिए सरकार 'संत–महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' के तहत संतों व महापुरुषों के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों ने जो समानता का संदेश दिया है, उसे साकार करने के लिए सरकार ने अनेक ऐसी योजनाएं बनाई हैं, जिनसे समाज के हर वर्ग के गरीब से गरीब व्यक्ति का जीवन स्तर ऊंचा उठ सके। इन योजनाओं से वंजारा समाज का भी उत्थान हो रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने समाज के अंतिम और वंचित व्यक्ति का उत्थान करने का बीड़ा उठाया है। घुमन्तू जातियों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए इनके परिवारों के पहचान पत्र बनाये गये हैं। अब इन्हें सरकार की सभी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ परिवार पहचान पत्र के माध्यम से दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने दशकों से बेघर रही घुमंतू जातियों को एक जगह बसाकर समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किया है। सरकार द्वारा करनाल, पलवल व रोहतक शहरों के लिए आवेदन करने वाले घुमंतू जाति के गरीब परिवारों को प्लाट दिए गए है। इसके अतिरिक्त, 'मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना' के तहत गरीबों को शहरों में प्लाट देने का काम शुरू किया गया है। इस योजना के पहले चरण में 14 कस्बों और शहरों में भूमि की पहचान कर 15 हजार 256 गरीब परिवारों को आवंटन पत्र सौंपे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 100–100 वर्ग गज प्लाटों का कब्जा न पाने वाले 4 हजार 532 लोगों को अधिकार पत्र एवं 1–1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है।

शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चारमाडी घाट पर घने कोहरे के कारण वाहन चालकों को हुई परेशानी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेल्टांगडी क्षेत्र में पिछले सप्ताह भारी बारिश हुई, साथ ही गरज और बिजली भी चमकी। इस बीच, बेल्टांगडी और मुदिगेरे को जोड़ने वाले चारमाडी घाट क्षेत्र में घना कोहरा छाया रहा, जिससे घाट पर यातायात जाम की स्थिति पैदा हो गई। सप्ताहांत में पर्यटकों और श्रद्धालुओं की आमद के कारण शनिवार रात से रविवार तक वाहनों की संख्या में काफी वृद्धि हुई। एक तरफ, लगातार बारिश और दूसरी तरफ, सुबह-सुबह कोहरे की वजह से वाहन चालकों के लिए इस क्षेत्र में यात्रा करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है।

खराब दृश्यता के कारण नियमित परिवहन बसों के साथ-साथ सब्जियां और आवश्यक आपूर्ति ले जाने वाले वाहनों को धीमी गति से चलना पड़ा। चारमाडी घाट के कुछ हिस्सों में दृश्यता 5 फीट से भी कम हो गई, जिससे यात्रियों को परेशानी हुई। मुदिगेरे तालुक के चारमाडी, बानाकल, कोट्टीगेहरा और अन्नाप्पाबेट्टा और बेल्टांगडी क्षेत्रों में भी कोहरा छाया रहा।

चारमाडी सड़क, एक तरफ खड़ी पहाड़ियों और दूसरी तरफ गहरी घाटियों से घिरी हुई है, जो अतिरिक्त जोखिम पैदा करती है, खासकर इसलिए क्योंकि कभी-कभी हाथियों को सड़क पार करते हुए देखा जाता है। इसलिए, मोटर चालकों से इन हिस्सों पर चलते समय अत्यधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया जाता है। मदिकेरी को जोड़ने वाले संपाजे घाट में भी घना कोहरा देखने को मिला। शनिवार रात से लगातार बारिश ने स्थिति को और खराब कर दिया है, जिससे बीच-बीच में घना कोहरा छा रहा है, जिससे दृश्यता बुरी तरह प्रभावित हुई है। नतीजतन, मोटर चालकों के पास धीमी गति से गाड़ी चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। मोड़ पर, वाहन कछुए की गति से चल रहे थे, जिससे ट्रैफिक जाम हो गया। रविवार होने के कारण, पर्यटक वाहनों की संख्या भी उल्लेखनीय रूप से अधिक थी। हालांकि बिसिले घाट में कोहरा आम नहीं है, लेकिन रविवार को असामान्य घना कोहरा देखने को मिला, जिससे यातायात का सामान्य प्रवाह बाधित हुआ। इसके विपरीत, शिरडी घाट अपनी सामान्य स्थिति में रहा, जहां कोहरा नहीं था और केवल हल्की बारिश हुई। यातायात बिना किसी व्यवधान के सुचारू रूप से चलता रहा। मोटर चालकों को सलाह दी जाती है कि वे कोहरे से ढके घाटों से गुजरते समय आवश्यक सावधानी बरतें। कोहरे के दौरान हमेशा हेडलाइट जलाए रखना जरूरी है। वाहन चालकों को घाटों की प्राकृतिक सुंदरता को निहारने के लिए अपने वाहन को रोकने से बचना चाहिए, चाहे वह कितना भी आकर्षक क्यों न लगे। घाट के खंडों पर अन्य वाहनों को ओवरटेक करने की सख्त मनाही है। ऐसे मामलों में जहां रुकना बिल्कुल अपरिहार्य है, ड्राइवरों को अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

भारतीय गौर के हमले में एक व्यक्ति की मौत

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के मुदिगेरे तालुक के दुर्गादहल्ली में भारतीय गौर के हमले में एक कॉफी उत्पादक की मौत हो गई। 52 वर्षीय डी.वी. रमेश गौड़ा अपने कॉफी एस्टेट में काम करते समय जंगली जानवर से टकरा गए। पड़ोसी एस्टेट के श्रमिकों ने उन्हें मदद के लिए चिल्लाते हुए सुना। कलसा के एक अस्पताल ले जाते समय रमेश गौड़ा की मौत हो गई। उनके परिवार में उनकी पत्नी और एक बेटा है। बालूर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में जंगली जानवरों के खतरे के स्थायी समाधान की मांग की है। उन्होंने कर्नाटक सरकार से मानव-पशु संघर्ष को समाप्त करने के लिए उपाय करने का आग्रह किया।

बाइक सवार बदमाशों ने दो लोगों से छीने मोबाइल फोन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बाइक सवार बदमाशों ने वी.वी.पुरम और महादेवपुरा पुलिस थानों की सीमा में दो अलग-अलग जगहों पर दो लोगों से मोबाइल फोन छीन लिए। आदर्श नामक एक निजी फर्म का कर्मचारी कामथ होटल के पास घर जा रहा था, तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने उसका सामना किया।

उन्होंने उसे कीमती सामान सौंपने की धमकी दी और उसका मोबाइल फोन छीन लिया, इसके बाद वे मौके से भाग गए। वी.वी.पुरम पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एक अन्य घटना में, बाइक सवार दो बदमाशों ने एक निजी फर्म के कर्मचारी का सामना किया और कथित तौर पर उसका मोबाइल फोन छीन लिया। यह घटना सीतारामपाल्या के पास हुई, जब पीड़ित घर लौट रहा था। महाद-ेवपुरा पुलिस ने मामले को अपने हाथ में ले लिया है। आगे की जांच जारी है।

जनता के खिलाफ ही षड्यंत्र रचा जा रहा है, मतदाता पुनरीक्षण का काम रोके चुनाव आयोग : मुकेश सहनी

पटना (एजेंसियां)।

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने चुनाव आयोग पर हमला बोला है। उन्होंने चुनाव आयोग से मतदाता पुनरीक्षण कार्य को रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रेस वार्ता में वीआईपी के संस्थापक मुकेश सहनी ने कहा कि आज मतदाता पुनरीक्षण कार्य के दौरान बिहार के सभी स्कूलों का कार्य ठप है। सभी शिक्षकों को इस कार्य में लगाया गया है।

मुकेश सहनी ने पूछा कि क्या चुनाव आयोग और बिहार सरकार यहां के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर रहा है? दो-तीन महीने अगर स्कूल ठप रहेगा तो यहां के बच्चों की पढ़ाई कैसे संभव है? उन्होंने चुनाव आयोग से आग्रह करते हुए कहा कि वे सोशल साइटों पर किए जा रहे कमेंटों को पढ़ें, उसे समझ में आ जाएगा कि बिहार की जनता सोच क्या रही है। बिहार की जनता चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा कर रही है, जिसे आयोग को गंभीरता से समझने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग मतदाता पुनरीक्षण कार्य को वापस लेना चाहिए। अभी चुनाव आयोग का कहना है कि बिना पेपर के भी अपलोड किया जा सकता है। लेकिन, बीएलओ कार्यों से परेशान है। उन्होंने कहा कि अगर किसी बूथ पर 200 मतदाता का नाम कट जाता है तो इससे स्थिति खराब होगी। बीए-लओ के साथ ही लोग मारपीट करने लगेंगे। बिहार में लोकतंत्र है। जनता मालिक है और जनता के खिलाफ ही षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने सत्ता पक्ष द्वारा इस मामले में सामने नहीं आने पर कहा कि जनता की परेशानियों से उन्हें कोई मतलब नहीं है, यही कारण है कि वे चुप हैं।

लखीसराय में महादलितों का हल्ला बोल रोड नहीं तो वोट नहीं की चेतावनी

लखीसराय (एजेंसियां)।

लखीसराय जिले के नेमदारगंज गांव के सैकड़ों महादलित पुरुषों और महिलाओं ने सोमवार को सड़क निर्माण समेत बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर समाहरणालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया।

हाथों में तख्तियां और नारों के साथ प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और स्पष्ट संदेश दियाङ्ख 'रोड नहीं तो वोट नहीं'।

नेमदारगंज गांव की आबादी करीब तीन हजार है, जिसमें अधिकांश लोग महादलित और अति पिछड़ा वर्ग से आते हैं। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का आर-ोप है कि वर्षों से वे सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। सबसे गंभीर समस्या सड़क की है, जिससे गांव तक पहुंचना और मरीजों को अस्पताल ले जाना बेहद मुश्किल हो गया है। खासकर बारिश के मौसम में पूरा गांव चारों ओर से जलमग्न होकर टापू में तब्दील हो जाता है।

पंच रवि कुमार ने बताया कि कई बार प्रशासन से पक्की सड़क बनाने की मांग की गई है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीण महिलाओं सुहागी देवी और किरण देवी ने कहा कि बरसात में बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल हो जाता है। अशोक राम ने कहा कि अब गांव के लोग जागरूक हो गए हैं और जब तक सड़क नहीं बनेगी, वे वोट नहीं देंगे।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए जल्द से जल्द पक्की सड़क निर्माण की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। ग्रामीणों की यह एकजुटता उनकी समस्याओं की गंभीरता को उजागर करती है और यह भी दर्शाती है कि अब वे अपने अधिकारों के लिए सजग, जागरूक और संगठित हो चुके हैं। अब सभी की नजरें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

इंकलाबी नौजवान सभा और आइसा ने निकाला मार्च, वोटर पुनरीक्षण पर जताया विरोध

सीवान(एजेंसियां)।

इंकलाबी नौजवान सभा और आइसा के संयुक्त तत्वावधान में अंबेडकर पार्क, सिवान से जेपी चौक तक एक विरोध मार्च निकाला गया। मार्च के समापन पर जेपी चौक पर एक नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बिहार में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान का विरोध करते हुए इसे 'नागरिकता की जांच' करार दिया गया।

मार्च को संबोधित करते हुए इंकलाबी नौजवान सभा के जिला सचिव जयशंकर पंडित ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा चलाया जा रहा मतदाता पुनरीक्षण अभियान दरअसल बिहार के नागरिकों की नागरिकता पर सवाल खड़ा कर रहा है, जो आज़ादी के 75 वर्षों में पहली बार हो रहा है। उन्होंने कहा, ङ्गअगर बिहार के तमाम वोटर अवैध हैं, तो 2024 में चुनी गई सरकार भी अवैध है। प्रधानमंत्री मोदी को इस्तीफा दे देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं द्वारा चुनाव आयोग से पूछे जाने पर साफ कहा गया कि जो लोग बिहार में नहीं हैं, उनका नाम वोटर लिस्ट से हटाया जाएगा। जयशंकर पंडित ने इस फैसले को लोकतंत्र विरोधी बताते हुए तत्काल पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की।

आइसा के जिला सचिव प्रिंस पासवान और मजदूर यूनियन के राज्य सचिव अमित गोंड ने कहा कि अक्टूबर-नवंबर में संभावित विधानसभा चुनावों को देखते हुए प्रधानमंत्री हर महीने बिहार आ रहे हैं, लेकिन जनता अब रैलियों में नहीं जाना चाहती। अधिकारी दबाव बनाकर भीड़ जुटा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता की चिंता में डूबी सरकार दलित, गरीब, किसान, मजदूर और प्रवासी नौजवानों को वोटर लिस्ट से बाहर करना चाहती है।

मार्च का नेतृत्व राज्य कमिटी सदस्य विशाल यादव, सुनील पासवान, अरविंद प्रसाद, पंकज यादव, अनीश कुमार, सुनील यादव, गोलू कुमार, अनीश पंडित, रितेश पंडित समेत कई कार्यकर्ताओं ने किया।

कटिहार में मोहर्रम जुलूस के बाद तनाव, प्रशासन की पहल पर बुलाई गई शांति समिति की बैठकर

पूर्णिया (एजेंसियां)।

मोहर्रम जुलूस के दौरान उत्पन्न हुए सांप्रदायिक तनाव के बाद कटिहार जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। पूर्णिया प्रमंडल के आयुक्त राजेश कुमार की अगुवाई में नगर भवन में जिला प्रशासन, मोहर्रम कमेटी, हिंदू संगठनों और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा सहित सभी संबंधित अधिकारियों और समुदायों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

बैठक के दौरान जिले की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की गई और सौहार्द बनाए रखने की रणनीति पर चर्चा हुई।

प्रमंडलीय आयुक्त राजेश कुमार ने कहा कि फिलहाल कटिहार शहर में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी भी इलाके से किसी नई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। उन्होंने सभी समुदायों से शांति बनाए रखने की अपील की और अफवाहों से बचने, साथ ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट न करने की चेतावनी दी।

आयुक्त ने बताया कि शहर के संवेदनशील इलाकों में पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती कर दी गई है और हर प्रमुख चौक-चौराहे पर मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई है।

साथ ही ड्रोन से निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी उपद्रव की संभावना को समय रहते रोका जा सके।

डीएम मनेश कुमार मीणा ने कहा कि उपद्रव में शामिल असामाजिक तत्वों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे प्रशासन का सहयोग करें और अफवाहों से दूर रहें।

एसपी वैभव शर्मा ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मोहर्रम अखाड़ा कमेटी और हिंदू संगठनों ने भी बैठक में प्रशासन को पूर्ण सहयोग और शांति बनाए रखने का भरोसा दिलाया।

प्रशासन ने साफ कर दिया है कि जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार गश्त जारी रहेगी और आवश्यकता पड़ने पर इंटरनेट सेवाओं पर भी नजर रखी जाएगी।

मुहर्रम जुलूस के दौरान लहराया गया फिलिस्तीन का झंडा, वायरल वीडियो की जांच में जुटी पुलिस

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले में एक बार फिर मुहर्रम के ताजिया जुलूस के दौरान फिलिस्तीन का झंडा लहराए जाने का मामला सामने आया है। ताजा मामला जिले के जजुआर थाना क्षेत्र का है, जहां मुहर्रम के मातमी जुलूस के दौरान फिलिस्तीन का झंडा लहराया गया। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि सैकड़ों की भीड़ के बीच एक युवक फिलिस्तीन का झंडा लहरा रहा है, जबकि अन्य लोग ताजिया उठाए हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान भारतीय तिरंगा झंडा भी जुलूस में लहराया जा रहा था। वायरल वीडियो में कुछ युवक हाथों में तलवार और अन्य प्रतिबंधित सामग्री लिए हुए भी दिखाई दे रहे हैं।

बता दें कि इससे पहले जिले के मीनापुर थाना क्षेत्र में भी एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक युवक फलस्तीन का झंडा लहराते हुए दिखा था। हालांकि, वहां पर जुलूस में शामिल युवक ने थोड़ी देर बाद खुद ही वह झंडा हटा लिया था। उस घटना का भी वीडियो एक स्थानीय व्यक्ति ने रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर डाला, जो तेजी से वायरल हो गया।

अब जजुआर क्षेत्र से आए इस नए वीडियो ने फिर से विवाद को हवा दे दी है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और वीडियो की सत्यता के साथ-साथ इसमें शामिल लो-गों की पहचान करने की प्रक्रिया चल रही है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधि या प्रतिबंधित प्रतीकों का प्रदर्शन कानून के विरुद्ध है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेस्क्यू करने के दौरान सांप ने काटा, लोग बनाते रहे वीडियो और शख्स की चली गई जान

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

वैशाली में सांप का रेस्क्यू करने वाले शख्स को ही सांप ने काट लिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान जयप्रकाश यादव के रूप में की गई है। घटना राजापाकर प्रखंड की है। हैरानी की बात यह है कि जयप्रकाश यादव की सबके सामने मौत हो गई और वहां पर जुटे लोग मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि जयप्रकाश लगभग 20 वर्षों से सांप का रेस्क्यू करने का काम करते थे। वह अब तक कई बड़े-बड़े रेस्क्यू को अंजाम दे चुके थे, लेकिन आज सांप का रेस्क्यू करने के दौरान उसे सांप ने काट लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जय प्रकाश यादव को जिला के लोग एक प्राकृतिक योद्धा के रूप में जानते थे। उनका जीवन सांपों की सुरक्षा और बचाव के लिए समर्पित था। उनकी सेवा और साहस की कहानियां क्षेत्र में मशहूर थीं। उनकी अचानक मृत्यु से क्षेत्र के लोगों में शोक की लहर है।

रविवार की दोपहर बिदुपुर प्रखंड क्षेत्र के चकसिकंदर पैक्स अध्यक्ष राजन कुमार साह के चावल गोदाम में जहरीला और विशाल कोबरा सांप छिपा हुआ था। जब लोगों की नजर पड़ी तो लोगों ने जयप्रकाश यादव को बुलाया गया। उन्होंने कोबरा सांप का रेस्क्यू किया, लेकिन थोड़ी सी लापरवाही करने के कारण सांप ने उसे डस लिया। सांप के डंसते ही जय प्रकाश जमीन पर गिर पड़े। ताज्जुब की बात यह है कि म्ल-ोगों के स्दामने सांप ने उस शख्स को डसा और उसनके सामने ही वह जमीन पर गिर पड़ा लेकिन घटनास्थल पर जुटी भीड़ तमाशबीन बनकर मोबाइल से वीडियो बनाते रहे, लेकिन किसी ने उन्हें अस्पताल नहीं पहुंचाया। इस वजह से जय प्रकाश की मौत हो गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com